■ फ्रिज, वाशिंग मशीन और एसी की 10 से 12 प्रतिशत बढ़ सकती है कीमत - 10

■ कच्चे तेल की महंगाई का भारत पर पड़ सकता है गंभीर आर्थिक प्रभाव : रिपोर्ट - 10

■ जेंडर परिभाषा पर भारत रहा तटस्थ, संरा में टूटी आम सहमति की परंपरा-11

■ आईपीएल में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे ऋषभ पंत - 12

आज का मौसम
28.0° अधिकतम तापमान
17.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.13
सूर्यास्त 06.25

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

चैत्र शुक्ल पक्ष पंचमी 06:38 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2083

सोमवार, 23 मार्च 2026, वर्ष 7, अंक 117, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

पश्चिम एशिया : चौथे सप्ताह की शुरुआत में खतरनाक हमलों के साथ युद्ध ने किया नए चरण में प्रवेश

मिसाइल हमलों से दहला इजराइल

ईरान ने इजराइल के दो बड़े शहरों पर किए हमले, 300 से ज्यादा लोग घायल, परमाणु अनुसंधान केंद्र डिमोना के पास गिरी मिसाइल | ट्रंप की चेतावनी- 48 घंटे में होर्मुज खोलो वरना तबाह कर देंगे ऊर्जा संयंत्र, ईरानी राष्ट्रपति बोले-हम पागलपन भरी धमकी से नहीं डरते

काहिरा, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अपने चरम पर है। ईरान ने शनिवार देर रात दक्षिणी इजराइल के दो इलाकों पर मिसाइल हमले किए, जिससे इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई और 300 से ज्यादा लोग घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर है। ये हमले इजराइल के मुख्य परमाणु अनुसंधान केंद्र के पास हुए। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान 48 घंटे के भीतर होर्मुज को पूरी तरह नहीं खोलता है तो अमेरिका उसके ऊर्जा संयंत्रों को नेस्तनाबूद कर देगा। इसी धमकी के बीच अमेरिका ने ईरान के कई महत्वपूर्ण लोगों को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ मिसाइल हमले किए हैं।

अमेरिका ने दावा किया है कि इन हमलों में उसने ईरान के कई टॉप लीडर्स का सफाया कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडिया साझा करते हुए अमेरिका मिलिट्री नाम के अकाउंट से दावा किया गया है कि इन हमलों में ईरान के टॉप लीडर्स को मौत के घाट उताया गया। इन घटनाक्रमों से संकेत मिलता है कि युद्ध अपने चौथे सप्ताह की शुरुआत में एक खतरनाक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। तेल की बढ़ती कीमतों के बीच देश में दबाव का सामना कर रहे ट्रंप ने फ्लोरिडा स्थित अपने घर से सोशल मीडिया पर यह चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि ईरान को 48 घंटे में इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को खोलना होगा, अन्यथा अमेरिका उसके ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाएगा। रविवार तड़के ईरान ने चेतावनी दी कि उसके ऊर्जा ठिकानों पर किसी भी हमले के जवाब में वह क्षेत्र में अमेरिका और इजराइल के ऊर्जा व बुनियादी ढांचे को निशाना बनाएगा। इजराइल पर ये हमले ऐसे समय हुए जब उसी दिन पहले तेहरान के प्रमुख परमाणु संवर्धन केंद्र नतांज पर हमला हुआ था। इजराइली सेना ने कहा कि वह दक्षिणी शहरों डिमोना और अराद पर गिरी मिसाइलों को रोक नहीं सकी। यह पहली बार था जब परमाणु केंद्र के आसपास के क्षेत्र में ईरानी मिसाइलें इजराइल की वायु रक्षा प्रणाली को भेदने में सफल रहीं।

ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यदि इजराइल डिमोना जैसे अत्यधिक सुरक्षित क्षेत्र में भी मिसाइलों को रोक नहीं पा रहा है, तो यह युद्ध के नए चरण में प्रवेश का संकेत है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि घटनास्थल पर और आपातकालीन दल भेजे जा रहे हैं। यह बेहद कठिन शाम है। बचावकर्मियों के अनुसार, अराद में सीधे हमले से कम से कम 10 अपार्टमेंट इमारतों को भारी नुकसान हुआ, जिनमें से तीन गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होकर गिरने के खतरे में हैं। कम से कम 64 लोगों को अस्पताल ले जाया गया। डिमोना, परमाणु अनुसंधान केंद्र से लगभग 20 किलोमीटर पश्चिम में है, जबकि अराद उससे करीब 35 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि उनका देश ट्रंप की खोखली धमकियों से नहीं डरता है। वह हर हमले का जवाब जंग से देगा।

डिमोना में ईरानी मिसाइल हमले से प्रभावित स्थल का सर्वेक्षण करते इजराइली सुरक्षा बल।

सीजफायर के लिए ईरान ने अमेरिका के समक्ष रखीं शर्तें

नई दिल्ली/तेहरान। ईरान ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष समाप्त करने के लिए नये कानूनी और रणनीतिक ढांचे के हिस्से के रूप में अमेरिका के समक्ष कई शर्तें रखी हैं। जिनमें होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए नया कानूनी ढांचा तैयार करना, युद्ध की पुनरावृत्ति रोकने की गारंटी, क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को बंद करना, ईरान के इस्लामी गणराज्य को हर्जाने का भुगतान करना आदि शामिल है। ईरान के ये प्रस्ताव ट्रंप के उस दावे के एक दिन बाद आए हैं, जिसमें उन्होंने शनिवार को कहा था कि अमेरिका सैन्य प्रयासों को समेटने के लक्ष्यों को पूरा करने के बहुत करीब है।

जंग में ब्रिटेन भी कूदा, अरब सागर में तैनात की परमाणु पनडुब्बी, यूएस को सौंपे मिलिट्री बेस

लंदन। ब्रिटेन की परमाणु-संचालित पनडुब्बी अरब सागर पहुंच गई है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को तेज करने के संकेत दिए हैं। एचएमएस एंसन नाम की यह पनडुब्बी 6 मार्च को ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर से रवाना हुई थी और अब माना जा रहा है कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट उत्तरी अरब सागर में अपनी तैनाती ले ली है। यह पनडुब्बी टॉमहॉक ब्लॉक-4 लैंड-अटैक मिसाइलों से लैस है, जिनकी मारक क्षमता लगभग 1,600 किलोमीटर है। इसके अलावा इसमें स्पीयरफिश हैवीवेट टॉरपीडो भी लगे हुए हैं। मध्य-पूर्व क्षेत्र में इस पनडुब्बी की तैनाती ऐसे समय में हुई है जब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर अमेरिका को ईरान के खिलाफ हमलों के लिए ब्रिटिश सैन्य ठिकानों के उपयोग की अनुमति देने पर सहमति जताई है।

अमेरिका-इजराइल दुनिया के लिए लड़ रहे : नेतन्याहू

यरूशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि डिएगो गार्सिया पर हाल ही में ईरान द्वारा किए गए मिसाइल हमलों से स्पष्ट होता है कि फारस खाड़ी का देश यूरोप तक मार करने की क्षमता रखता है और वह पूरी दुनिया के लिए खतरा पैदा करता है। नेतन्याहू ने दक्षिणी इजराइली शहर अराद का रविवार को दौरा किया, जिस पर शनिवार शाम ईरान ने मिसाइल हमले किए थे। उन्होंने यह भी कहा कि उनका देश और अमेरिका पूरी दुनिया की ओर से मिलकर लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर आप इस बात का सबूत चाहते हैं कि ईरान पूरी दुनिया के लिए खतरा है, तो पिछले 48 घंटों में यह मिल गया है।

प्रधानमंत्री ने ईंधन-उर्वरक आपूर्ति की ली जानकारी, जमाखोरी बर्दाश्त न करने की दी चेतावनी

पश्चिम एशिया की बदलती स्थिति के मद्देनजर समीक्षा बैठक करते प्रधानमंत्री मोदी।

■ पश्चिम एशिया संकट के कारण उपजी परेशानी से निपटने पर मंथन, अमित शाह, नड्डा व पुरी समेत सीनियर लीडर रहे मौजूद

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति के मद्देनजर कच्चे तेल, गैस और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों तथा ऊर्जा एवं उर्वरक क्षेत्रों से संबंधित स्थिति की रविवार को वरिष्ठ मंत्रियों के साथ समीक्षा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य देश भर में निर्बाध आपूर्ति और कुशल वितरण सुनिश्चित करना है तथा सरकार इस दिशा में सक्रिय कदम उठा रही है।

सूत्रों के अनुसार, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने इस उच्च स्तरीय बैठक में हिस्सा लिया। सूत्रों के अनुसार सरकार पेट्रोलियम उत्पादों समेत सभी आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है। बैठक में पश्चिम एशिया संघर्ष के मद्देनजर मौजूदा वैश्विक स्थिति और उपभोक्ता एवं उद्योग हितों की रक्षा के लिए उठाए गए उपायों की समीक्षा की गई। मोदी ने 12 मार्च को कहा था कि पश्चिम एशिया में युद्ध ने विश्वव्यापी ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है, जो राष्ट्रीय चरित्र की एक गंभीर परीक्षा है और इससे शांति, धैर्य एवं लोगों में अधिक जागरूकता के जरिये निपटने की जरूरत है।

गैस परियोजनाओं को तेजी से मंजूरी देने का निर्देश

नई दिल्ली। सरकार ने गैस वितरण को सुव्यवस्थित करने और आपूर्ति दबाव को कम करने के लिए कदम तेज कर दिए हैं। इसके तहत शहरों में पाइपलाइन गैस परियोजनाओं (सीएनजी/पीएनजी) के आवेदन तेजी से निपटाने और प्रमुख क्षेत्रों को वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने का निर्देश दिया गया है, ताकि चुनौतीपूर्ण वैश्विक भू-राजनीतिक हालात के बीच घरेलू और व्यावसायिक जरूरतों को पूरा किया जा सके। पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन ने अपने कार्यालयों को निर्देश दिया है कि वे शहर गैस वितरण (सीजीडी) के सभी आवेदन केवल 10 दिनों में निपटाएं। इसका उद्देश्य पाइपलाइन के माध्यम से प्राकृतिक गैस की व्यवस्था को तेजी से शुरू करना है।

ब्रीफ न्यूज

मिलावटी दूध : मरने वालों की संख्या बढ़कर 16 हुई

राजमहेंद्रवरम। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में संदिग्ध रूप से मिलावटी दूध पीने के कारण मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है, जबकि तीन लोगों का राजमहेंद्रवरम के अस्पतालों में इलाज जारी है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इस मामले का पता सबसे पहले 22 फरवरी को चला था जब कई बुजुर्ग व्यक्तियों को पेशाब न आना, उल्टी, पेट दर्द और अन्य दिक्कतों के कारण अस्पतालों में भर्ती कराया गया था।

बीएलओ की दिल का दौरा पड़ने से मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में 54 वर्षीय बीएलओ की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। वहीं बीएलओ के परिवार ने आरोप लगाया कि राज्य में जारी एसआईआर अभियान से संबंधित अत्यधिक कार्यभार के कारण उनकी मौत हुई। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान उत्पल ठाकुर के रूप में हुई है। परिवार के एक सदस्य ने बताया कि उत्पल ठाकुर को शनिवार रात करीब साढ़े 10 बजे दिल का दौरा पड़ा और बाद में उनकी मौत हो गई।

पाकिस्तान को भेजी वायुसेना की गोपनीय जानकारी, प्रयागराज का कर्मचारी गिरफ्तार

■ राजस्थान के खुफिया विभाग ने की कार्रवाई, असम में वायु सेना के अड्डे छबुआ पर की जासूसी

जयपुर/ प्रयागराज, एजेंसी

राजस्थान के खुफिया विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए असम में वायु सेना के अड्डे छबुआ पर जासूसी करने के आरोप में एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी भारतीय वायुसेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां पाकिस्तान के आकाओं तक पहुंचा रहा था।

राजस्थान के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (खुफिया विभाग) प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि इस संबंध में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज स्थित लाहुरपार निवासी 36 वर्षीय सुमित कुमार को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी वर्तमान में असम के डिब्रूगढ़ स्थित वायु सेना के अड्डे छबुआ में कार्यरत है। वह वायु सेना के अड्डे पर एमटीएस के पद पर रहते हुए सिविल कार्य देखता है। उन्होंने बताया कि जांच में सामने आया है कि सुमित कुमार अपने पद का दुरुपयोग करते हुए वायु सेना के अड्डे से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं एकत्रित करता और सोशल मीडिया के जरिये पाकिस्तान में सक्रिय आकाओं तक पहुंचाता था। उन्होंने बताया कि जनवरी 2026 में जैसलमेर निवासी झबरा राम की गिरफ्तारी के बाद आरोपी सुमित कुमार के संबंध में जानकारी मिली थी।

गिरफ्तार आरोपी सुमित कुमार

2023 से पाक खुफिया एजेंसी के संपर्क में था

आरोपी को छबुआ से हिरासत में लेकर जयपुर स्थित केंद्रीय पूछताछ केंद्र लाया गया। यहां विभिन्न खुफिया एजेंसियों द्वारा संयुक्त पूछताछ में सामने आया कि आरोपी वर्ष 2023 से पाक खुफिया एजेंसी के संपर्क में था और धन के बदले संवेदनशील सूचनाएं साझा कर रहा था। जांच एजेंसी की पूछताछ में यह भी पता चला कि आरोपी ने एयरफोर्स स्टेशन छबुआ के साथ-साथ बीकानेर जिले के एयरफोर्स स्टेशन नाल सहित अन्य सैन्य ठिकानों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। उसको फाइटर प्लेन की लोकेशन, मिसाइल सिस्टम और अधिकारियों व कर्मचारियों से संबंधित गोपनीय जानकारी देने के एवज में मोटी रकम मिलती थी। आरोपी अपने नाम से जारी मोबाइल नंबरों के जरिए पाक हैंडलर्स के लिए सोशल मीडिया अकाउंट बनवाने में भी मदद करता था।

अमेरिका का एलपीजी जहाज मंगलुरु पहुंचा

मंगलुरु। युद्ध के कारण आपूर्ति में आई कमी के बीच अमेरिका से एलपीजी (रसोई गैस) लेकर एक जहाज रविवार को न्यू मंगलौर बंदरगाह पहुंचा। पिक्सिस पायनियर नामक यह जहाज 14 फरवरी को टेक्सास के पोर्ट ऑफ नीदरलैंड से रवाना हुआ था और इसमें 16,714 टन एलपीजी लाई गई है, जिसे एजिस लॉजिस्टिक्स को उतारा जाएगा।

यह जहाज एक दिन के भीतर बंदरगाह पहुंचने वाले रूसी जहाज एक्वा टाइटन के बाद आया है। यह घटनाक्रम इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि मंगलुरु में देश की सबसे बड़ी भूमिगत एलपीजी भंडारण सुविधा मौजूद है, जो सितंबर, 2025 में शुरू हुई थी। समुद्र तल से करीब 225 मीटर नीचे स्थित इस भंडारण केंद्र की क्षमता 80,000 टन है। इससे पहले, एक्वा टाइटन नाम का कच्चे तेल का एक रूसी जहाज, जो पहले चीन जा रहा था, कुछ दिन पहले भारत की ओर मोड़ दिया गया था।

मोदी ने रचा इतिहास...सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने का रिकॉर्ड

■ बतौर हेड ऑफ गवर्नमेंट 8931 दिन पूरे, पवन कुमार चामलिंग को पीछे छोड़ा

■ अमित शाह ने मोदी के सार्वजनिक जीवन में बिताए रिकॉर्ड दिनों की सराहना की

■ कहा- सेवा, कड़ी मेहनत एवं अटूट प्रतिबद्धता पर आधारित एक मील का पत्थर

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी ने एक नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री दोनों पदों को मिलाकर वे भारत में सबसे लंबे समय तक सरकार के प्रमुख रहने वाले नेता बन गए हैं। उन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया है। नरेंद्र मोदी ने कुल 8931 दिन तक सरकार के प्रमुख के रूप में काम किया है। इसके साथ ही उन्होंने पवन कुमार चामलिंग के 8930 दिनों के रिकॉर्ड को पार कर लिया।

पीएम मोदी पहले ही गुजरात के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेता रह चुके हैं। साथ ही वे ऐसे प्रधानमंत्री भी हैं, जिनके पास मुख्यमंत्री के रूप में सबसे ज्यादा अनुभव है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन में बिताए गए रिकॉर्ड 8,931 दिनों की रविवार को सराहना की और कहा कि यह सेवा, कड़ी मेहनत एवं अटूट प्रतिबद्धता पर आधारित एक मील का पत्थर है। कहा कि पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और अब प्रधानमंत्री के रूप में मोदी द्वारा सार्वजनिक जीवन में रिकॉर्ड बनाया जाना राष्ट्र-प्रथम, शासन, कार्यों में ईमानदारी और प्रत्येक नागरिक की अथक सेवा के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

7 अक्टूबर, 2001 को सीएम के रूप में ली थी शपथ

मोदी ने 7 अक्टूबर, 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। वह 21 मई, 2014 तक इस पद पर बने रहे। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 282 सीट के साथ शानदार जीत दिलाने के बाद मोदी ने 26 मई को प्रधानमंत्री के रूप में पहली बार शपथ ली। भाजपा स्पष्ट बहुमत हासिल करने वाली पहली गैर-कांग्रेसी पार्टी बनी, जिसने कांग्रेस को मात्र 44 सीट पर समेटते हुए धूल चटा दी।

पंजाब के पूर्व मंत्री भुल्लर उनके पिता समेत 3 पर केस

चंडीगढ़, एजेंसी

पंजाब में भंडारण निगम के एक अधिकारी की आत्महत्या के सिलसिले में पुलिस ने राज्य के पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अमृतसर में पंजाब राज्य भंडारण निगम के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा ने शनिवार को आत्महत्या कर ली थी।

पुलिस ने भुल्लर के पिता सुखदेव सिंह भुल्लर और उनके निजी सहायक दिलबाग सिंह के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। इस मामले में आत्महत्या के लिए उकसाना, आपराधिक धमकी और साझा इरादा के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह मामला अमृतसर के रणजीत एवेन्यू पुलिस थाने में रंधावा की पत्नी उपिंदर कौर की शिकायत पर शनिवार रात दर्ज किया गया। भुल्लर ने शनिवार को राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। अधिकारी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपों के बीच, मुख्यमंत्री मान ने भुल्लर से पद छोड़ने को कहा था। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया था जिसमें रंधावा ने आरोप लगाए थे।

अधिकारी आत्महत्या मामला

■ आत्महत्या के लिए उकसाने आपराधिक धमकी व साझा इरादा के तहत प्राथमिकी दर्ज

बदलाव | नवरात्र में 1,228 नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र, योगी बोले, पहले प्रत्येक पद के लिए चाचा-भतीजा व उनके सिपहसालार करते थे वसूली

प्रदेश में बिना सिफारिश, लेन-देन के मिल रही नौकरी : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने नवरात्र के पावन अवसर पर रविवार को लोकभवन में 1,228 नवचयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए इसे महिला सशक्तीकरण का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में बेटियों को रोजगार मिलना समाज में सकारात्मक बदलाव का संकेत है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष है, जहां बिना किसी सिफारिश या लेन-देन के योग्य अभ्यर्थियों को अवसर मिल रहा है। जबकि वर्ष 2017 के पहले प्रत्येक पद के लिए बोली लगती थी। चाचा-भतीजा और उनके सिपहसालार झोला लेकर वसूली पर निकलते थे। योगी ने 1,228 नवचयनित नर्सिंग अधिकारियों में 1,097 महिलाओं के शामिल होने को समाज में सकारात्मक परिवर्तन का संकेत बताते हुए कहा कि आज नर्सिंग प्रोफेशन की मांग देश ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तेजी से बढ़ रही है। जापान और जर्मनी जैसे देशों में भारतीय नर्सिंग प्रोफेशनल्स के प्रति सम्मान है। ऐसे में नर्सिंग के साथ भाषा कौशल विकसित कर युवा वैश्विक अवसरों का लाभ उठा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले पूर्वी यूपी स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली के लिए जाना जाता था, लेकिन अब व्यापक सुधार हुए हैं। बंद पड़े 35 एएनएम प्रशिक्षण केंद्रों को पुनः संचालित किया गया है और 31 नए नर्सिंग कॉलेज निर्माणाधीन हैं। प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज की अवधारणा को तेजी से लागू किया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण पर जोर देते हुए उन्होंने बताया कि 9.25 करोड़ लोग यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज से जुड़े हैं और 14.28 करोड़ से अधिक आयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ आईडी (आभा) जारी किए जा चुके हैं।

लखनऊ : लोकभवन में 1,228 नर्सिंग अधिकारियों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में नव चयनित महिला अभ्यर्थी को नियुक्ति पत्र सौंपते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े बदलाव

- 35 एएनएम प्रशिक्षण केंद्र पुन: संचालित
- 31 नए नर्सिंग कॉलेज निर्माणाधीन
- 976 सीएचसी पर टेलीमेडिसिन सुविधा
- 14.28 करोड़ से अधिक आभा आईडी जारी
- वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज पर तेजी
- मेडिकल शिक्षा में एकरूपता और संस्थानों का नेटवर्क
- सुपर स्पेशियलिटी संस्थानों में आधुनिक सुविधाएं

केजीएमयू का एनआईआरएफ रैंकिंग में आठवां स्थान

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय ने वर्ष 2025 की एनआईआरएफ रैंकिंग में देशभर में आठवां स्थान हासिल कर प्रदेश का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में किडनी, लीवर व बोन मैरो ट्रांसप्लांट जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं शुरू हो चुकी हैं, वहीं टेली-आईसीयू से कई मेडिकल कॉलेज जुड़े हैं। प्रदेश में लेवल-2 ट्रॉमा सेंटर भी विकसित किए जा रहे हैं। बाबू कल्याण सिंह कैंसर संस्थान में एडवांस्ड डायग्नोस्टिक्स सेंटर स्थापित हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

एमपी, बिहार व छत्तीसगढ़ में संगठन मजबूत करने पर जोर

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने मध्य प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ के पदाधिकारियों से कहा कि इन राज्यों में पूरी निष्ठा के साथ बहुजन आंदोलन को आगे बढ़ाना जरूरी है, ताकि पार्टी को 'शासक वर्ग' के रूप में स्थापित किया जा सके। बसपा प्रमुख रविवार को राजधानी स्थित कार्यालय में एमपी, बिहार व छत्तीसगढ़ पार्टी इकाइयों के साथ समीक्षा बैठक कर रही थीं। पिछले निर्देशों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कार्यों पर आंशिक संतोष जताया, लेकिन संगठन को और मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयास जारी रखने पर जोर दिया।

पीएम सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना में यूपी अव्वल

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश ने देशभर में पहला स्थान हासिल किया है। प्रदेश में अब तक 7340 प्रस्ताव स्वीकृत किए जा चुके हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। इसके साथ ही विभिन्न बैंकों द्वारा 2000 करोड़ रुपये से अधिक का टर्म लोन स्वीकृत किया गया है, जिससे खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बड़ी गति मिली है। योजना के तहत प्रति इकाई औसत 10 लाख रुपये का टर्म लोन और करीब 4 लाख रुपये का अनुदान दिया जा रहा है, जबकि प्रस्तावों की औसत स्वीकृति अवधि लगभग 100 दिन है।

नवरात्र में शक्तिपीठों पर होंगे भव्य आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : चैत्र नवरात्रि के अवसर पर प्रदेश में इस बार भक्ति और सांस्कृतिक आस्था का विशेष संगम देखने को मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सप्तमी, अष्टमी और नवमी (25, 26 व 27 मार्च) को प्रदेशभर के देवी मंदिरों और शक्तिपीठों में देवी गीत, भजन, दुर्गा सप्तशती पाठ और शक्ति आराधना के भव्य आयोजन किए जाएंगे। संस्कृति विभाग ने इन आयोजनों की व्यापक तैयारी कर ली है और कलाकारों का चयन भी पूरा कर लिया गया है। कार्यक्रम स्थानीय प्रशासन के समन्वय से जनपद स्तर पर आयोजित होंगे, जिनमें लोक कलाकारों, भजन और कीर्तन मंडलियों की सक्रिय भागीदारी रहेगी।

वाया के सहयोग से कर्ज से उबरा परिवार

अमृत विचार, लखनऊ : वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन "वाया" के सहयोग से दिल्ली के पश्चिम विहार निवासी सीए विकास गर्ग का परिवार कर्ज के बोझ से मुक्त होकर नई शुरुआत कर सका है। गंभीर बीमारी के कारण नौकरी छूटने और आर्थिक संकट में फंसे इस परिवार को संस्था की मदद ने फिर से संभाल दिया। यह जानकारी औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने दी। नंदी ने कहा कि वाया संस्था समाज के सहयोग से जरूरतमंद परिवारों को सहारा देने का कार्य कर रही है। संस्था की कमेटी ने त्वरित निर्णय लेते हुए सभी लेनदारों को बुलाकर करीब 12 .40 लाख रुपये का पूरा कर्ज चुका दिया।

खनन से बढ़ी आय, सोनभद्र आगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- महोबा, हमीरपुर, झांसी-जालौन भी टॉप सूची में
- फरवरी में 2543 करोड़ से अधिक राजस्व
- अवैध खनन पर सख्ती से बढ़ा राजस्व संग्रह

अमृत विचारः प्रदेश में खनिज एवं उपखनिज खनन से राजस्व प्राप्ति में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। फरवरी माह में प्रदेश के दस प्रमुख खनिज संपन्न जनपदों से लगभग 2543.42 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जिसमें सोनभद्र जनपद सबसे आगे रहा।

भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की समीक्षा बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, सोनभद्र ने सर्वाधिक 678.28 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। इसके अलावा महोबा, हमीरपुर, झांसी और जालौन जैसे जनपद भी खनन आधारित आय में प्रमुख योगदानकर्ता रहे। विभाग के अनुसार, राजस्व वृद्धि के पीछे अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण, खनन गतिविधियों की सतत निगरानी और पर्यावरणीय मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना प्रमुख कारण है। खनन पट्टों के आवंटन और संचालन में पारदर्शिता बढ़ने से भी राजस्व संग्रह में सुधार हुआ है।

अन्य प्रमुख जिलों में सहारनपुर, बांदा और प्रयागराज ने भी उल्लेखनीय योगदान दिया, जबकि फतेहपुर और कौशांबी से भी राजस्व प्राप्त हुआ। अधिकारियों का कहना है कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप खनिज संसाधनों के संतुलित और सतत उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार की नीति है कि खनन गतिविधियां आर्थिक विकास का माध्यम बनें, लेकिन पर्यावरणीय संतुलन भी बना रहे। इसी दृष्टिकोण के साथ विभाग तकनीक आधारित निगरानी और कड़े प्रवर्तन के जरिए व्यवस्था को मजबूत कर रहा है।

'द शैडो' एप से बेटियों की सुरक्षा को तकनीक का कवच

प्रदेश सरकार की नई पहल, यूपीएसआईएफएस के छात्रों ने विकसित किया एप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप बेटियों की सुरक्षा को तकनीकी मजबूती देने की दिशा में एक नई पहल की गई है। यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज (यूपीएसआईएफएस) द्वारा विकसित "द शैडो" एप अब छात्राओं के लिए "डिजिटल परछाईं" की तरह काम करेगा। यह एप न केवल सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, बल्कि शैक्षणिक गतिविधियों की निगरानी और प्रबंधन को भी एक ही प्लेटफॉर्म पर लाएगा।

संस्थान के डिप्टी डायरेक्टर चिरंजीव मुखर्जी के अनुसार, यह एप बीटेक छात्रों द्वारा विकसित किया गया है और इसका उद्देश्य छात्राओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पारदर्शी व जवाबदेह प्रणाली तैयार करना है। एप के माध्यम से कैंपस में प्रवेश-निकास, अवकाश अनुरोध और अन्य गतिविधियों की रियल टाइम मॉनिटरिंग संभव होगी। इसकी सबसे अहम विशेषता 'पैरेंट-फर्स्ट अप्रूवल सिस्टम' है, जिसमें छात्रा के कैंपस से बाहर जाने से पहले अभिभावकों की अनुमति अनिवार्य होगी। इससे सुरक्षा के साथ अभिभावकों का विश्वास भी मजबूत होगा।

इसके अलावा एप में इंटीग्रेटेड एसओएस इमरजेंसी फीचर दिया गया है, जिससे किसी भी खतरे की स्थिति में एक क्लिक पर संस्थान प्रशासन और परिजनों को तत्काल अलर्ट मिल जाएगा। क्यूआर-कोड आधारित डिजिटल गेट पास सिस्टम कैंपस में अनधिकृत प्रवेश पर भी प्रभावी नियंत्रण रखेगा। डॉ. नेहा सिंह के मार्गदर्शन में छात्र हर्ष और आदित्य मिश्रा द्वारा विकसित यह एप तकनीकी नवाचार का उदाहरण है, जो बेटियों की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को नई दिशा देता है।

एप की विशेषताएं

- पैरेंट-फर्स्ट अप्रूवल से बाहर जाने की अनुमति
- एसओएस इमरजेंसी अलर्ट से त्वरित सहायता
- रियल टाइम एंट्री-एग्जिट ट्रैकिंग
- क्यूआर कोड आधारित डिजिटल गेट पास
- पढ़ाई, अटेंडेंस और प्रदर्शन की मॉनिटरिंग

जेवर एयरपोर्ट के लोकार्पण की तैयारियां तेज

28 को पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन, मुख्यमंत्री योगी ने निरीक्षण कर दिए व्यापक दिशा-निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गौतमबुद्धनगर

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारी का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में अन्य। अमृत विचार

अमृत विचारः नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर के प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर कार्यक्रम को भव्य व व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मार्च को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और कार्गो टर्मिनल का लोकार्पण करेंगे, साथ ही मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल (एमआरओ) परियोजना का शिलान्यास भी करेंगे। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के संभावित भ्रमण मार्ग, पैसेंजर टर्मिनल, कार्गो टर्मिनल, हेलीपैड, पार्किंग और रैली स्थल का अवलोकन कर तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी कार्य समयसीमा के भीतर और तय मानकों के अनुरूप पूरे किए जाएं।

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, विशिष्ट अतिथियों और आमजन की उपस्थिति को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं सुचारू और प्रभावी हों। उन्होंने साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, निर्बाध बिजली, साइनेज, परिवहन, चिकित्सा और अग्नि सुरक्षा की व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार और ब्रांडिंग पर भी जोर दिया, ताकि इसे वैश्विक स्तर का आयोजन बनाया जा सके। साथ ही विभिन्न जनपदों से आने वाले लोगों के लिए पार्किंग स्थलों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन और पुलिस को चार स्तरीय सुरक्षा घेरा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। ट्रैफिक प्रबंधन और वैकल्पिक मार्गों की विस्तृत योजना भी प्रस्तुत की गई। बैठक में कई जनप्रतिनिधि व वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

तैयारी के मुख्य बिंदु

चार स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू, ट्रैफिक और पार्किंग के लिए विशेष प्लान, पेयजल, शौचालय व चिकित्सा सुविधाओं पर जोर, कार्यक्रम की ब्रांडिंग और व्यापक प्रचार-प्रसार।

100 करोड़ जीएसटी चोरी गिरोह का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- कई राज्यों में बोगस कंपनियां बनाकर असली फर्मों को बेचता था इनपुट टैक्स क्रेडिट
- एसटीएफ लखनऊ की टीम ने पुणे में दबोचा

आरोपी

अमृत विचारः फर्जी फर्मों के माध्यम से इनवाइस व ई-वे बिल बनाकर 100 करोड़ से अधिक की जीएसटी चोरी करने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड को एसटीएफ ने रविवार को पुणे से गिरफ्तार कर लिया। वह कई राज्यों में बोगस कंपनियां बनाकर असली फर्मों को इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) बेचता था। आरोपी के खिलाफ लखनऊ में भी मामला दर्ज है।

एसटीएफ के डिप्टी एसपी प्रमेश कुमार शुक्ला के मुताबिक, आरोपी केशवानी अब्बास हुसैन रमजान अली पुणे में रहता था। वह गुजरात के भावनगर स्थित बागे हुसैन प्रभूदास तालाब शिशु विहार का निवासी है। आरोपी के पास से दो लैपटॉप, दो मोबाइल फोन और एक पासपोर्ट बरामद हुआ है।

आरोपी साथी रईस और मुंतजिर के साथ मिलकर महाराष्ट्र और गुजरात में अकाउंटेंसी का काम करता था। इसी आड़ में वह फर्जी दस्तावेजों के जरिए अलग-अलग राज्यों में बोगस फर्में रजिस्टर्ड करता था। इन फर्मों के नाम पर बिना किसी वास्तविक खरीद-फरोख्त के फर्जी इनवॉइस और ई-वे बिल जारी किए जाते थे। जांच में सामने आया कि यह गिरोह उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली और बेंगलुरु समेत कई राज्यों में सक्रिय था और सर्कुलर ट्रेडिंग के जरिए करोड़ों रुपये की टैक्स चोरी को अंजाम दे रहा था।

एसटीएफ के मुताबिक, आरोपी असली फर्मों से व्हाट्सएप के जरिए जीएसटी नंबर, माल का विवरण और कीमत प्राप्त करता था। इसके बाद अपनी फर्जी फर्मों के माध्यम से इनवॉइस और ई-वे बिल बनाकर जीएसटी पोर्टल पर अपलोड करता और संबंधित फर्मों को उपलब्ध करा देता था। इस प्रक्रिया में असली फर्में बिना माल खरीदे ही इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ ले लेती थीं, जिससे सरकार को भारी नुकसान होता था। फर्जी लेन-देन को असली दिखाने के लिए रकम बैंक खातों में ट्रांसफर दिखाई जाती थी। बाद में यह रकम कैश या अन्य फर्जी कंपनियों के जरिए वापस लौटा दी जाती थी। आरोपी के पास कई फर्मों के लॉगिन आईडी और पासवर्ड भी थे, जिनके जरिए वह ओटीपी लेकर लेन-देन करता था।

एसटीएफ के अधिकारी के मुताबिक, आरोपी के गिरोह के खिलाफ इंदिरानगर थाने में रिपोर्ट दर्ज है। जिसमें आराध्या इंटरप्राइजेज के नाम से फर्म बनाकर करोड़ों रुपये की हेराफेरी की गई। आरोपी ने लखनऊ के पते पर कई बोगस फर्म पंजीकृत करा रखी हैं। इसमें एसएम ट्रेडर्स, राठौड़ इंटरप्राइजेज, गौड़ ट्रेडिंग प्रमुख रूप से शामिल है।

पेस और मिताली सम्मानित, यूपी को 'स्टेट ऑफ द इयर' अवॉर्ड

- प्रदेश में बन रहा मजबूत स्पोर्ट्स इकोसिस्टम: योगी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश के प्रतिभावान खिलाड़ियों का उत्तर प्रदेश की धरती पर आगमन पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। लखनऊ में 3आयोजित एक स्पोर्ट्स अवार्ड समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करते हैं और उन्हें नई दिशा देते हैं।

समारोह में मुख्यमंत्री ने टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस को 'मेंटॉर ऑफ द इयर' और पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज को 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया। हॉकी खिलाड़ी पी.आर. श्रीजेश सहित कई अन्य खिलाड़ियों को भी सम्मान मिला। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश को खेल ढांचे और नीतियों के लिए 'स्टेट ऑफ द इयर' का पुरस्कार दिया गया। वहीं, 'टीम ऑफ द इयर' महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम और 'फेडरेशन ऑफ द इयर' बीसीसीआई को मिला।

इस अवसर पर पीटी उषा, खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव, बाइचुंग भूटिया, राजीव शुक्ला, कुलदीप यादव, हरमनप्रीत कौर, दीप्ति शर्मा और हरलीन देओल समेत कई खेल हस्तियां मौजूद रहीं।

क्रिकेटर मिताली राज को सम्मानित करते मुख्यमंत्री।

मंदिर में शिवलिंग और नंदी की मूर्ति क्षतिग्रस्त

जालौन,,एजेंसीः जिले के उरई क्षेत्र में रविवार को झांसी-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चौरसी मोड़ के पास स्थित एक मंदिर में शिवलिंग और नंदी की मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने के आरोपी को स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। घटना से नाराज लोगों की भीड़ मौके पर एकत्र हो गई।

बहराइच में हाथी के हमले में बुजुर्ग महिला की मौत

बहराइच, एजेंसीः जिले के कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र के भवानीपुर गांव में रविवार सुबह जंगल के किनारे हाथी के हमले में एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। पिछले 36 दिनों में हाथी के हमले में किसी व्यक्ति की मौत की यह तीसरी घटना है, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य के प्रभागीय वनाधिकारी अपूर्व दीक्षित ने बताया कि कतर्निया रेंज के भवानीपुर गांव की 80 वर्षीया कुवारिया देवी जंगल से सटे अपने खेत में बकरियां चरा रही थीं। इसी दौरान उनकी एक बकरी जंगल की ओर चली गई, जिसे खोजने के लिए वह जंगल की तरफ बढ़ीं। तभी जंगल से निकले एक हाथी ने उन पर हमला कर दिया और पैरों तले कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार महिला ने बचने के लिए शोर मचाया, जिसे सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक हाथी हमला कर चुका था। ग्रामीणों ने हांका लगाने की कोशिश की, लेकिन हाथी कुछ देर तक मौके पर डटा रहा और बाद में जंगल की ओर लौट गया।

चुनाव से पहले संगठन को धार देने में जुटी भाजपा

नए चेहरों और जातीय संतुलन पर फोकस, 17 जिलों में अभी फंसा पेंच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास पर संगठनात्मक चर्चा करते प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह।

अमृत विचारः पंचायत और विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा संगठन को मजबूत करने में जुटी है और जिला इकाइयों के गठन को लेकर तेजी से मंथन चल रहा है। पार्टी नए चेहरों को अवसर देने के साथ जातीय समीकरण साधने पर विशेष ध्यान दे रही है, लेकिन कई जिलों में मतभेदों के कारण अंतिम सहमति बनने में देरी हो रही है।

प्रदेश मुख्यालय पर पिछले दो दिनों में विभिन्न क्षेत्रों की जिला टीमों को लेकर व्यापक चर्चा हुई। शनिवार को कानपुर और काशी क्षेत्र, जबकि रविवार को अवध क्षेत्र के जिलों पर विचार-विमर्श किया गया। अब तक पांच क्षेत्रों के 82 संगठनात्मक जिलों पर चर्चा पूरी हो चुकी है, लेकिन 17 जिलों में अभी भी पेंच फंसा हुआ है।

सूत्रों के अनुसार, जिन जिलों में नए जिलाध्यक्ष बनाए जाने हैं, वहां संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच मतभेद सामने आए हैं। पश्चिम क्षेत्र में बागपत, मेरठ, मुरादाबाद और अमरोहा, जबकि ब्रज क्षेत्र में अलीगढ़, आगरा, शाहजहांपुर, हाथरस और मैनपुरी में सहमति नहीं बन सकी है। काशी क्षेत्र में जौनपुर, वाराणसी महानगर, वाराणसी जिला और चंदौली, वहीं अवध क्षेत्र में अंबेडकरनगर, रायबरेली और लखीमपुर में भी प्रक्रिया अटकी हुई है।

हालांकि कानपुर क्षेत्र के सभी 17 जिलों में सहमति बन चुकी है। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि मार्च के भीतर सभी जिला इकाइयों का गठन कर लिया जाएगा, ताकि संगठन चुनावी मोड में पूरी तरह सक्रिय हो सके। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि मजबूत जिला संगठन ही विधानसभा स्तर तक चुनावी जमीन तैयार करेगा और पार्टी के अभियानों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगा।

अभ्युदय योजना से लहराया परचम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

मानसी

अदिति

तनिषा

- महंगी कोचिंग के बिना मिली यूपीएससी में सफलता, तीन बेटियों ने बनाई पहचान

अमृत विचारः प्रदेश की बेटियां अब सपनों को हकीकत में बदल रही हैं। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना उनके लिए ऐसा सशक्त मंच बनकर उभरी है, जिसके सहारे वे देश की सबसे कठिन मानी जाने वाली संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) परीक्षा में सफलता हासिल कर रही हैं। वर्ष 2025 में इस योजना का लाभ लेकर प्रदेश की तीन बेटियों ने उल्लेखनीय सफलता दर्ज कर "नारी तू नारायणी" की भावना को साकार किया है।

खास बात यह है कि इस योजना के तहत बेटियां बिना महंगी कोचिंग के भी बड़ी सफलता हासिल कर रही हैं। अब तक ढाई सौ से अधिक अभ्यर्थी, विशेषकर बेटियां, इस योजना के जरिए सफलता प्राप्त कर प्रशासनिक सेवाओं में स्थान बना चुकी हैं।

गाजियाबाद की मानसी ने सीमित संसाधनों के बावजूद सेल्फ स्टडी और योजना के मार्गदर्शन से 444वीं रैंक हासिल की। झांसी की अदिति सिंह ने 859वीं रैंक पाई और तैयारी के साथ-साथ अन्य अभ्यर्थियों को पढ़ाकर सहयोग भी किया। वहीं आगरा की तनीषा सिंह ने घर से ऑनलाइन तैयारी करते हुए 930वीं रैंक हासिल कर सफलता पाई। इसके अलावा लखनऊ की कीर्तिका सिंह पहले ही इस योजना का लाभ लेकर डिप्टी एसपी बन चुकी हैं और युवाओं के लिए प्रेरणा बनी हुई हैं। ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से मार्गदर्शन, गुणवत्तापूर्ण सामग्री और विशेषज्ञों के सहयोग से अब बेटियां आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में उतर रही हैं।

नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए उच्चस्तरीय टास्क फोर्स का गठन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सभी मेडिकल कॉलेज बनेंगे ट्रांसप्लांट सेंटर

अमृत विचार : प्रदेश में रोके जा सकने वाले अंधत्व को खत्म करने और नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने एक उच्चस्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया है। इस टास्क फोर्स की अध्यक्षता संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) के चिकित्सा अधीक्षक एवं सोटो यूपी के संयुक्त निदेशक प्रो. राजेश हर्षवर्धन करेंगे।

अपर मुख्य सचिव अमित घोष, आईएएस ने इसकी औपचारिक घोषणा करते हुए कहा कि नई टास्क फोर्स का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में कॉर्नियल दान, आई बैंकिंग और कॉर्निया प्रत्यारोपण की व्यवस्था को सुदृढ़ करना है।

समिति में एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज, मेरठ की नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. अल्का गुप्ता को सह-अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर की विशेषज्ञ डॉ. शालिनी मोहन सदस्य सचिव और एसएन मेडिकल कॉलेज, आगरा की डॉ. शेफाली मजूमदार संयोजक नियुक्त की गई हैं।

इसके अलावा पीजीआई के नेत्र विभाग के प्रमुख प्रो. विकास कनौजिया, सीतापुर आई हॉस्पिटल की निदेशक डॉ. मधु भदोरिया, नवोदय आई हॉस्पिटल, वाराणसी के निदेशक डॉ. अभिषेक चंद्रा सहित केजीएमयू और राम मनोहर लोहिया संस्थान के नेत्र रोग विशेषज्ञों को भी सदस्य बनाया गया है। गौरतलब है कि 28 फरवरी 2026 को पीजीआई में आयोजित 'नेत्रमंथन' कार्यक्रम के दौरान हुई पैनल चर्चा में इस टास्क फोर्स के गठन का निर्णय लिया गया था।

पंचम स्कंदमाता

पहाड़ों पर रहकर सांसारिक जीवों में नवचेतना का निर्माण करने वाली स्कंदमाता। नवरात्रि में पांचवें दिन इस देवी की पूजा-अर्चना की जाती है। कहते हैं कि इनकी कृपा से मूढ़ भी ज्ञानी हो जाता है। स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता के कारण इन्हें स्कंदमाता नाम से अभिहित किया गया है। इनके विग्रह में भगवान स्कंद बालरूप में इनकी गोद में विराजित हैं। देवी स्कंदमाता की पूजा से बुध ग्रह का दोष कम होता है।

बीज मंत्र...

माँ स्कंदमाता: ह्रीं क्लीं स्वमिन्यै नम:

संभल में कार-टेंपो की टक्कर में चार की मौत, आठ घायल

धनारी थाना क्षेत्र में उधरनपुर के पास हुआ हादसा

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार : धनारी थाना क्षेत्र में मुरादाबाद-आगरा नेशनल हाईवे पर रविवार शाम भीषण सड़क हादसे में एक महिला और एक किशोरी समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हैं। सभी घायलों को अस्पताल भिजवाया गया।

हादसा उधरनपुर गांव के पास शाम करीब छह बजे हुआ। एक टेंपो चालक करीब 12 सवारियों को लेकर बबराला से बहजोई की ओर जा रहा था, जबकि तेज रफ्तार आर्टिगा कार बहजोई से बबराला की तरफ आ रही थी। कार चालक ने एक वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया, जिससे कार अनियंत्रित होकर सीधे टेंपो से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेंपो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे में बहजोई के पाठकपुर की मढ़ैया निवासी राजेश, रायपुर कला की रजनी और मानकपुर गांव निवासी किशोरी के अलावा एक अन्य महिला की भी मौत हुई है, जिसकी पहचान नहीं हो सकी। घायलों में रजनी, प्रवेश, सलोनी और कुलदीप की हालत गंभीर बताई जा रही है। इनके अलावा बहजोई निवासी शौकीन, पाठकपुर की मढ़ैया निवासी रजनीश और अर्टिगा कार में सवार जुनावई थाना क्षेत्र के लहरा नगला श्याम निवासी प्रियांशु और कृपाल भी घायल हुए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया। पुलिस क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार ने घायलों को तत्काल बहजोई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। सीओ ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

लोगों की मदद से कार को सड़क से हटवाती पुलिस।

- **वाहन को ओवरटेक करते समय अनियंत्रित हुई अर्टिगा कार**

आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि दुर्घटना की सटीक वजह सामने आ सके। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

बेटे की मौत के सदमें में पिता ने भी दम तोड़ा

एटा, एजेंसी: जिले के जलेसर क्षेत्र में मुंबई से ईद मनाने आये पुत्र की दिल का दौरा पड़ने से हुई मौत के बाद सदमे में आए उसके पिता का भी निधन हो गया। मक़सूदपुर निवासी जकील (40) ईद मनाने के लिए मुंबई से गांव आए थे। वह अस्पताल में भर्ती पिता रफीक खां (70) को छुट्टी दिलाकर 19 मार्च को गांव लौटे थे।

उसी रात जकील को सीने में अचानक दर्द उठा। जकील को तत्काल जलेसर स्थित अस्पताल ले जाया गया जहां उपचार शुरू होने से पहले ही उसकी मौत हो गई। पुत्र के शव को देखकर रफीक की हालत फिर बिगड़ गयी और 20 मार्च की रात में लगभग 10 बजे उनकी मौत हो गई।

चमोली में हिमपात

उत्तराखंड के चमोली जिले में रविवार 22 मार्च को ताजा हिमपात के बाद बर्फ की सफेद चादर से ढका बद्रीनाथ मंदिर। • एजेंसी

न्यूज ब्रीफ

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग करने का आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के मुंबई स्थित आवास पर रंगदारी व दहशत फैलाने के इरादे से फायरिंग करने वाले एक आरोपी को एसटीएफ ने आगरा के बाह से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे क्राइम ब्रांच मुंबई के सुपुर्द कर दिया। मामले की जांच क्राइम ब्रांच मुंबई कर रही है।

नखासा में बिकने पहुंचा 10 लाख का घोड़ा

काशीपुर, अमृत विचार : काशीपुर में प्रतिवर्ष मां भगवती बाल सुंदरी देवी के मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले ऐतिहासिक चैती मेले में लगने वाला नखासा बाजार अपने चरम पर है। साथ ही यह मेले के प्रमुख आकर्षण केंद्रों में से है। किंवदंती है कि इस मेले में कभी चंबल के डाकू अपनी पसंद का घोड़ा खरीदकर ले जाते थे। चैती मेला में नखासा करीब 400 वर्ष पूर्व रामपुर निवासी घोड़ों के बड़े व्यापारी हुसैन बख्श ने शुरू किया था। मेले में लाखों रुपये की कीमत तक के घोड़े बिक्री के लिए पहुंचे हैं। मेले में एक घोड़ा ऐसा भी है जिसकी कीमत दस लाख रुपये है।

जहानाबाद पुलिस के हत्थे चढ़े चार लुटेरे, असलहा बरामद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : बाइक लूट की घटनाएं करने वाले चार शातिर अपराधियों को जहानाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से लूटी गई एक बाइक, दूसरी बाइक का इंजन समेत अन्य सामान बरामद किया गया।

बता दें कि ग्राम गौनेरीबंदी के रहने वाले पुष्पेंद्र कुमार पुत्र मदनलाल से बीस फरवरी को लूट हुई थी। तीन अज्ञात बदमाशों ने उनकी बाइक लूटी और विरोध करने पर मारपीट कर घायल कर दिया था। जहानाबाद पुलिस ने तीन अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस ने इस मामले में सुरागरसी की। जिसके बाद ग्राम सरौरी निवासी संजीव वर्मा उर्फ संजू, सूरज, धर्मेंद्र और कस्बा जहानाबाद के मोहल्ला कच्ची हवेली के निवासी नदीम का नाम प्रकाश में आया था।

पुलिस इसकी पड़ताल कर रही थी कि 22 फरवरी को ग्राम कुकरीखेड़ा निवासी रवि कुमार पुत्र छेदालाल से बाइक लूट की घटना की गई। इसकी विवेचना के दौरान तीन अन्य नाम भोजीपुर बरेली के ग्राम जटऊ पट्टी निवासी विष्णु पुत्र मंगली प्रसाद, ग्राम सरौरी निवासी बड़े उर्फ डोरीलाल पुत्र चंद्रपाल और सरौरी निवासी संजीव वर्मा उर्फ संजू संज्ञान में आए। सूचना के आधार पर निर्माणाधीन हाईवे पर उगनपुर पुलिया के पास से चार आरोपी ग्राम सरौरी निवासी संजीव वर्मा उर्फ संजू, सूरज, धर्मेंद्र कुमार, मोहल्ला कच्ची हवेली निवासी नदीम को गिरफ्तार किया।

बच्ची को कार ने कुचला, मौत

गजरौला, अमृत विचार : सड़क पार कर रही बच्ची को कार ने कुचल दिया जिससे उसकी मौत हो गई। मृतका के परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने छात्रा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार : बहजोई थाना क्षेत्र में पुलिस ने फर्जी तरीके से आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर दो मुकदमे दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस को शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ लोग बिना अधिकृत अनुमति के आधार कार्ड बना रहे हैं और उनमें संशोधन कर रहे हैं। पुलिस टीम गठित की गई और दो अलग-अलग स्थानों पर एक साथ दबिश दी गई। छापेमारी के दौरान एक स्थान से दो और दूसरे स्थान से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी किसी अधिकृत आधार सेवा केंद्र से जुड़े नहीं थे, बल्कि उन्होंने एक अधिकृत सेंटर की आईडी को हैक कर लिया था। इसी हैक्ड आईडी के माध्यम से ये लोग अज्ञात स्थानों पर बैठकर ऑनलाइन आधार कार्ड बनाने और उनमें बदलाव करने का काम कर रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो लैपटॉप, प्रिंटर, आइरिस स्कैनर, थंब स्कैनर, तीन मोबाइल फोन सहित कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं। इसके अलावा तीन फर्जी आधार कार्ड और आठ संबंधित दस्तावेज भी मिले हैं। जांच में यह भी सामने आया कि कई दस्तावेजों में जन्मतिथि केवल वर्ष के रूप में दर्ज की गई थी, जिससे उनकी सत्यता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। एएसपी ने बताया कि गिरोह के काम करने का तरीका काफी संगठित और शातिराना था। आरोपी तकनीकी जानकारी का दुरुपयोग कर सरकारी पहचान प्रणाली से छेड़छाड़ कर रहे थे।

- **तीन मोबाइल सहित तमाम उपकरण बरामद**

हंगामे के बाद यूट्यूबर गिरफ्तार

पीलीभीत, अमृत विचार : सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की एक बार फिर आपत्तिजनक टिप्पणी ने माहौल गर्मा दिया। पीलीभीत टाइगर रिजर्व की ट्रिप के दौरान बनाए गए वीडियो में जातिसूचक शब्द के इस्तेमाल से आक्रोशित वाल्मीकि समाज के लोग सड़कों पर उतर आए। उन्होंने धरना-प्रदर्शन करते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और लोगों को समझाने का प्रयास किया। इस दौरान एक दरोगा से भी भीड़ का विवाद हो गया। किसी तरह मौके पर मौजूद इंस्पेक्टर ने स्थिति को संभाला। हंगामे के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

धामी कैबिनेट में विभागों का बंटवारा, नए मंत्रियों को जिम्मेदारी

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपनी कैबिनेट में पांच नए सदस्यों को शामिल करने के सरकार के चार साल पूरे होने की पूर्व संध्या पर रविवार को विभागों का बंटवारा भी कर दिया। इस दौरान पुराने मंत्रियों के कार्यभार में भी फेरबदल किया गया है। इस बंटवारे की अधिसूचना रविवार को राज्य के मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की तरफ से आधिकारिक तौर पर जारी की गई।

मुख्यमंत्री धामी ने गृह, वित्त, सूचना, राजस्व, औद्योगिक विकास, खनन, ऊर्जा, आबकारी, नागरिक उड्डयन और राज्य संपत्ति जैसे 18 अहम विभाग अपने पास ही रखे हैं। अधिसूचना के अनुसार, वन एवं संसदीय कार्य मंत्री सुबोध उनियाल को अब स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वहीं, तकनीकी शिक्षा विभाग उनसे लेकर डॉ. धन सिंह रावत को सौंपा गया है, जो अब तक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग संभाल रहे थे। डॉ. रावत के पास विद्यालयी शिक्षा, संस्कृत शिक्षा और सहकारिता विभाग यथावत रहेंगे। सतपाल महाराज से पंचायती राज और जलागम प्रबंधन विभाग वापस ले लिए गए हैं।

हाल ही में मंत्रिमंडल में शामिल किए गए मदन कौशिक को पंचायती राज की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा उन्हें आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास, आयुष एवं आयुष शिक्षा तथा जनगणना का प्रभार भी दिया गया है। कृषि मंत्री गणेश जोशी से ग्राम्य विकास विभाग लेकर नए मंत्री भरत सिंह चौधरी को सौंपा गया है। चौधरी को लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग की जिम्मेदारी भी दी गई है।

- **खजान को समाज कल्याण, मदन कौशिक संभालेंगे पंचायती राज**

काठगोदाम रेलवे स्टेशन परदौड़ाई कार, 3 लोग घायल

हल्द्वानी, अमृत विचार : काठगोदाम रेलवे स्टेशन में यूपी नंबर की कार को चालक ने बेहद तेज गति से दौड़ाया और कार की चपेट में आकर एक बच्ची समेत तीन लोग घायल हो गए। कार चालक को लोगों ने पकड़ लिया।

मथुरा निवासी डॉ. देवेंद्र कुमार ने जीआरपी थाना काठगोदाम में दी तहरीर में लिखा, 21 मार्च की सुबह पौने 11 बजे वह अपने साले तेजेरवर सिंह, पत्नी कनकमीत कौर और ढाई साल की बेटी अनाहत कौर के साथ काठगोदाम रेलवे स्टेशन पर पहुंचे। आरोप है कि वह अपनी गाड़ी पार्किंग में पार्क करके स्टेशन के गेट की तरफ जा रहे थे। तभी एक यूपी नंबर की कार टिकट घर की तरफ से तेजी से आई। कार चालक ने पहले देवेंद्र को चपेट में ले लिया। टक्कर से देवेंद्र एक ओर और उनकी गोद में मौजूद बेटी दूसरी ओर गिरी।

बदलाव | 160 एसटीपी से रोज 5000 एमएलडी नदियों का पानी हो रहा शुद्ध

नौ वर्ष में 10 गुना बढ़े एसटीपी

- **लखनऊ में क्षमता 1000 एमएलडी पार करने की तैयारी**

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में नदियों की निर्मलता को लेकर योगी सरकार ने बीते नौ वर्षों में बड़ा बदलाव दर्ज किया है। नमामि गंगे योजना के तहत जहां वर्ष 2017 से पहले मात्र पांच सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित हो पाए थे, वहीं इसके बाद 50 से अधिक नए एसटीपी स्थापित किए गए हैं। इस तरह सीवर शोधन ढांचे के विस्तार की रफ्तार लगभग दस गुना तक बढ़ी है।

वर्तमान में प्रदेशभर में करीब 160 एसटीपी संचालित हैं, जिनके जरिए प्रतिदिन लगभग 5000 मिलियन लीटर (एमएलडी) गंदे पानी का शोधन किया जा रहा है। इससे नदियों में गिरने वाले प्रदूषित पानी को रोकने में बड़ी सफलता मिली है। राजधानी लखनऊ में भी सीवेज शोधन के क्षेत्र में तेजी से काम हुआ है। यहां नौ एसटीपी संचालित हैं, जिनकी कुल क्षमता 624.50 एमएलडी है। भरवारा, दौलतगंज, हाथी पार्क, वृंदावन और सीजी सिटी जैसे क्षेत्रों में स्थापित इन संयंत्रों के माध्यम से गोमती और उसकी सहायक नदियों को प्रदूषण से बचाया जा रहा है।

इसके अलावा शहर में तीन नए एसटीपी निर्माणाधीन हैं, जिनकी क्षमता 153.50 एमएलडी होगी, जबकि चार अन्य प्लांट प्रस्तावित हैं। इनके तैयार होने के बाद लखनऊ की कुल शोधन क्षमता 1000 एमएलडी से अधिक पहुंचने का अनुमान है। सरकार का फोकस केवल नए प्लांट लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि पुराने संयंत्रों के उन्नयन और ट्रीटेड वाटर के पुनः उपयोग पर भी जोर दिया जा रहा है।

नमामि गंगे की उपलब्धियां

*2017 से पहले केवल 5 एसटीपी
*2017 के बाद 50 से अधिक नए प्लांट
*कुल 160 एसटीपी पूरे प्रदेश में संचालित
*रोजाना 5000 एमएलडी पानी का शोधन

लखनऊ का मॉडल

* 9 एसटीपी संचालित, क्षमता 624 .50 एमएलडी
*3 प्लांट निर्माणाधीन, 4 प्रस्तावित
*गोमती में जाने से पहले पानी का शोधन
*1000 एमएलडी क्षमता पार करने की तैयारी

3 शादियां, 3 बच्चे गायब
शातिर बिंदा हुई बेनकाब

सीसीटीवी फुटेज के सहारे फरीदपुर पुलिस को मिली सफलता

संवाददाता, फरीदपुर,

अमृत विचार : बस में सफर के दौरान भरोसा जीतकर 9 माह के मासूम का अपहरण करने वाली महिला का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। कुशीनगर की रहने वाली आरोपी बिंदा उर्फ रंजना को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

महिला पर आरोप है कि उसने अपनी तीन शादियों के दौरान अपने ही बच्चों को गायब किया और बाद में दूसरों के बच्चों को चोरी कर उन्हें अपना बताकर परिवार को धोखे में रखा। मामले का खुलासा तब हुआ जब हरदोई के देहात थाना क्षेत्र के गांव मिरगंवा निवासी सुनभला कुमारी ने फरीदपुर थाने में अपने 9 माह के बेटे अरुण के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई। पीड़िता के मुताबिक, बस में सफर के दौरान आरोपी महिला ने मदद कर भरोसा जीता और मौका पाकर बच्चे को लेकर फरार हो गई। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आरोपी को फतेहगंज पूर्वी थाना क्षेत्र के गांव खनी नवादा से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से दो अन्य बच्चे भी बरामद हुए, जो उसके अपने नहीं थे। में मेरठ निवासी दूसरे पति को भी बुलाकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस सनसनीखेज मामले का बड़ा खुलासा किया जाएगा।

फुटेज में बच्चे के साथ कैद हुई थी।

बरेली निवासी तीसरे पति ने खोले राज

जांच में सामने आया कि बिंदा उर्फ रंजना तीन शादियां कर चुकी है। दूसरी शादी मेरठ में और तीसरी शादी करीब छह साल पहले बरेली के खनी नवादा निवासी गुड्डू से हुई थी। तीसरे पति गुड्डू ने पुलिस को बताया कि शादी के बाद हर बार डिलीवरी के समय आरोपी मायके चली जाती थी और बिना बच्चे के लौटती थी। पूछने पर वह बच्चों के मायके में होने की बात कहकर टाल देती थी। जब उसने सख्ती दिखाई, तो आरोपी हरदोई की महिला का बच्चा और मेरठ में अपने दूसरे पति की दूसरी पत्नी का बच्चा चोरी कर ले आई और उन्हें अपना बताकर घर में रख लिया। फिलहाल पुलिस इस बात की गहन जांच कर रही है कि आरोपी महिला ने अपने तीन बच्चों के साथ क्या किया। आशंका है कि बच्चों को कहीं बेच दिया गया हो।

घर में घुसकर मारपीट, जान से मारने की धमकी

आंवला, अमृत विचारः थाना आंवला क्षेत्र के एक गांव में पुरानी रंजिश के चलते दबंगों द्वारा घर में घुसकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित अशोक पाल सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 20 मार्च की रात करीब 9:30 बजे वह अपने घर पर थे, तभी गांव के ही कुछ लोग गाली-गलौज करते हुए घर में घुस आए और लाठी-डंडों से मारपीट करने लगे।

पीड़ित के अनुसार हमलावरों ने परिवार के लोगों को भी धमकाया और पीड़ित ने अपने बचाव में शोर मचाया तो आसपास के लोग जुटने लगे। लोगों को जुटता देखकर आरोपी पप्पू, राम सिंह, ठेकेदार जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। बताया जा रहा है कि खेत पर कब्जे को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले से विवाद चल रहा है और मामले में वर्चस्व जमाने को वारदात को अंजाम दिया गया है। पीड़ित ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

पथसंचलन में संस्कार व एकता पर जोर

सड़कों पर गणवेश में निकलते आरएसएस के स्वयं सेवक। ● अमृत विचार

संवाददाता, मीरगंज

- हिंदू नववर्ष पर आरएसएस ने निकाला पथ संचलन

अमृत विचारः नगर में हिंदू नव वर्ष पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने पथ संचलन का आयोजन किया। सैकड़ों स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में संत मंगलपुरी इंटर कॉलेज, मढ़ी सत्याना से नगर भ्रमण के लिए निकले।

इस पथ संचलन को मीरगंज विधायक डॉ. डीसी वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, ब्लॉक प्रमुख गोपाल कृष्ण और जिला पंचायत सदस्य निरंजन यदुवंशी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन नेताओं ने स्वयंसेवकों को हिंदू नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं और समाज में एकता, संस्कार तथा राष्ट्रभक्ति को मजबूत करने का संदेश दिया।

पथ संचलन नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरा। इस दौरान स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने जगह-जगह स्वयंसेवकों का स्वागत किया। पूरे नगर में स्वयंसेवकों पर पुष्पवर्षा की गई।तहसील गेट के सामने पराग डेयरी पर भाजपा नेता ओमपाल गंगवार, शक्ति केंद्र संयोजक अभिषेक गंगवार सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने स्वयंसेवकों पर पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे और भारत माता की जय व वंदे मातरम् जैसे नारे लगाए गए। पथ संचलन में स्वयंसेवकों ने अनुशासन और एकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही और पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा।इस आयोजन का उद्देश्य हिंदू नव वर्ष के महत्व को रेखांकित करना और समाज में भाईचारे तथा सांस्कृतिक एकता का संदेश देना था।

शोहदे से तंग युवती ने छोड़ी पढ़ाई, केस दर्ज

संवाददाता भमोरा

अमृत विचारः थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने युवक पर लगातार परेशान करने और बदनाम करने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़िता के अनुसार थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी सूरज मौर्य उसे कॉलेज आते-जाते रास्ते में रोककर परेशान करता था। जिससे तंग आकर उसने अपनी पढ़ाई तक छोड़ दी और परिजन ने शादी तय की तो ससुराल में अनर्गल बातें फैलाकर शादी भी तुड़वा दी।

आरोपी पूर्व में उसके साथ पढ़ चुका है। युवक उसके बारे में अनर्गल बातें फैलाकर बदनामी करता था और जबरन शादी करने की बात कहता था। इस स्थिति से परेशान होकर परिजनों ने उसकी शादी बदायूं में तय की, लेकिन आरोपी को किसी तरह ससुराल पक्ष की जानकारी मिल गई। वह वहां पहुंच गया और लड़की के बारे में गलत बातें बताकर रिश्ता तुड़वा दिया।पीड़िता के भाई जब उसके घर पहुंचे तो आरोपी मारपीट पर आमादा हो गया। उसने धमकी दी कि वह कहीं भी शादी नहीं होने देगा।

30 घंटे बाद किया किसान का अंतिम संस्कार

संवाददाता, भमोरा,

- मृतक की पत्नी आरोपी किसान पर मुकदमा दर्ज गिरफ्तारी की मांग पर अड़ी
- पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शीघ्र गिरफ्तारी का दिया आश्वासन
- क्यारा ब्लाक प्रमुख ने परिवार को आर्थिक मदद व न्याय दिलाने की बात कही

अमृत विचारः खेत में लगाए गए करंट से हुई मौत के मामले में दूसरे दिन आरोपी किसान पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। किसान की गिरफ्तारी की मांग को लेकर अड़े परिजनों को पुलिस ने जल्द गिरफ्तारी की बात कह समझाया। इसके बाद किसान का अंतिम संस्कार किया गया।

क्षेत्र में गांव दलीपुर और आसपास क्षेत्र में आवारा पशुओं के आतंक से किसान परेशान हैं। इनकी रोकथाम में स्थानीय जिम्मेदार असफल रहे हैं। ऐसे में किसानों ने अपने खेतों को आवारा पशुओं से बचाने के लिए झटका वाले तार लगा रखे हैं ताकि खेत में घुसते ही पशुओं को झटका लगे और वह दूर हट जाएं। चर्चा है कि दलीपुर के रिंकू को जिस खेत में करंट लगा उस खेत में कांटे वाले तार में कटिया डालकर करंट दौड़ाया जा रहा था। इस वजह से उसकी करंट से चिपक कर मौत हो गई और पत्नी की चीख पुकार भी पति को बचाने में असफल रही।

दलीपुर गांव में किसान की मोत के बाद तैनात पुलिस। ● अमृत विचार

शनिवार को रिंकू की मौत की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पीएम को भेजा। देर शाम शव पीएम होने के बाद घर पहुंचा तो पत्नी शीला आरोपी किसान चंद्रपाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग पर अड गई। रविवार सुबह पहुंची पुलिस ने शीला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया और जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया तो इसके बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया। इस मौके पर भाजपा नेता वेद प्रकाश यादव, क्यारा ब्लॉक प्रमुख अरविंद सिंह चौहान ने मृतक के परिवार को आर्थिक मदद के न्याय दिलाने की बात कही। ग्रामीणों के बीच चर्चा है कि यदि मृतक रिंकू के घर पर शौचालय होता तो यह बड़ी घटना नहीं होती।

मेले से लौट रहे छात्र पर हमला

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : कुम्हार चौक में लगे मेले को देखकर घर लौट रहे छात्र को मोहल्ले के लोगों ने पीटकर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट लिखकर पीड़ित को मेडिकल के लिए भेजा है।

थाना भोजीपुरा के गांव मुरारपुर निवासी अनस स्थानीय कस्बा के मोहल्ला अहमद नगर वार्ड 8 निवासी अपने ताऊ रफी खान के घर रहकर पढ़ाई कर रहा है। वह 11वीं का छात्र है। शनिवार को ईद के मौके पर कुम्हार चौक में लगे मेला को देखने गया था।

उसी के मोहल्ले निवासी शाहिद, शरीफ, कासिम, राशिद उसे बगैर किसी बात के गाली देने लगे। उसने जब विरोध किया तो चारों ने एक राय होकर उसको लात घूंसों से गिरा गिरा कर खूब पीटकर घायल कर दिया।

युवक के साथ की मारपीट, मुकदमा दर्ज

भुता, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के गांव म्योड़ी खुर्द में गांव के दबंग ने युवक के साथ मारपीट कर घायल कर दिया है। बीच बचाव करने आए परिजनों को अपने साथी की मदद से मारपीट कर उनको भी घायल कर दिया है। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़ित अली अहमद ने बताया वह दोपहर की नमाज पढ़कर आ रहा था। कि उसने देखा गांव निवासी सरताज मेरे मामा खलील अहमद के साथ बेवजह मारपीट कर रहा है। जब मैंने व मेरे भतीजो ने बीच बचाव करना चाहा। तो आरोपी ने अपने साथी सोनू, फुरकान, इंतजार को बुला लिया। सभी ने मारपीट कर घायल कर दिया।

विरोध में रुका ट्रांसफार्मर का काम

संवाददाता, सेंथल

अमृत विचारः कस्बे के मोहल्ला जामा मस्जिद स्थित कश्यप चौराहे पर रविवार को बिजली विभाग की टीम को नया ट्रांसफार्मर लगाने के दौरान भारी विरोध का सामना करना पड़ा। विभागीय टीम जैसे ही ट्रांसफार्मर स्थापित करने पहुंची, कश्यप समाज की महिलाएं मौके पर ही धरने पर बैठ गईं, जिसके चलते टीम को बिना कार्य किए ही वापस लौटना पड़ा।

बिजली विभाग ने कुछ दिन पहले इस स्थान को ट्रांसफार्मर स्थापना के लिए चिन्हित किया था और नाले पर स्लैब भी डलवाए थे। उस समय भी स्थानीय लोगों ने इसका विरोध जताते हुए ट्रांसफार्मर को अन्य स्थान पर लगाने की मांग की थी। इस संबंध में मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई गई थी।

ट्रांसफार्मर लगाने का विरोध करती महिलाएं। ● अमृत विचार

कश्यप समाज के लोगों का कहना है कि यह चौराहा सामाजिक और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, जहां शादी-विवाह के दौरान हवन, फेरे और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उनका मानना है कि ट्रांसफार्मर लगने से महिलाओं और बच्चों को असुविधा होगी, साथ ही तारों व उपकरणों से दुर्घटना का खतरा भी बना रहेगा। विरोध के चलते फिलहाल ट्रांसफार्मर लगाने का कार्य अधूरा रह गया है।

मथुरा जा रहे गोसेवकों को पुलिस ने किया नजरबंद

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

अमृत विचार : शनिवार को मथुरा में गौ तस्करों के द्वारा ट्रक के पहिए से कुचलकर गौ सेवक बाबा फरसा वाले की हत्या के विरोध में स्थानीय गौ सेवक रक्षा दल के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने टोल पर रोककर नजर बंद कर लिया।

अखिल भारतीय गौ रक्षा परिषद संगठन के प्रमुख हेमंत गंगवार, जितेंद्र श्रीवास्तव, धर्मेंद्र मिश्रा,महिला जिलाध्यक्ष रामपुर अर्चना सिंह की अगुवाई में अमन सक्सेना,गौरव श्रीवास्तव, राकेश,राज ठाकुर,पवन कुमार ,विवेक मौर्य,अजय प्रजापति, मनीश ठाकुर,चमन मौर्य,सुरेश कुमार आदि रविवार को मथुरा के लिए करीब एक बजे रवाना हुए।

गौ रक्षा दल के लोगों को पुलिस ने रोका ● अमृत विचार

पत्नी पर हमला करने वाला पति गिरफ्तार

शीशगढ़, अमृत विचारः दंपति में किसी बात पर कहा सुनी होने पर पत्नी को अवैध तमंचे से गोली मारने वाले युवक को पुलिस ने अवैध तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

शनिवार को चौकी क्षेत्र टांडा छंगा के ग्राम कल्यान पुर निवासी राशिद पुत्र इनातुल्ला ने किसी बात पर कहा सुनी होने पर पत्नी निशा पर फायर कर घायल कर दिया था। रविवार को पुलिस ने राशिद को गिरफ्तार कर लिया। जामा तलाशी में पुलिस ने 312 बोर का अवैध तमंचा दो जिन्दा कारतूस व एक खोखा बरामद करने का दावा किया है।

आंवला में अस्पतालों के चक्कर में जच्चा की मौत

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : थाना आंवला क्षेत्र के गांव अजुध्या निवासी रितेश की 22 वर्षीय उपासना की डिलीवरी के बाद अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। शनिवार 21 मार्च को सुबह उपासना को कस्बा आंवला स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शाम करीब 6:10 बजे अस्पताल कर्मियों ने उसकी सामान्य डिलीवरी कराई, जिसमें उसने एक स्वस्थ बेटे को जन्म दिया। डिलीवरी के बाद महिला पूरी तरह स्वस्थ थी और उसने चाय-बिस्किट भी खाए।

रविवार सुबह 9:30 बजे परिजन बच्चे के छूचक की रस्म के लिए अस्पताल पहुंचे, तभी अचानक उपासना की हालत बिगड़ गई। अस्पताल स्टाफ ने प्राथमिक उपचार के तहत इंजेक्शन लगाया, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। इसके बाद करीब 10 बजे उसे बरेली रेफर कर दिया गया।

नर्सिंग होम में मौजूद परिजन और अस्पताल स्टाफ ● अमृत विचार

हालांकि परिजन उसे सीधे बरेली ले जाने के बजाय बदायूं ले गए, जहां दो अलग-अलग अस्पतालों में दिखाया गया, लेकिन वहां से भी बरेली रेफर कर दिया गया। अंततः जब परिजन उसे बरेली ले जा रहे थे, तभी रामगंगा पुल के पास रास्ते में दोपहर करीब 1 बजे उपासना ने दम तोड़ दिया।

आशा रजनी ने बताया कि वह सूचना पर प्रसूता को पीएचसी रामनगर ले गयी। जहां डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल ले जाने की सलाह दी। जिस पर प्रसूता के परिजनो ने निजी अस्पताल में प्रसव कराने की बात कही तब उसे वैष्णवी नर्सिंग होम में भर्ती किया गया। जहां प्रसूता की सामान्य डिलीवरी हो गई।

नर्सिंग होम संचालक देवराज सिंह ने बताया कि हमारे यहां जच्चा बच्चा दोनो स्वस्थ थे। प्रसूता की हालत अधिक भीड़ देखकर बिगड़ी। हमने सही हालत में प्रसूता को बरेली दिखाने की सलाह दी लेकिन परिन उसे बदायूं ले गए। उन्होंने अधिक समय बर्बाद किया। हमारे प्रबंधन की कोई गलती नहीं हैं।

प्रभारी निरीक्षक के. बी. सिंह ने बताया कि परिजनों की ओर से कोई शिकायती पत्र नहीं मिला है।तहरीर मिलने पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। देर रात महिला के परिवार और अस्पताल संचालक में समझौता हो गया है। महिला के परिवार वालों ने पुलिस को लिखकर दिया है कि वह कोई कार्यवाही नहीं चाहते हैं।

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
डॉ. दीपक माहेश्वरी MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
सभी प्रकार के TPA कैशलेस/इंश्योरेन्स से इलाज की सुविधा उपलब्ध
मोतियाबिन्द ग्लूकोमा का डायग्नोसिस एवं उपचार अत्याधुनिक मशीनों द्वारा
NABH PRE ACCREDITED
डॉ. आदित्य त्यागी MBBS, DOMS, DNB, MNAMS CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
8077344353 समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटर) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

न्यूज ब्रीफ

नवरात्र में मीट की बिक्री करने पर हिंदू संगठनों ने जताया विरोध

फरीदपुर, अमृत विचार : नवरात्र के दिनों में फरीदपुर क्षेत्र में खुलेआम नगर के भूरे खां गोटियां इलाके में एक बग़र (झुग्गीनुमा स्थान) के अंदर मांस काटे जाने पर हिन्दू संगठनों ने रोष जताया है। पुलिस की निष्क्रियता से स्थानीय लोगों और हिंदू संगठनों में भारी नाराज़गी है। बताया जा रहा है कि मांस काटने वाले व्यक्ति आरिफ से जब जानकारी लेने की कोशिश की, तो आरोपी ने उनके साथ अभद्रता और बदसलूकी कर दी। हिंदू संगठनों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर प्रशासन के खिलाफ नाराज़गी जताई और तुरंत कार्रवाई की मांग करते हुए उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि नवरात्र जैसे पवित्र पर्व पर मांस की बिक्री जारी रहना बेहद शर्मनाक है। प्रशासन कुंभकर्णी नींद से जागे और तुरंत कार्रवाई करे। इस पोस्ट को जिला पुलिस, यूपी 112, और एसएसपी को टैग किया गया है। रही है।

बाल विवाह उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

मीरगंज, अमृत विचार : राजेंद्र प्रसाद डिग्री कॉलेज, में बाल विवाह मुक्त भारत 100 दिवसीय अभियान के तहत कार्यक्रम हुआ। महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा किशोरी क्लब गतिविधि में उत्साहपूर्वक सहभागिता की गई। इसके साथ ही छात्राओं को शपथ के माध्यम से समाज में व्याप्त बाल विवाह जैसी कुप्रथा के विरुद्ध जागरूकता फैलाने एवं सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सचिन कुमार गिरि,प्रो. विजय बहादुर सिंह बिष्ट, डॉ.रत्नाकर दुबे, डॉ.आनंद कुमार, डॉ मोहम्मद फाइज,डॉ.प्रवीण सिंह,डॉ. दीपांकर राव, डॉ.संदीप तिवारी, डॉ.विनय सिंह चौहान आदि रहे।

धोबी तालाब को हथियाने के लिए बिछा दिया जाल

नगर पालिका के 15 सभासदों ने मुख्यमंत्री को भेजा शिकायती पत्र

- पैमाइश कराकर क्षेत्रफल के हिसाब से सह खातेदारों को जमीन देने की मांग

सवाददाता, बहेड़ी

बहेड़ी में तालाब में कूड़ा डालकर पाटने का काम जारी है। नगर पालिका खामोश बनी है।

अमृत विचार: शहर के बीचोबीच स्थित धोबी तालाब को हथियाने के लिए जाल बिछा लिया गया है।तालाब के खाता नम्बर के सहखातेदारों ने कुरा बंदी में अपने नम्बर सड़क किनारे फ्रंट पर करा लिए, और तालाब के नम्बर को पीछे कर दिया। नगर पालिका इस मामले में खामोश तमाशाई बनी हुई है,और अपनी कीमती ज़मीन पर छोटे नम्बर वाले सहखातेदारों को फ्रंट की ज़मीन मिलने का रास्ता साफ कर दिया। नगर पालिका के ही 15 सभासदों ने मुख्यमंत्री को भेजे शिकायती पत्र में अपनी ही नगर पालिका पर इस मामले में कोई कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है।

मुख्यमंत्री को भेजे शिकायती पत्र में कहा गया है कि बहेड़ी शहर के शैखुपुर के रकबे में खाता नम्बर 234 पर तालाब दर्ज है, जिसका रकबा 960 हेक्टेयर है। 234 नम्बर पर ही 4 सहखातेदारों के नाम से 1142 हेक्टेयर रकबा दर्ज है, यानि चारों सहखातेदारों के पास जितनी ज़मीन है, उससे 8 गुना ज़मीन नगर पालिका के तालाब के नाम है, लेकिन सड़क के किनारे नगर पालिका के पास जगह नहीं है, और छोटे -छोटे खातेदारों की सारी ज़मीन फ्रंट पर है। कीमती ज़मीन कब्ज़ा करने का यह खेल कुरा बंदी में किया गया।

कुरा बंदी में खेल करते हुए छोटे -छोटे खातेदारों को फ्रंट की कीमती ज़मीन का मालिक बना दिया गया। नगर पालिका इस खेल को खामोशी से देखती रही, और उसने अपनी ज़मीन को कौड़ियों की कीमत का बनने दिया। इधर तालाब को पाटने का काम भी शुरू हो गया। शिकायत हुई, तो चोरी -चोरी काम शुरू कर दिया गया। अभी पिछले दिनों शहर लेखपाल ने मौके पर पहुंच कर पटान रुकवाया था।नगर पालिका के 15 सभासदों के मोहर और हस्ताक्षरयुक्त शिकायती पत्र में एक और गंभीर आरोप लगाया है। कहा गया है कि नगर पालिका ने तालाब के सौदर्यीकरण के लिए शासन से पैसा हासिल किया है, और अब भू माफियाओं को फायदा पहुंचाने के लिए पहले तालाब का काम कराना चाहती है। सभासदों ने तालाब के पूरे रकबे की पैमाइश कराने और क्षेत्रफल के हिसाब से सभी को ज़मीन दिए जाने और नगर पालिका की कीमती ज़मीन को बचाने की मांग की है।

तालाब पाटा जा रहा, फिर भी सब खामोश

धोबी तालाब को लम्बे अरसे से लोग तालाब की शक्ल में ही देख रहे हैं। सड़क किनारे पूरी जगह में तालाब हुआ करता था। यहां कपड़े धुले जाते थे, और कुछ सालों से यहां नगर पालिका कूड़ा डालने लगी। अब तालाब को पाटा जा रहा है। सवाल यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने जब तालाब को पाटने पर रोक लगा रखी है, तो इस तालाब का अस्तित्व कैसे मिटाया जा रहा है।

लखीमपुर संपर्क मार्ग पर कार्य शुरु

शेरगढ़, अमृत विचार: क्षेत्र के नगरिया कलां-लखीमपुर संपर्क मार्ग पर डामर रोड बनने का कार्य शुरू हो गया है। इससे ग्रामीण बेहद खुश हैं अब उन्हें अस्त-व्यस्त मार्ग से निजात मिल सकेगी। रविवार को मार्ग पर लेपन कार्य की शुरुआत हुई। वहीं नगरिया कलां-कमालपुर गांव के बीच सेतु के निकट किच्छा नदी में आई बाढ़ में कटी सड़क पर सुरक्षा दीवारें भी बनाई जा रही हैं जिसका कार्य प्रगति पर है। यहां 650 मीटर सीसी रोड का निर्माण भी किया जा रहा है। जेई प्रेम सिंह ने बताया कि सुरक्षा दीवार निर्माण का कार्य पिछले दिनों शुरू कर दिया गया है। रविवार को डामर रोड का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि सीसी रोड को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। अति शीघ्र कार्य पूर्ण किया जाएगा।शेरगढ़ से गांव लखीमपुर और कमालपुर तक क्षतिग्रस्त सड़क का मामला अमृत विचार ने पिछले दिनों प्रकाशित किया था। क्षेत्रवासी रघुवीर उर्फ राना सिंह,चौधरी राजू सिंह,प्रदीप सिंह,नरायन दास,हरीश कुमार, संजय सिंह, राजेंद्र प्रसाद गंगवार, पातीराम राठौर, सत्यपाल शर्मा, छोटेलाल राठौर, हेमराज हावूड़ा,प्यारेलाल पाली,सत्यपाल गंगवार आदि समेत लोगों ने मार्ग मरम्मत की शुरुआत पर प्रसन्नता जताई है।

शेरगढ़ में नगरियांकलां मार्ग पर काम शुरु।

मजबूत बूथ प्रबंधन से ही चुनाव में जीत तय

शिविर के दौरान सम्मानित किये गये भाजपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता,नवाबगंज

- बताया गया किस तरह पार्टी की नीतियों को घर-घर पहुचाएं

अमृत विचार: कस्बे के आर्य कॉलेज परिसर में आयोजित भारतीय जनता पार्टी का दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाशिविर रविवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। शिविर में विधानसभा क्षेत्र के अहमदाबाद, कल्यानपुर और नगर मंडल के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर संगठनात्मक गतिविधियों और चुनावी रणनीतियों की बारीकियों को समझा। समापन सत्र को संबोधित करते हुए पार्टी के जिला प्रभारी चौधरी देवेंद्र सिंह ने विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर मजबूती लाने का आह्वान किया। किसी भी चुनाव में जीत की आधारशिला बूथ प्रबंधन ही होता है। जिस कार्यकर्ता का बूथ मजबूत होगा, उसके लिए चुनावी चुनौती स्वतः आसान हो जाती है।

शिविर के दौरान कार्यकर्ताओं को सात प्रमुख विषयों बूथ प्रबंधन, मन की बात, संगठन की कार्यपद्धति, सोशल मीडिया का प्रभावी उपयोग, केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार, जनसंपर्क के तरीके और चुनावी प्रबंधन, पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं को बताया कि किस प्रकार घर-घर संपर्क और डिजिटल माध्यमों के समन्वय से पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विधायक डॉ. एमपी आर्य ने जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का शॉल और पटका पहनाकर स्वागत किया। समापन अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष पवन शर्मा, स्वाति कुमारी, अभय चौहान, डॉ. मीनाक्षी गंगवार, नीरेंद्र सिंह राठौर, लेखराज गंगवार, सतेन्द्र गंगवार , अजय चौहान, विनोद गुप्ता, विनोद दिवाकर, राममोहन गंगवार, टीआर गंगवार, ब्लॉक प्रमुख प्रज्ञा गंगवार, नंदकिशोर, अंकित शुक्ला, मुरारी गंगवार, नत्थू लाल आर्य, रोहित गंगवार, मीरा गंगवार, बब्लू गंगवार, रामप्रकाश, कविता शर्मा, राजकुमारी, प्रशंसा शर्मा, राजू हिंदुस्तानी, केशव गुप्ता, रिंकू अवस्थी ,जमुना प्रसाद,आदि रहे।

अगरास शाही रोड पर गड्ढे राहगीरों को कर रहे घायल

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार: अगरास शाही रोड पर खरसैनी गांव के पास सड़क पर गहरे गड्ढे राहगीरों और बाइक सवारों के लिए खतरा बन गए हैं। आए दिन वाहन चालक असंतुलित होकर गिर रहे हैं, जिससे वे घायल हो रहे हैं। रविवार को खरसैनी गांव निवासी पुनीत शाही से अपने घर लौटते समय एक गड्ढे को बचाने के प्रयास में बाइक सहित गिर गए। इस दुर्घटना में उन्हें हल्की चोटें आई हैं। खरसैनी अड्डे के दुकानदार मिसरी लाल ने बताया कि इन गड्ढों के कारण रोजाना बाइक सवार गिरकर चोटिल हो रहे हैं। संबंधित विभाग से कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। दुकानदार नत्थू लाल, पप्पू, नरपत और नरेश सहित अन्य स्थानीय लोगों ने जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। उनका उद्देश्य किसी बड़े हादसे से पहले आवागमन को सुरक्षित बनाना है।

पलायन करने की चेतावनी

बहेड़ी, अमृत विचार : मोहल्ला केशवपुरम के प्रशांत शर्मा ने सूर्या कुर्मी के बेटे अर्पित पर हमला करने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दिए शिकायती पत्र में उसने सूर्या कुर्मी से जान का खतरा बताते हुए कार्रवाई न होने पर पलायन कर लेने की चेतावनी दी है।

संतों ने किया बच्चों को शिक्षित करने का आह्वान

- यज्ञ एवं समरसता भंडारे के साथ संपन्न हुआ समागम

कार्यालय संवाददाता, बरेली

प्रेमनगर स्थित वाल्मीकि साधु आश्रम में हुए वाल्मीकि संत समागम में मंचासीन साधु संत।

अमृत विचार: सतगुरु बाबा सागरदास की 30 वीं पुण्यतिथि प्रेमनगर स्थित वाल्मीकि साधु आश्रम में मनाई गई। इस मौके पर हुए वाल्मीकि संत समागम में अमृतसर, पंजाब से आए साधु संतों ने समाज में बच्चों को शिक्षित करने का आह्वान किया। साथ ही समाज में व्याप्त दुर्व्यसनों जैसे मृत्यु भोज, दहेज प्रथा एवं विवाह समारोह आदि पर अनावश्यक व्यय न करने की शपथ भी सभी लोगों को दिलाई।

उज्जैन के वाल्मीकि संत समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी बलराम दास योगी ने विभिन्न प्रांतों से आए संतों के साथ सत्संग किया। देश के कोने-कोने से साधु संतों ने धर्म पर प्रवचन दिए।

संपूर्ण विश्व में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से पंजाब से आये वाल्मीकि समाज शिरोमणि बलवीर सिंह सोंधी ने अन्य साधु संतों के संग सुबह 7 बजे से हवन पूजन किया। इसके बाद समाज में समरसता स्थापित करने के उद्देश्य से भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें साधु संतों एवं भक्तजनों ने प्रसाद ग्रहण किया।

इससे पहले वाल्मीकि संत समागम का शुभारंभ कार्यक्रम संयोजक अरविंद वाल्मीकि ने संतों का माल्यार्पण कर मंच पर स्थान ग्रहण कराकर किया। संत सम्मेलन में स्वामी रतन दास, साध्वी संतोष दास, स्वामी प्रेमानंद अमृतसर, स्वामी ब्रहमदास, स्वामी गोविंद दास, स्वामी धनीदास, शंकर दास, बलबीर सिंह सोंधी, बलबीर सिंह चीमा, पारुल रंधावा, डॉ. राम लुभाया, आचार्य मुकेश दास दिल्ली रहे। ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं केंद्रीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद सदस्य सलाहकार मनोज थपलियाल, सचिव योगेश कुमार, विकास महर्षि, सुरेंद्र नाथ, अंशु आर्या, उमेश कठेरिया, पुष्पा पाण्डे, चंदन प्रकाश, विलास बाबू, सुनील दत्त, विश्वास महाजन, सुनील भारत, विशाल बिंदु, भगवान दास, विजय आनंद, गुड्डू नागवंशी, अरविंद वाल्मीकि, रंजीत कोठारी, रुस्तम सिंह आदि मौजूद रहे।

नौ वर्ष पूर्ण होने पर मीरगंज ब्लाक में कार्यक्रम

- जनकल्याणकारी योजनाओं व उपलब्धियों को बताया
- कार्यक्रम के दौरान बच्चों को खीर खिलाकर कराया अन्नप्राशन

संवाददाता, मीरगंज

लाभार्थी को प्रमाण पत्र देते विधायक डा. डीसी वर्मा । ● अमृत विचार

अमृत विचार: प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को ब्लॉक सभागार में नव निर्माण के 9 वर्ष कार्यक्रम में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाया गया।

इस दौरान बैंकों द्वारा लोन मेला भी लगाया गया। समूह की महिलाओं और बैंकों की तरफ से स्टॉल लगाकर लाभार्थियों को लाभान्वित भी किया गया। पात्र लाभार्थियों को मिलने वाली जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया गया। मुख्य अतिथि विधायक डॉक्टर डीसी वर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार ने बीते 9 वर्षों में गरीब, वंचित और पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़कर उन्हें मुख्यधारा में लाने का कार्य किया है। विधायक ने बच्चों को गोद में लेकर चम्मच से खीर खिलाकर अन्नप्राशन कराया। ब्लॉक प्रमुख गोपाल कृष्ण गंगवार ने प्रदेश सरकार के नौ वर्षों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने ''सेवा, सुरक्षा-सुशासन'' के तहत सरकार के कार्यों की जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन गजेंद्र वर्मा ने किया। इस दौरान भूमि विकास बैंक अध्यक्ष होरीलाल गंगवार, एडीओ पंचायत वीपी सिंह, यश प्रकाश, मंडल अध्यक्ष अजयवीर सिंह,प्रधान संघ अध्यक्ष सोनू कुर्मी, नरेंद्र शर्मा, कैलाश शर्मा, राजकुमारी चौहान, सचिव विशाल कुमार योगेश कुमार, प्रधानपति मुकेश कश्यप, सोमपाल गंगवार, गुड्डू वर्मा, सहित समूह की महिलाएं, बैंक प्रबंधक सहित सफाई कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

जनता के नायकों को पगड़ी और जनेऊ में न बांटें

गोष्ठी में मौजूद वक्ता। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की शहादत दिवस की पूर्व संध्या पर रविवार को पीडब्ल्यूडी के प्रेरणा सदन में 'साम्राज्यवादः कल और आज' विषय पर विचार गोष्ठी हुई।

साहित्यकार सुधीर विद्यार्थी ने कहा कि शासक वर्ग शहीदों को उनके क्रांतिकारी विचारों से काटकर उन्हें केवल प्रतीकों, पगड़ी या जनेऊ तक सीमित कर जाति-धर्म के खांचों में बांटने की कोशिश कर रहा है, । क्रांतिकारी लोक अधिकार संगठन के ललित और परिवर्तनकामी छात्र संगठन की दिशा ने युवा पीढ़ी को आगाह किया कि आज इतिहास को विकृत करने और अर्धसत्य परोसने का दौर चल रहा है। जिससे भगत सिंह की विरासत को संजोना और चुनौतीपूर्ण हो गया है।

38 साल पुरानी परंपरा ने घोली दिलों में मिठास

- मेले में मेयर ने दिया एकता का पैगाम

कार्यालय संवाददाता, बरेली

मेले में सम्मानित हुए लोगों के साथ डा. अनीस बेग व अन्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार: इस्लामिया कॉलेज के मैदान पर ऐतिहासिक 'ईद मिलन समारोह एवं मेले' की भव्य शुरुआत हुई, जिसने एक बार फिर शहर की साझी विरासत और भाईचारे की मिसाल पेश की। मुख्य अतिथि महापौर डॉ. उमेश गौतम ने कहा कि बरेली कौमी एकता की पहचान है। लगभग 38 वर्ष पहले शुरू हुए यादगार आयोजन में इस बार हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई समुदायों ने बड़ी तादाद में हिस्सा लेकर आपसी सौहार्द का पैगाम दिया।

डॉ. अनीस बेग और डॉ. विनोद पगरानी ने सभी के गले मिलकर मुबारकबाद दी और कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में 'इत्तेहाद'''' (एकता) को मजबूती मिलती है। समारोह सचिव वसी अहमद वारसी और सूफी अब्दुल वाजिद खां ने बताया कि दस दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में मुशायरा, सम्मान समारोह और क्विज जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मैदान में बच्चों के लिए झूले और खान-पान के विशेष स्टॉल लगाए गए हैं। उद्घाटन के दौरान महापौर ने सफाई व्यवस्था को लेकर नगर निगम को और बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए। ज्ञानी काल सिंह, अश्वनी ओबरॉय, फसाहत नूर खां और सलीम रज़ा आदि रहे।

महिलाओं को बताया, मुसीबत में मिलाएं हेल्पलाइन नंबर

संवाददाता, बरेली

क्योलड़िया में हुए कार्यक्रम में महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी दी।

रिठौरा में बाइक रैली निकालती महिला पुलिस कर्मी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को सशक्त और जागरूक बनाने की दिशा में सराहनीय पहल देखने को मिली। इसी क्रम में महिला सिपाहियों द्वारा बाइक रैली निकालकर समाज को महिला अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। रैली के दौरान शहर के प्रमुख मार्गों पर लोगों को सुरक्षा, सम्मान और समान अधिकारों का संदेश दिया गया।

क्योलडिया: क्योलडिया थाना परिसर में रविवार को कार्यक्रम किया गया। इसमें महिलाओं को बुलाकर उन्हें उनके अधिकारों की जानकारी दी गई। सीओ नीलेश मिश्र ने महिलाओं के प्रति संवेदनशील रहने की बात कही। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे महिला सुरक्षा को लेकर जागरूक रहें और आपात स्थिति में हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करें इसकी जानकारी भी दी गई। इस दौरान क्राइम इंस्पेक्टर शैलेंद्र कुमार, महिला उप निरीक्षक मीनाक्षी, समेत पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

रिठौरा: रिठौरा नवरात्रि में मातृशक्ति की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे विशेष मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत रविवार को क्षेत्राधिकारी नवाबगंज नीलेश मिश्र, थानाध्यक्ष हाफिजगंज प्रवीण सोलंकी के नेतृत्व में महिलाओं को जागरूक करने के लिए बाइक रैली निकाली गई। जगह-जगह मिशन शक्ति के संदर्भ में बताया गया। इस दौरान चौकी प्रभारी वैभव गुप्ता,एस आई दिनेश कुमार,आकाश चौधरी,एस आई तुलसीदास समेत महिला कांस्टेबल रूदेई,प्रिया शर्मा, कल्पना,मनु चौधरी, वर्षा,हिना,रिंकी, प्रीती शर्मा मौजूद रहीं।

आंवला: आंवला पुलिस व मिशन शक्ति टीम ने उत्कृष्ट कार्य करते हुए दो अपहृत नाबालिग बालिकाओं को सकुशल बरामद कर लिया।

अलग-अलग तिथियों में परिजनों द्वारा अपनी नाबालिग पुत्रियों के बहला-फुसलाकर ले जाने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए सर्विलांस, मुखबिर तंत्र व अन्य माध्यमों की मदद से कार्रवाई शुरू की और 22 मार्च को दोनों बालिकाओं को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। आरोपी सुशील मौर्य व ब्रजेश कश्यप की तलाश में प्रयास जारी हैं। पुलिस द्वारा उनका चिकित्सीय परीक्षण कराकर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

न्यूज डायरी

राम कथा में बताया श्री राम की मातृ व पितृ भक्ति अनुकरणीय

शेरगढ़, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव नगरिया कलां स्थित शिव मंदिर पर आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा के चौथे दिन कथावाचक विकांश पाठक ने परशुराम लक्ष्मण संवाद की कथा का मार्मिक प्रसंग सुनाया। इसके अलावा श्रीराम विवाह,श्रीराम बन गमन,दशरथ प्रतिज्ञा का प्रसंग भी सुनाया गया। इस दौरान कलाकारों द्वारा मनमोहक झांकियां प्रदर्शित की गईं जिन्हें दर्शकों ने बेहद सराहा। श्रोताओं ने प्रभु श्रीराम की आरती उतारी और सुख शांति एवं समृद्धि की कामना की। कथाव्यास ने कहा कि सभी को प्रभु श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने की आवश्यकता है। प्रभु श्री राम की पितृ एवं मातृ भक्ति अनुकरणीय है।

बरेली ने लखनऊ को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

बरेली, अमृत विचार : स्टेट फुटबॉल चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में बरेली मंडल की टीम ने लखनऊ को 3–0 से हराकर सेमी फाइनल में प्रवेश कर लिया। टीम ने पूरे मैच में आक्रामक खेल दिखाते हुए प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया। बरेली की टीम ने शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा। पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला, लेकिन कोई गोल नहीं हो सका। दूसरे हाफ में बरेली के खिलाड़ियों ने शानदार तालमेल दिखाया और मैच पर पूरी पकड़ बना ली। मैच के निर्णायक क्षणों में अनुज ने पहला गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद अमन राठौर ने दूसरा गोल दागकर स्कोर 2–0 कर दिया। अंत में एक और गोल कर बरेली ने मुकाबला 3–0 से अपने नाम कर लिया।

अवंतीबाई लोधी के पग चिन्हों पर चलने का संकल्प दोहराया

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : रविवार को एक सभा का आयोजन कर वीरांगना अवंतीबाई लोधी को याद करके उनके पग चिन्हों पर चलने का संकल्प दोहराया गया। लोधी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीताराम राजपूत और विधायक डीसी वर्मा ने कहा वीरांगना अवंतीबाई समाज की नायक थी। मध्यप्रदेश में जन्मी अवंतीबाई लोधी बचपन में घुड़सवारी और तीरंदाजी में निपुण हो गई थी। उनके पति रायगढ़ के राजा विक्रमादित्य की मृत्यु के बाद रायगढ़ की महारानी बनने के बाद उन्होंने ब्रिटिश सरकार के अन्याय के खिलाफ मोर्चा खोलकर कई बार ब्रिटिश फौज पर विजय प्राप्त की।मौजूद लोगो से अपील करते हुए कहा सभी अपने अपने बच्चों में वीरांगना अवंतीबाई के बलिदान की गाथा को सुनाकर उन्हें उनके पग चिन्हों पर चलने के लिए प्रेरणा दें।संचालन गंगा सहाय राजपूत ने किया।जिलाध्यक्ष मोतीराम वर्मा, नेतराम वर्मा, सुंदर राजपूत,वीरपाल सिंह लोधी आदि लोग मौजूद रहे।

छावनी परिषद ने पानी बचाने को किया जागरुकता कार्यक्रम

कैंट, अमृत विचार : विश्व जल दिवस के अवसर पर कैंट बोर्ड ने रविवार को सीईओ डॉ तनु जैन के मार्गदर्शन में जल संरक्षण एवं जल के महत्व के प्रति आमजन को जागरूक करने को व्यापक जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत पौधरोपण, जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जागरूकता रैली का शुभारंभ रक्षा मंत्रालय द्वारा छावनी परिषद के नामित सदस्य डॉ वैभव जायसवाल द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। रैली कैंट जनरल हॉस्पिटल से प्रारंभ होकर सदर क्षेत्र होते हुए धोपेश्वर नाथ मंदिर पर संपन्न हुई। नुक्कड़ नाटक के जरिए जल के महत्व एवं उसके संरक्षण की आवश्यकता को सरल एवं प्रेरक ढंग से दर्शाया गया। इस अवसर पर कार्यालय अधीक्षक डॉ पारस नाथ, डॉ. वंदना, मनोज कुमार तिवारी, आरएन टैगोर स्कूल के प्रधानाध्यापक और शिक्षक छात्र भी मौजूद रहे।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 23 मार्च 2026

विविध

न्यूज ब्रीफ

सौतेले पिता ने बेटी से किया दुष्कर्म, केस दर्ज

सितारगंज, अमृत विचार : सितारगंज क्षेत्र में एक सौतेले पिता द्वारा अपनी ही बेटी को हवस का शिकार बनाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी ने न केवल पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया, बल्कि वीडियो बनाकर उसे लंबे समय तक ब्लैकमेल भी किया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता के अनुसार, 2010 में पिता की मौत के बाद उसकी मां ने नानकमत्ता निवासी व्यक्ति से दूसरी शादी की थी। 2019 में मां की मौत और भाई के बाहर जाने के बाद वह घर में सौतेले पिता के साथ अकेली रह गई थी।

ऋषिकेश में तस्कर से 1.34 किलो गांजा बरामद

देहरादून, अमृत विचार : ऋषिकेश क्षेत्र में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने रविवार को एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 1 किलो 340 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार, नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत क्षेत्र में लगातार चेकिंग और दबिश की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में श्यामपुर स्थित मंशा देवी पुलिया के पास चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका गया। पूछताछ में उसने अपना नाम रामअवतार निवासी गुमानीवाला, श्यामपुर बताया। तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद प्लास्टिक के कट्टे से गांजा बरामद हुआ।

चाइनीज मांझे की चपेट में आया नेशनल खिलाड़ी

अयोध्या, अमृत विचार : जीआईसी से वजीरगंज जप्ती ओवरब्रिज पर शुक्रवार की शाम जिला रायफल क्लब से प्रशिक्षण के उपरांत स्कूटी से घर लौट रहे देवकाली निवासी शूटिंग के नेशनल खिलाड़ी सिद्धार्थ कुमार (15) चाइनीज मांझे की चपेट में आने से घायल गए। इससे उनके गले में गंभीर चोटें आई। फिलहाल इलाज के बाद वह फिर से शूटिंग रेंज में लौट चुके हैं। चाइनीज मांझे से हुए उक्त हादसे महज बानगी भर है। अयोध्या में ऐसे कई हादसे हुए हैं, जिनमें लोग गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं, कुछ का लंबे समय तक इलाज भी चला है।

घायल सिद्धार्थ।

अभावों का बैरियर पार करके आगे बढ़ रही शाहजहांपुर की बेटी, लगन से पहुंची नाट्य अकादमी, कई सीरियल में कमा चुकी नाम

अभिनय के क्षेत्र में अमृता ने बनाई पहचान, लाड़ली पूरे कर रही पापा के अरमान

राशिद हुसैन, शाहजहांपुर

- सेल्समैन पिता की बेटी अमृता भर रही कामयाबी की उड़ान
- कड़ी मेहनत-लगन से भारतेन्दु नाट्य अकादमी में चयन
- राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरुस्कार पा चुकी शाहजहांपुर की बेटी

रंगमंच पर अभिनय करतीं अमृता सिंह। ● अमृत विचार

मशहूर अभिनेता राजपाल यादव के साथ अमृता सिंह।

लखनऊ में अभिनय का डिप्लोमा प्राप्त करती अमृता सिंह।

अमृत विचार : जोरा सहगल, शबाना आजमी, नसरुद्दीन शाह, मनोज बाजपेई, पंकज त्रिपाठी, राजपाल यादव...! रंगमंच में कमाल के बाद बालीवुड में धमाल मचाने वाले कलाकारों की फेहरिस्त में कई ऐसे नाम हैं, जिनकी अदाकारी फिल्म-सीरियल की सफलता की गारंटी मानी जाती रही है। रुहेलखंड के लिए गर्व की बात है कि शाहजहांपुर की बेटी अमृता सिंह भी इस दिशा में तेजी से कदम आगे बढ़ा रही है। अभावों के घने साए ने सेल्समैन पिता की लाड़ली में ऐसा हौसला भरा है कि पढ़ाई करते-करते कई सीरियल में नाम कमा चुकी है। मेहनत व लगन से वह भारतेंदु नाट्य अकादमी लखनऊ तक भी पहुंच चुकी है।

अभियन के क्षेत्र में तेजी से उभर रही अमृता सिंह शाहजहांपुर के मोहल्ला एमन जई जलाल नगर निवासी दिलीप आनंद की बेटी है। पिता सेल्समैन हैं और परिवार किराए के छोटे से घर में रहता है। गृहस्थी का खर्च और पांच बच्चों की पढ़ाई, अमृता के पिता दिलीप आनंद और मां सीता की जिंदगी का सफर रोज के संघर्ष का साक्षी रहा है। अभावों से लड़ते हुए दिलीप आनंद ने भी रंगमंच की दुनिया हाथ आजमा चुके हैं। एक समय वरिष्ठ निर्देशक चंद्र मोहन महेंद्रू ने उनको रंगमंच से जोड़ने का काम किया था। फिर रंगकर्मी कृष्ण कुमार श्रीवास्तव कृष्णा के जरिए कोरोनेशन आर्ट थियेटर के जरीफ मलिक आनंद से उनकी मुलाकात हुई थी। अभिनय की बारीकियां सीखते-सीखते दिलीप ने दीमक, इतिहास चक्र, रामलीला, शहंशाह इडिपस जैसे मशहूर कई नाटक किए। पारिवारिक परिस्थितियां के चलते वह रंगमंच पर इससे आगे नहीं जा सके। दिलीप के सपनों में रंग भरने का काम अब उनकी बेटी अमृता सिंह करती नजर आ रही है। ग्रेजुएशन कर चुकी अमृता की रंगमंच में दिलचस्पी बचपन से ही थी। स्कूली कार्यक्रम में उसने कम उम्र में ही गजब की प्रस्तुति देकर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था। गुरु राशिद हुसैन के सानिध्य में उसकी कला निखरती रही। मंच के साथ और दर्शकों को समझने की बारीकियां सीखीं। उसे गांधी हाल जैसे मंच पर प्रस्तुति देने का अवसर मिला तो उसकी प्रतिभा को हर किसी ने सराहा था। अदाकारी में उसके प्रथम गुरु पिता दिलीप हैं, जिनकी प्रेरणा ने उसके अंदर के कलाकार को निखारने का काम किया है। अमृता का पहला नाटक 'गोदान' रहा, जिसमें उसने रूपा का किरदार निभाया था। वर्ष 2019 में अमृता ने अभिव्यक्ति नाट्य मंच से जुड़कर शमीम आजाद के निर्देशन में कई नाटकों में अभिनय किया था। मध्यम व्यायोग, हड़प्पा हाउस, फितरती चोर, किंग ईडिपस और आखिरी सलाम में भी उसकी अभिनय अदायगी ने वाहवाही लूटी।

2022 में उसका चयन भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ में हो गया। 2024 में वहां से पासआउट होने के बाद से वह अकादमी के रंगमंडल सदस्य के रूप में कार्य कर रही हैं। अमृता ने दूरदर्शन धारावाहिक 'दादी का संदूक, बेबस कानून, रेडी है रामपुरा, मुन्नी की मां राधा' में भी अभिनय दर्शकों की वाहवाही लूटी है। अमृता को अच्छे अभिनय के लिए कई बार पुरस्कार मिल चुके हैं। शाहजहांपुर से निकलकर बालीवुड में बड़ा नाम बने अभिनेता राजपाल यादव अमृता के पिता दिलीप आनंद के मित्र हैं। राजपाल कई बार अमृता का हौसला बढ़ा चुके हैं। सबको इंतजार उस दिन का है, जब शाहजहांपुर की गलियों से निकली अमृता सिंह भी अभिनय के फलक पर छाकर जिला और प्रदेश का नाम रोशन करेगी।

बीमा धोखाधड़ी गिरोह पर हाईकोर्ट ने दिखाई सख्ती

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सक्रिय है संगठित गिरोह

विधि संवाददाता, प्रयागराज

- कोर्ट ने पुलिस की जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाये

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सक्रिय एक संगठित बीमा धोखाधड़ी गिरोह के मामले में सुनवाई करते हुए पुलिस की जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए पाया कि मृतप्राय व्यक्तियों के नाम पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए विभिन्न बीमा कंपनियों से पॉलिसी हासिल कर धोखाधड़ी की जा रही है और इस आपराधिक गतिविधि में पर्याप्त रोकथाम नहीं हो पा रही है।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की खंडपीठ ने नवाब अली उर्फ नवाबुद्दीन की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया, जिन पर बीएनएस के तहत धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक साजिश के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने मृतक पॉलिसीधारक की विधवा से 9.6 लाख रुपये के बीमा भुगतान का आधा हिस्सा हड़प लिया था। मामले की सुनवाई के दौरान एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड, सिविल लाइंस मुरादाबाद के शाखा प्रमुख पुलकित गुप्ता व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए और पूर्व तिथि पर अनुपस्थिति के लिए दुर्घटना का हवाला देते हुए बिना शर्त माफी मांगी।

कंपनी की ओर से यह भी स्वीकार किया गया कि ऐसे गिरोह सक्रिय हैं, जो मृत्युशय्या पर पड़े व्यक्तियों या मृतकों के नाम पर बीमा पॉलिसी प्राप्त कर लेते हैं। यहां तक कि जांच के दौरान कंपनी के अधिकारियों को धमकाने की घटनाएं भी सामने आई हैं। कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत पुलिस रिपोर्ट में यह भी उजागर हुआ कि वादी के बैंक खाते से 4.8 लाख रुपए की राशि आरोपी की पत्नी के खाते में स्थानांतरित की गई, जबकि 10,000 की 49 बार निकासी भी दर्ज है। हालांकि अभियोजन पक्ष इन लेन-देन की स्पष्ट व्याख्या नहीं कर सका और आगे की जानकारी के लिए समय मांगा। कोर्ट ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच अधिकारी को समस्त अभिलेखों सहित अगली तिथि पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया है, साथ ही यह भी पूछा है कि क्या बीमा कंपनी के किसी कर्मचारी या अन्वेषक की संलिप्तता की जांच की गई है।

फरसा बाबा की मौत के विरोध में तोड़फोड़ 19 लोग गिरफ्तार

मथुरा, एजेंसी: जिले में शुक्रवार की रात फरसा वाले बाबा के नाम से विख्यात गोसेवक बाबा चंद्रशेखर दास की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर हंगामा करने और रास्ता जाम करने के आरोप में पुलिस ने एक शातिर अपराधी समेत 19 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि शनिवार की सुबह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जब मथुरा के तीन दिवसीय दौरे के बीच गोवर्धन में दर्शन-पूजन व परिक्रमा कर रही थीं, तभी बड़ी संख्या में बाबा चंद्रशेखर के समर्थक एवं शिष्य दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर एकत्र हो गये और रास्ता जाम कर हंगामा किया था। पुलिस की रिपोर्ट के मुताबिक आरोपियों ने न केवल अनावश्यक तौर पर राजमार्ग जाम किया, बल्कि पुलिस जब उन्हें वहां से हटाने पहुंची तो उन्होंने पथराव कर दिया जिसमें कई पुलिसकर्मी जख्मी हो गये और करीब 25 अन्य लोगों को भी चोटें आयीं।

बच्ची को गोद दिलाने के नाम पर ठगी का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी

- सेंट्रल नोएडा का मामला अस्पताल संचालक भी शामिल

सेंट्रल नोएडा जोन की बिसरख थाना पुलिस और मानव तस्करी विरोधी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में बच्ची को गोद दिलाने के नाम पर रुपये मांगने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है। पुलिस ने इस मामले में निजी अस्पताल की संचालक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि बच्ची को सकुशल बरामद कर बाल कल्याण समिति के निर्देश पर शेल्टर होम भेज दिया गया है। रविवार को पुलिस ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि मामले का खुलासा उस समय हुआ जब 21 मार्च को चाइल्ड हेल्पलाइन के माध्यम से थाना पुलिस को मानव तस्करी विरोधी सूचना मिली कि बिसरख क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में कार्यरत कर्मचारी द्वारा एक नवजात बच्ची को गोद दिलाने के नाम पर दो लाख साठ हजार रुपए की मांग की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और मानव तस्करी विरोधी एवं बिसरख थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। पुलिस टीम ने आवेदिका से संपर्क कर पूरे प्रकरण की पुष्टि की और मौके पर पहुंचकर बच्ची को सुरक्षित बरामद कर लिया। इसके बाद बाल कल्याण समिति के आदेशानुसार बच्ची को साईं कृपा शेल्टर होम में भेज दिया गया, जहां उसकी देखरेख की जा रही है।

पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है जिनकी पहचान यशिका गर्ग उम्र करीब 33 वर्ष (निजी अस्पताल की संचालक), दिल्ली शाहदरा रोहताश नगर निवासी, वर्तमान पताः पतवाड़ी, बिसरख थाना क्षेत्र, गजेन्द्र सिंह उम्र करीब 35 वर्ष (सफाई कर्मी), बुलंदशहर के ग्राम माचड़, निवासी थाना जहांगीरपुर, तीसरे रंजीत सिंह उम्र करीब 24 वर्ष (ऑपरेशन थिएटर तकनीशियन), बुलंदशहर ग्राम डिबाई खुर्द, निवासी है। बिसरख थाना में आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और धारा 80 जेजे एक्ट में मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि इस गिरोह के तार कहीं और भी जुड़े हैं या नहीं। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि गोद लेने की प्रक्रिया केवल कानूनी माध्यमों से ही पूरी करें। किसी भी अनधिकृत व्यक्ति या संस्था के झांसे में न आएं और ऐसी किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस या चाइल्ड हेल्पलाइन को दें। पुलिस मामले की विस्तृत छानबीन कर रही है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड—शाहजहाँपुर।
कार्यालय का पता— द्वितीय तल, विकास भवन, शाहजहाँपुर

पत्रांक :— 1785/ग्र0अ0वि0/निविदा/2025—26 दिनांक 14.03.26

निविदा सूचना

ई—प्रोक्योरमेन्ट नोटिस

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड—शाहजहाँपुर के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए0,बी0,सी0 एवं डी0 श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई—टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिये निविदा दे सकता है :—

01— कार्य से सम्बन्धित विवरण निम्नवत् है :—

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख मे)	धरोहर धनराशि (विड सिक्योरिटी) (रूपये मे)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी0एस0टी0 मूल्य सहित रूपये मे)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7
		मा0 सदस्य विधान परिषद, नोडल जनपद—शाहजहाँपुर (स्वीकृति की प्रत्याशा में)				
1	शाहजहाँपुर	ग्राम धन्यौरा विकास खण्ड ददरौल में चन्द्रभान के मकान से कुनेडर के मकान तक इण्टरलॉकिंग कार्य के स्थान पर वास्तवित कार्य श्री हरिनाम सिंह के मकान से गौशाला की ओर इण्टरलॉकिंग कार्य	24.64	49,300.00	2354.00	04 माह
2	शाहजहाँपुर	ग्राम धन्यौरा विकास खण्ड ददरौल में प्रेमराज के मकान से घनश्याम के मकान इण्टरलॉकिंग कार्य।	14.65	29300.00	854.00	04 माह
3	शाहजहाँपुर	ग्राम धन्यौरा विकास खण्ड ददरौल में वालिस्टर के मकान से श्रीकृष्ण के मकान तक 140 मी0 इण्टरलॉकिंग कार्य।	11.13	22300.00	854.00	04 माह
4	शाहजहाँपुर	ग्राम धन्यौरा विकास खण्ड ददरौल में राजेन्द्र के मकान से बलवंत के मकान तक 150 मी0 इण्टरलॉकिंग कार्य।	14.12	28300.00	854.00	04 माह
5	शाहजहाँपुर	ग्राम मोहनपुर ममरेजपुर विकास खण्ड कांट में राम प्रकाश के यहाँ से जाटव मोहल्ला होते हुये पटियारी मार्ग तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	11.34	22700.00	854.00	04 माह
		विधायक निधि क्षेत्र शाहजहाँपुर				
6	शाहजहाँपुर	मो0 वीबी0 हद्दफ में कप्तान के मकान से जे0ए0 गौतम के मकान एवं नरेश सक्सेना के मकान से सत्यम कोचिंग तक 240.00 मी0 सड़क/नाली व पुलिया निर्माण	11.01	22100.00	854.00	04 माह
7	शाहजहाँपुर	ग्राम पिपरिया सडक वि0ख0 भावलखेडा से निरस्त किये गये शवदाह गृह (अन्त्येष्टि स्थल) के स्थान पर ग्राम रोशननगर वि0ख0 भावलखेडा में एक शवदाह गृह (अन्त्येष्टि स्थल) का निर्माण	14.16	28400	854.00	04 माह

02—बेव साइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि :— 25.03.2026 को दोपहर 12.00 बजे से।
03—विड डाक्यूमेन्ट डाउनलोडिंग प्रारम्भ करने की तिथि एवं समय 25.03.2026 को प्रातः 12.00 बजे से।
04—ई—निविदा के माध्यम से निविदा डालने की प्रारम्भ तिथि/समय 25.03.2026 को प्रातः 12.00 बजे से।
05—ई—निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिये अन्तिम तिथि/समय 16.04.2026 को अपरान्ह 4.00 बजे तक।
06—ई0—निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 16.04.2026 को अपरान्ह 4.30 बजे।
07—टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ पत्र मान्य नहीं होगा।
08—निविदा की ऑन लाईन वेब साइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगा एवं उसी साइट पर डाला जायेगा।
09—निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लाज के अनुसार पृविष्टि/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है, जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जायेगा। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई—निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।अधिक जानकारी के लिये कृपया वेब साइट https://etender.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें, सभी सम्भावित निविदादाता को सलाह है कि वह बिड सब्मिट करने से पूर्व बिड डाक्यूमेन्ट को भली भांति पढ लें।

(इं0 सतीश चन्द्र राघवेन्द्रम)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड—शाहजहाँपुर
राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से

UP - 248667 दिनांकः 20/03/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

नशा माफिया की 6.70 करोड़ संपत्ति होगी कुर्क

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : नशा माफियाओं के खिलाफ आर्थिक तंत्र तोड़ने की मुहिम को चलाते हुए पुलिस ने रिफाकत और संजय को चिह्नित कर लिया है और लिखत पढ़त करने के बाद 6.70 करोड़ की अकूत संपत्ति को चिह्नित कर कुर्क करने की कार्रवाई भी शुरू कर दी है। पुलिस का मानना है कि माफियाओं को जेल की सलाखों के पीछे धकेलने के बाद अब आर्थिक तंत्र भी तोड़ना बेहद जरुरी है।

बताते चलें कि एक जनवरी 2025 को थाना पुलभट्टा पुलिस ने मुठभेड़ के बाद 1060 ग्राम स्मैक के साथ नशा माफिया रिफाकत को पकड़ा था। इसके अलावा 11 अप्रैल 2025 को रुद्रपुर पुलिस ने गांजा माफिया संजय गुप्ता की गिरफ्तारी की थी। न्यायालय में पेश करने के बाद नशा माफियाओं की आर्थिक स्थिति को ध्वस्त करने के लिए एसएसपी अजय गणपति कुंभार ने ऑपरेशन आर्थिक तंत्र चलाने का निर्णय लिया और रिफाकत और संजय गुप्ता को चिह्नित करते हुए संपत्ति जांच रिपोर्ट तैयार करवाई। तो पता चला कि रिफाकत ने स्मैक का धंधा कर 3.70 करोड़ रुपये, जबकि गाजा माफिया संजय गुप्ता ने तीन करोड़ की अकूत संपत्ति इकट्ठा की है।

गैंग सरगना सहित तीन गिरफ्तार 12 देशी बम कारतूस बरामद

मुरादाबाद, अमृत विचार: थाना कटघर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 12 देशी बम, तीन तमंचे, भारी मात्रा में कारतूस व खोखा बरामद किए हैं।

रविवार को एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने भारी मात्रा में अवैध शस्त्र कारतूस, देसी बम और विस्फोटक हथगोले बनाकर सप्लाई करने वाले गैंग का पर्दाफाश किया। उन्होंने बताया कि कटघर क्षेत्र में शनिवार की देर रात कटघर प्रभारी निरीक्षक शैलेंद्र सिंह को गश्त के दौरान डबल फाटक से पहले रेलवे लाइन के पास कुछ संदिग्ध व्यक्तियों के खड़े होने की सूचना मिली थी।

फर्जी आईएएस की ठगी का शिकार हुआ परिवार

गोरखपुर, एजेंसीः जिले में एक व्यक्ति ने खुद को भारतीय प्रशासनिक अधिकारी (आईएएस) बताकर एक युवती से शादी की और दहेज में मिले लाखों रुपये ऐंठ कर फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने दर्ज शिकायत के हवाले से बताया कि इटावा के रहने वाले प्रीतम कुमार निषाद ने एक मैट्रिमोनियल ग्रुप पर अपनी पहचान आईएएस अधिकारी के तौर पर बतायी थी।

शिकायतकर्ता ने बताया कि गोरखपुर निवासी एक परिवार ने अपनी बेटी की शादी के लिये रिश्ता भेजा था और इसी महीने 11 मार्च को नंदनगर के एक बारात घर में उनकी शादी हुई थी। पुलिस ने शिकायत के हवाले से बताया कि आरोप है कि निषाद ने वधु पक्ष को विश्वास में लेने के लिये अपने साक्षात्कार की कथित वीडियो क्लिप, कार्यालय के वीडियो और कुछ राजनेताओं के साथ अपनी तस्वीरें साझा की थीं।

पुलिस के मुताबिक निषाद ने पहले तो बिना दहेज के शादी करने की बात कही थी लेकिन सगाई से कुछ ही दिन पहले उसने वधु पक्ष से 15 लाख रुपये की मांग की, जिस पर उसे सगाई के दिन 10 लाख और शादी के दिन पांच लाख रुपये दिये गये।

कार्यालय ग्राम पंचायत रुस्तम नगर विकास खंड शेरगढ़ बरेली

निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मों व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत रुस्तम नगर में मनरेगा योजना के अन्तर्गत निर्माण कार्य हेतु स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

सामग्री विवरण : ईट रेता बजरी बजरफुट सीमेंट रोड़ी पन्नी ब अन्य सामग्री जब प्राक्कलन में लिखित है।

कार्य विवरण –

1. अहमद अली के घर से छोटे खा के घर तक सीसी रोड ब नाली निर्माण कार्य, 130 मीटर अनुमानित लंबाई, अनुमानित लागत 680000/–
2. राजेंद्र जाटव के घर से हरिराम जाटव के घर तक सीसी रोड पर नाली निर्माण कार्य, अनुमानित लंबाई 100 मी, अनुमानित लागत 480000

उक्त कार्यो की सीलबंद निविदाएं 22.03.2025 से 25.03.2025 को 3:00 तक आमंत्रित की जाती है जो 25.03.2025 को शाम 04 बजे पंचायत घर कार्यालय पर खोली जायेंगी।

ग्राम प्रधान मनीषा गंगवार सचिव श्री कृष्णा

कार्यालय ग्राम पंचायत जलालपुर विकास खण्ड-बांकेगंज जनपद-लखीमपुर खीरी

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत अधिकृत फर्मों, पंजीकृत विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत जलालपुर में वर्ष 2026–27 में अस्थाई गौशाला जलालपुर में पशुओं के खाने हेतु भूसा, साइलस, हरा चारा तथा संतुलित पशु आहार क्रय की सीलबंद निविदाएं दिनांक 23.03.2026 से 30.03.2026 अपरान्ह 2 बजे तक ग्राम पंचायत कार्यालय में नियत तिथि व समय तक डाली जा सकती है। मोहरबंद निविदा उसी दिन 4 बजे निविदादाता व उसके प्रतिनिधि के समक्ष सार्वजनिक रूप से ग्राम पंचायत समिति अध्यक्ष महोदय की अध्यक्षता में शाम 4 बजे खोली जायेगी।

सामग्री मानक के अनुसार न होने पर आपूर्ति आदेश पूर्ण/आंशिक निरस्त कर दिया जायेगा। अधोहस्ताक्षरी को यह अधिकार होगा कि बिना कारण बताये किसी भी अथवा समस्त निविदाओं को पूर्ण अथवा आंशिक निरस्त किया जा सकता है। भूसा, साइलस, हरा चारा तथा संतुलित पशु आहार उपलब्धता के अनुसार जारी किया जायेगा।

क्र. सं.	गौवंश आश्रय स्थल का नाम	संरक्षित पशुओं की संख्या	भूसा, साइलेस, हरा चारा तथा संतुलित पशु आहार की मात्रा (कुन्टल में)
1.	जलालपुर	166	मांग के अनुसार

नजमा-ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत जलालपुर विकास खण्ड-बांकेगंज
जनपद-लखीमपुर (खीरी)

बृजेश कुमार सबिता-सचिव
ग्राम पंचायत जलालपुर विकास खण्ड-बांकेगंज
जनपद-लखीमपुर (खीरी)

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में सभी मंदिरों में होंगे ध्वजारोहण

अयोध्या कार्यालय

मणिराम दास छावनी में राम मंदिर संबंधित बैठक करते हुए ट्रस्टी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने अन्य मंदिरों पर भी ध्वजारोहण की तिथियां तय कर दी हैं। श्रीरामनवमी के पूर्व से पश्चात तक शेष मंदिरों में ध्वजारोहण कर लिया जाएगा। यह निर्णय श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की एक दिवसीय बैठक में लिए गए हैं। यह भी तय किया गया है कि उपमंदिरों के ध्वजारोहण कार्यक्रम में मंदिर आंदोलन के बड़े चेहरे शामिल किए जाएंगे, जिसमें भाजपा के फायरब्रांड नेता व बजरंग दल के संस्थापक विनय कटियार व अन्य प्रमुख रूप से शामिल किए गए हैं।

महासचिव चंपतराय ने बताया कि श्रीराम मंदिर के मुख्य शिखर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और माता अन्नपूर्णा मंदिर पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के द्वारा ध्वजारोहण संपन्न किया जा चुका है। इसके बाद अब शेष छह उपमंदिरों पर भी ध्वजारोहण की तैयारियां हैं। जिन उपमंदिरों पर ध्वजारोहण होना है, उनमें भगवान सूर्य, माता भगवती, शिवलिंग, गणपति, शेषावतार और हनुमान जी के मंदिर शामिल हैं। इनमें मुख्य रूप से हनुमान जी के मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण का विशेष आयोजन 2 अप्रैल हनुमान जयंती को किया जाएगा। वहीं अन्य पांच उपमंदिरों पर 23 से 31 मार्च के बीच आयोजन संपन्न होंगे। इसके लिए ट्रस्ट सामान्य रूप से समिति लोगों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न करेगा। प्रत्येक आयोजन में लगभग 50 संत, 50 गृहस्थ श्रद्धालु और इंजीनियर व श्रमिकों सहित करीब 200 लोग शामिल रहेंगे।

वहीं दो अप्रैल को हनुमान जयंती पर हनुमान जी के मन्दिर पर ध्वज आरोहित करने के लिए कुछ विशेष अतिथियों को आमंत्रित किया जाएगा,

ब्रीफ न्यूज

नेपाल में नदी में तैरते समय दो भारतीय किशोर बहे

काठमांडू। नेपाल के पाल्पा जिले में रविवार को एक नदी में तैरते समय दो भारतीय किशोर कथित तौर पर बह गए। सरकारी अखबार गोरखापत्र ने पल्पा जिला पुलिस सूत्रों के हवाले से खबर दी कि उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर के रहने वाले 17 वर्षीय फरान अंसारी और अमन अंसारी तिनाऊ नदी में तैरते समय बह गए। जिला पुलिस कार्यालय के सूचना अधिकारी होम प्रकाश चौधरी ने बताया कि दोनों किशोर भारत से आए सात लोगों के एक समूह का हिस्सा थे, जो तानसेन नगरपालिका के तिनाऊ नदी तट पर आए थे। उन्होंने बताया कि दोनों नदी के बहाव में बह गए। तलाशी अभियान शुरू किया गया लेकिन रविवार शाम तक कोई सफलता नहीं मिली।

भाजपा के वरिष्ठ नेता दत्ता मेघे का निधन

नागपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता दत्ता मेघे का रविवार शाम 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके करीबी सहयोगी और नागपुर के पूर्व उप महापौर रघुनाथ मालिकर ने यह जानकारी दी। मेघे, हिंगणा के विधायक समीर मेघे और पूर्व विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सागर मेघे के पिता हैं। दत्ता मेघे नागपुर, रामटेक और वर्धा से चार बार कांग्रेस के लोकसभा सदस्य रहे और 2002 से 2008 तक राज्यसभा सदस्य भी रहे। वे शरद पवार के नेतृत्व वाली (अविभाजित) राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के सदस्य थे, जिसका गठन 1999 में हुआ था। वह 2014 में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। उनके परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटे, दो बेटियां और पोते-पोतियां हैं।

तुर्किये में विस्फोट, दो इमारतें ढहीं, एक मरा

इस्तांबुल। तुर्किये में इस्तांबुल के फातिह जिले में प्राकृतिक गैस विस्फोट के कारण रविवार को दो इमारतें ढह गईं। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस्तांबुल के गवर्नर दावुत गुल ने बताया कि तलाश और बचाव दल ने 10 घायलों को ढही इमारतों के मलबे से बाहर निकाला जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। गुल ने विस्फोट स्थल का दौरा किया और अस्पताल में भर्ती कराए गए लोगों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। ढह गई इमारतों में से एक दो मंजिला थी जबकि दूसरी एक मंजिला थी।

डीएल टेस्ट सेंटर में आग, रिकॉर्ड खाक

होशियारपुर। पंजाब में होशियारपुर के टांडा रोड स्थित ऑटोमेटेड ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट सेंटर के कार्यालय में रविवार को भीषण आग लग गई। इस घटना में कार्यालय का फर्नीचर, कंप्यूटर और महत्वपूर्ण सरकारी रिकॉर्ड जलकर खाक हो गए हैं। संदेह है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है। आग की भीषण लपटों ने आफिस में प्लाईवुड के काउंटरों, कंप्यूटर सिस्टम और कार्यालय के रिकॉर्ड के एक बड़े हिस्से को राख में बदल दिया।

जेलों में स्वीकृत संख्या से अधिक कैदी रखने को क्या कदम उठाए

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों से तलब की रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे जेलों से संबंधित अद्यतन जानकारी 18 मई तक उपलब्ध कराएं, जिसमें प्रत्येक जेल में कैदियों की स्वीकृत संख्या और क्षमता से अधिक कैदी रखने से रोकने के लिए उठाए गए कदम शामिल हों।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से यह भी कहा कि वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्रों में महिला जेलों की संख्या और उनमें उपलब्ध सुविधाओं का ब्योरा दें। पीठ ने कहा कि साथ ही महिला कैदियों के साथ रहने वाले बच्चों की शिक्षा और समग्र कल्याण के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी भी दें।

पीठ ने कहा कि जेलों में अमानवीय परिस्थितियों से जुड़े स्वतः संज्ञान मामले में न्यायालय की सहायता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल ने अदालत का ध्यान इस ओर दिलाया है कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा प्रस्तुत आंकड़े 2023 के हैं। पीठ ने कहा कि मामले की प्रकृति और प्रभावी निर्णय के लिए अद्यतन और समकालीन आंकड़ों का उपलब्ध होना अत्यंत आवश्यक है।

उच्चतम न्यायालय ने 17 मार्च को पारित अपने आदेश में कहा कि अतः हम यह उचित समझते हैं कि सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने-अपने अधिकार क्षेत्र की सभी जेलों से संबंधित अद्यतन और व्यापक आंकड़े रिकॉर्ड पर प्रस्तुत करें। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि इन आंकड़ों में प्रत्येक जेल की क्षमता, कुल कैदियों की संख्या, हर जेल में भीड़भाड़ का प्रतिशत, इसे कम करने के प्रस्तावित उपाय, महिला जेलों का विवरण, महिला कैदियों और उनके साथ रहने वाले बच्चों के लिए उपलब्ध सुविधाएं (शैक्षिक और चिकित्सीय सुविधाएं सहित), जेल कर्मचारियों की स्वीकृत संख्या, मौजूदा रिक्तियां और उन्हें भरने के लिए उठाए गए कदम तथा जेल प्रशासन से जुड़े अन्य सभी पहलू शामिल होने चाहिए। पीठ ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि वे एक मार्च 2026 तक प्रत्येक जेल की स्वीकृत क्षमता और उसमें बंद कैदियों की कुल संख्या का पूरा विवरण प्रस्तुत करें। शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्य और केंद्र शासित प्रदेश 18 मई तक अपने-अपने गृह सचिव द्वारा सत्यापित विस्तृत हलफनामे दाखिल करेंगे, जिनमें आवश्यक जानकारी दी जाएगी। मामले की अगली सुनवाई 26 मई को तय की गई है।

- महिला जेलों की संख्या और उनमें उपलब्ध सुविधाओं का ब्योरा भी मांगा गया

कॉलेजियम प्रणाली फिलहाल सबसे उपयुक्त

बेंगलुरु। देश के पूर्व प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी आर गवई ने रविवार को कहा कि कम से कम फिलहाल के लिए कॉलेजियम प्रणाली भारत के लिए सबसे उपयुक्त है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सरकार को अदालतों में लंबित मामलों को कम करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय मुकदमा नीति पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन -2026 के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे, जिसका शीर्षक था न्यायिक शासन की पुनर्कल्पना: लोकतांत्रिक न्याय के लिए संस्थानों को मजबूत करना। गवई ने कहा कि कॉलेजियम के कामकाज के संबंध में एक मुद्दा उठाया गया था। मैं यह नहीं कहूंगा कि कॉलेजियम प्रणाली एक त्रुटिहीन प्रणाली है। कोई भी प्रणाली परिपूर्ण नहीं हो सकती। हर प्रणाली के अपने फायदे और नुकसान होते हैं।

पूरक मतदाता सूची से पहले बंगाल अलर्ट पर

कोलकाता। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत पहली पूरक मतदाता सूची के सोमवार को जारी होने की संभावना के मद्देनजर राज्य प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका के चलते सभी थानों और पुलिस प्रशासन को हाई अलर्ट पर रखा है। राज्य के गृह विभाग ने जिलाधिकारियों को विशेष रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ाने का निर्देश दिया है। विभाग ने सभी थानों को सरकारी कार्यालयों में भीड़ संभालने के लिए पर्याप्त पुलिस तैनाती का इंतजाम करने और किसी भी व्यवधान को रोकने के लिए कानून लागू करने वाले वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समन्वय बनाये रखने को भी कहा है। मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय ने सोमवार को अनुपूरक मतदाता सूची जारी होने की पुष्टि की है।

इस सूची से बड़ी संख्या में मतदाताओं को लेकर बनी अनिश्चितता दूर होने की उम्मीद है। इससे पहले 28 फरवरी को जारी अंतिम एसआईआर सूची में 60 लाख से अधिक नामों को विचाराधीन श्रेणी में रखा गया था, जिससे उनकी स्थिति अनसुलझी रह गयी थी।

असम पुलिस के शिविर पर हुआ उग्रवादी हमला

तिनसुकिया (असम), एजेंसी

- तिनसुकिया जिले में हुए हमले में चार पुलिसकर्मी घायल

तिनसुकिया जिले में शनिवार देर रात असम पुलिस कमांडो शिविर पर उग्रवादी हमले में कम से कम चार सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि हमले के जिम्मेदार लोगों को पकड़ने के लिए अभियान शुरू किया गया है।

यूनाईटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडिपेंडेंट) (उल्फा आई) ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा है कि उसके खिलाफ असम पुलिस की ओर से बार-बार की गई कार्रवाई और पिछले साल सेना द्वारा उसके शिविरों पर कथित रूप से किये गये ड्रोन हमले के बदले में जागुन क्षेत्र में उसने ऑपरेशन बुजोनी चलाया। यह हमला नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले हुआ है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह हमला रात में करीब ढाई बजे हुआ। उन्होंने बताया कि उग्रवादियों ने शिविर पर कई रॉकेट-चालित ग्रेनेड (आरपीजी) दागे, जिनमें से पांच फटे। उन्होंने बताया कि शिविर में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल जवाबी कार्रवाई की जिसके परिणामस्वरूप कुछ देर तक मुठभेड़ चली। पुलिस अधिकारी ने संदेह जताया है कि यह हमला सात सदस्यीय एक गिरोह ने किया जो अंधेरे का फायदा उठाकर अरुणाचल प्रदेश से लगती सीमा पार कर भाग गया। हमले में घायल हुए चार सुरक्षाकर्मियों को डिब्रूगढ़ के असम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया।

उल्फा आई ने ली हमले की जिम्मेदारी

उल्फा (आई) ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि उसने ऑपरेशन बुजोनी चलाया। उग्रवादी संगठन ने दावा किया कि 2021 में हिमंत विश्व शर्मा सरकार के सत्ता में आने के बाद उसके शांति प्रयासों के प्रति सद्भावना के तौर पर उसने असम पुलिस के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की थी। लेकिन सुरक्षा एजेंसियों ने उसके नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों को निशाना बनाया।

माओवादियों की तमंचा फैक्टरी का किया भंडाफोड़

फूलबाणी। सुरक्षा बलों ने एक अभियान के दौरान ओडिशा के कंधमाल जिले में कथित तौर पर माओवादियों द्वारा संचालित तमंचा बनाने वाली एक फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। बल्लीगुडा के उपसंभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) शुभम भोसले ने बताया कि जिले के बल्लीगुडा में तैनात बीएसएफ के कर्मियों ने शनिवार को बामुनिगांव थाना क्षेत्र के पनास्पदर गांव में छापेमारी अभियान के दौरान इस फैक्टरी का पता लगाया। बीएसएफ कर्मियों ने मौके से कुछ तैयार बंदूक, बैरल, कटर और बंदूक निर्माण के अन्य पुर्जे जब्त किए। पुलिस ने बताया कि कंधमाल जिले के दरिंगबाड़ी, कोटागढ़, तुमुदीबांधा, बामुनिगाम और अन्य थाना क्षेत्रों में पिछले सप्ताह से ही तलाशी अभियान तेज कर दिया गया था, ताकि केकेबीएन समूह से जुड़े कट्टर माओवादी सुक्रू और उसके साथियों को पकड़ा जा सके।

रेलवे ने बढ़ाया लोको पायलट, गार्ड का भत्ता

नई दिल्ली, एजेंसी

- किलोमीटर के आधार पर तय किया गया भत्ता

रेलवे ने लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, गार्ड के लिए किलोमीटर भत्ते और किलोमीटर भत्ते के बदले मिलने वाले भत्ते (एएलके) की दरों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। रेल मंत्रालय ने रविवार को बताया कि इस कदम का उद्देश्य कर्मचारियों के कल्याण को मजबूत करना और उन अग्रिम पंक्ति के कर्मियों के पारिश्रमिक में सुधार करना है, जो देश के रेल नेटवर्क के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करते हैं।

बढ़ी हुई दरें जनवरी, 2024 से प्रभावी होंगी। इससे हजारों लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, गार्ड, दमकलकर्मी और अन्य परिचालन कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस संशोधन में लोको रनिंग स्टाफ और ट्रैफिक रनिंग स्टाफ दोनों को शामिल किया गया है। ये कर्मचारी ट्रेनों को चौबीसों घंटे चालू रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रेलवे के अनुसार नए ढांचे के तहत, सभी श्रेणी के लोको पायलट (मेल, पैसेंजर, गुड्स और शंटिंग) के साथ-साथ सहायक लोको पायलट और दमकलकर्मी को हर 100 किमी पर ज्यादा किलोमीटर भत्ता और हर 160 किमी पर उसके हिसाब से एएलके मिलेगा। इससे परिचालन ड्यूटी से होने वाली कमाई में काफ़ी बढ़ोतरी होगी। इसी तरह, ट्रैफिक रनिंग स्टाफजिसमें मेल/एक्सप्रेस गार्ड, पैसेंजर और गुड्स गार्ड, साथ ही सहायक गार्ड और ब्रेकसमैन (जिन्हें अब ट्रेन मैनेजर कहा जाता है) को भी नई दरों का फायदा मिलेगा। रेलवे को उम्मीद है कि इस कदम से मुश्किल ट्रेन परिचालन में लगे कर्मचारियों को आर्थिक मदद मिलेगी, और उनका वेतन मौजूदा महँगाई भत्ते के हिसाब से तय होगा।

हिमंत सरकार की मंत्री नंदिता कांग्रेस में हुईं शामिल

गुवाहाटी। असम की हिमंत विश्व शर्मा सरकार में मंत्री नंदिता गरलोसा रविवार को कांग्रेस में शामिल हो गईं। गरलोसा ने यह कदम विधानसभा चुनाव में भाजपा से टिकट नहीं मिलने के बाद उठाया।

कांग्रेस द्वारा जारी बयान के मुताबिक गरलोसा आसन्न असम विधानसभा चुनाव में दिमा हसाओ जिले के हाफलोंग जिले से पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ेंगी। कांग्रेस ने पहले इस सीट से अपने राज्य इकाई के महासचिव निर्मल लंगथासा को मैदान में उतारा था। लेकिन उन्होंने 'व्यापक जनहित' में गरलोसा को पार्टी का टिकट देने पर सहमति जताई है।

पार्टी ने एक बयान में कहा, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि नंदिता गरलोसा कांग्रेस में शामिल हो गई हैं। वह पिछले पांच वर्षों से दीमा हसाओ की आवाज रही हैं और उन्होंने हमेशा अपने विश्वासों तथा सिद्धांतों के लिए दृढ़ता से खड़ी रही हैं।

सजा राम दरबार...

रामनवमी पर्व के लिए हैदराबाद में राम दरकार की मूर्तियों को अंतिम रूप देता कलाकार।

कार चालक ने सिपाही को बोनट पर घसीटा

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली के जनकपुरी इलाके में तलाशी के दौरान का वाकया

पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी में शराब पीकर गाड़ी चलाने को लेकर नियमित जांच के दौरान एक कार से टक्कर लगने से एक ट्रैफिक कांस्टेबल घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, यह घटना शनिवार शाम करीब 5:52 बजे लाल साईं मार्ग पर भारती कॉलेज के पास घटित हुई, जहां उप निरीक्षक (एसआई) गुरदीप सिंह और कांस्टेबल मोहन पाल शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ एक विशेष अभियान चला रहे थे।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि टीम ने शक के आधार पर राजस्थान रजिस्ट्रेशन नंबर वाली एक सैंट्रो कार को रुकने का इशारा किया था, तो कार चालक ने भागने की कोशिश की। काल चालक की पहचान द्वारका के बगडोला निवासी नीलेश कुमार के रूप में हुई है। इस दौरान वह कार पर नियंत्रण खो बैठा और और सीधे कांस्टेबल से जा टकराया। टक्कर लगने से कांस्टेबल कार के बोनट पर जा गिरा और कई मीटर तक घिसटता रहा, जिसके बाद वह सड़क पर जा गिरा। अधिकारी ने बताया, वहां मौजूद लोगों की मदद से यातायात कर्मियों ने गाड़ी को रोकने में कामयाबी हासिल की। इसके बाद कार को मौके पर ही जब्त कर लिया गया। कुछ ही दिन पहले भी इसी तरह का मामला तमिलनाडु में सामने आया था।

रूस और यूक्रेन के हमलों में चार लोगों की मौत

कीव। रूस और यूक्रेन द्वारा शनिवार को किये गए हमलों में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। यह हमले युद्ध समाप्त करने के तरीके को लेकर अमेरिका-यूक्रेन वार्ता से पहले हुए।

क्षेत्रीय प्रमुख इवान फेडोरोव ने बताया कि यूक्रेन के जापोरिजिया शहर में एक मकान पर एक रूसी ड्रोन हमला किए गए हमले में एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गई जबकि दो बच्चों सहित छह लोग घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, रूसी हमलों के कारण उत्तरी यूक्रेन के चेर्निहिव क्षेत्र के अधिकतर हिस्से में बिजली आपूर्ति गुल हो गई। रूस के गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लाडकोव ने बताया कि बेलगोरोड सीमा क्षेत्र में यूक्रेनी गोलाबारी में दो महिलाओं की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गई।

हिंदुओं पर पाकिस्तानी अत्याचार नरसंहार घोषित हों

वाशिंगटन, एजेंसी

- प्रतिनिधि सभा में अमेरिकी सांसद ग्रेग लैंड्समैन ने रखा प्रस्ताव

अमेरिकी सांसद ग्रेग लैंड्समैन ने प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें मांग की गयी है कि पाकिस्तान की सेना और उसके सहयोगी संगठन जमात-ए-इस्लामी द्वारा 25 मार्च 1971 को बंगाली हिंदुओं के खिलाफ किए गए अत्याचारों को युद्ध अपराध और नरसंहार माना जाए।

ओहायो से डेमोक्रेट सांसद लैंड्समैन ने शुक्रवार को यह प्रस्ताव पेश किया, जिसे अब विदेश मामलों की समिति को भेज दिया गया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि 25 मार्च 1971 की रात पाकिस्तान सरकार ने शेख मुजीबुर रहमान को गिरफ्तार कर लिया और उसकी सेना ने जमात-ए-इस्लामी की विचारधारा से प्रेरित उग्र इस्लामी समूहों के साथ मिलकर पूर्वी पाकिस्तान में ऑपरेशन सर्चलाइट नाम से एक व्यापक दमन अभियान शुरू किया, जिसमें नागरिकों का बड़े पैमाने पर नरसंहार किया गया। इसमें यह भी कहा गया है कि 28 मार्च 1971 को ढाका में अमेरिका के महावाणिज्य दूत आर्चर ब्लड ने वाशिंगटन को चुनिंदा नरसंहार शीर्षक से एक टेलीग्राम भेजा था, जिसमें उन्होंने लिखा था, पाकिस्तानी सेना के समर्थन से गैर-बंगाली मुसलमान गरीब बस्तियों पर संगठित हमले कर रहे हैं और बंगालियों तथा हिंदुओं की हत्या कर रहे हैं। लैंड्समैन ने प्रस्ताव में कहा कि छह अप्रैल 1971 को आर्चर ब्लड ने अमेरिकी सरकार की चुप्पी पर आपत्ति जताते हुए एक संदेश भेजा था, जिस पर ढाका वाणिज्य दूतावास के 20 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे। इसे बाद में ब्लड टेलीग्रामके नाम से जाना गया। उस टेलीग्राम में कहा गया था लेकिन हमने इस आधार पर हस्तक्षेप न करने का फैसला किया है कि अवामी संघर्ष, जिसमें दुर्भाग्यवश नरसंहार शब्द लागू होता है, एक संप्रभु देश का आंतरिक मामला है।

लैंड्समैन के प्रस्ताव में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से आग्रह किया गया है कि वह 25 मार्च 1971 को बांग्लादेश के लोगों के खिलाफ पाकिस्तानी सशस्त्र बलों द्वारा किए गए अत्याचारों की निंदा करे।

डिजिटल अरेस्ट: कारोबारी से 15 करोड़ रुपये की ठगी

बेलगावी (कर्नाटक), एजेंसी

- सीबीआई अधिकारी बनकर 81 वर्ष के बुजुर्ग को जाल में फंसाया

बेलगावी में जालसाजों ने सीबीआई अधिकारी बनकर 81 वर्षीय एक व्यवसायी पर आर्थिक अपराध में संलिप्तता का आरोप लगाया और डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी के माध्यम से उससे 15 करोड़ रुपये की ठगी कर ली।

अधिकारियों के अनुसार, वरिष्ठ नागरिक को लगभग छह सप्ताह तक वीडियो कॉल सहित कई कॉल प्राप्त हुए। जालसाजों ने दावा किया कि उस व्यक्ति को 25 लाख रुपये के धनशोधन के लिए पांच लाख रुपये का कमीशन मिला था और उसके खिलाफ अवैध आर्थिक गतिविधियों के लिए शिकायतें दर्ज की गई हैं। धनशोधन के मामले में गिरफ्तार करने की धमकी देकर जालसाजों ने पीड़ित को अपने खाते और वित्तीय विवरण उनके साथ साझा करने और पैसे को कथित तौर पर सुरक्षित या सरकारी खाते में स्थानांतरित करने के लिए मजबूर किया। उन्होंने उसे आश्वासन दिया कि जांच के बाद राशि वापस कर दी जाएगी।

पीड़ित को संदेह हुआ तो उसने पिछले सप्ताह पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामले की जांच करने वाले 'साइबर, इकोनॉमिक एंड नारकोटिक्स' (सीईएन) थाने के अधिकारियों ने उस खाते का पता लगाया जिसमें पैसा हस्तांतरित किया गया था और केवल 90 लाख रुपये बरामद किए। बेलगावी के पुलिस आयुक्त ने दोषियों का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए विशेष टीम का गठन किया है।

साइबरबुलिंग पर चिंता | यूनेस्को के वैश्विक शिक्षा निगरानी दल की रिपोर्ट में किया गया दावा

दुनिया के आधे से अधिक देशों में स्कूलों में फोन के इस्तेमाल पर पाबंदी

नई दिल्ली, एजेंसी

यूनेस्को के वैश्विक शिक्षा निगरानी (जीईएम) दल ने बताया कि कक्षाओं में ध्यान केंद्रित करने में कमी और ऑनलाइन माध्यम से धमकाए जाने (साइबरबुलिंग) के मामलों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आधे से अधिक देशों ने स्कूलों में फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। दल ने पाया कि सोशल मीडिया के उपयोग से खान-पान संबंधी विकार से पीड़ित होने की संभावना लड़कों की तुलना में लड़कियों में दोगुना होती है। फेसबुक के एक शोध के अनुसार, इंस्टाग्राम के उपयोग के बाद 32 प्रतिशत किशोरियों में अपने शरीर को लेकर असंतोष की भावना बढ़ गई।

रिपोर्ट में टिकटॉक के एल्गोरिदम को लेकर चिंताजनक रुझानों का जिक्र करते हुए कहा गया है कि यह किशोरों को हर 39 सेकंड में ''शारीरिक छवि'' से जुड़ी सामग्री दिखाता है और हर आठ मिनट में खान-पान से जुड़े विकारों से संबंधित सामग्री दिखाता है। जीईएम के एक वरिष्ठ सदस्य ने बताया कि हालिया वैश्विक निगरानी से पता चलता है कि फिलहाल 114 शिक्षा प्रणालियों में स्कूलों में मोबाइल फोन पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंध लागू है, जो दुनिया के 58 प्रतिशत देशों का प्रतिनिधित्व करता है। यह विस्तार काफी तेज रहा है। जून 2023 में, जब 2023 की जीईएम रिपोर्ट में पहली बार इसका आकलन किया गया था, तब 24 प्रतिशत से भी कम देशों में ऐसे प्रतिबंध थे। वर्ष 2025 की शुरुआत तक यह बढ़कर 40 प्रतिशत हो गया और मार्च 2026 तक इस आंकड़े में लगभग 20 प्रतिशत और बढ़ोतरी हो गई।

अधिकारी ने कहा कि स्कूलों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाए जाने के मामलों में बढ़ोतरी कक्षाओं में बच्चों के ध्यान में कमी, ऑनलाइन माध्यम से धमकाए जाने (साइबरबुलिंग) और बच्चों पर डिजिटल माहौल के व्यापक प्रभाव को लेकर बढ़ती चिंताओं को दर्शाती है। हालांकि, वैश्विक परिदृश्य केवल प्रतिबंध की ओर साधारण बदलाव से कहीं अधिक जटिल है। उन्होंने बताया कि 2025 के अंत से कई देशों ने स्कूलों में मोबाइल फोन पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंध लागू किया है, जिससे इस प्रवृत्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई है। हाल के समय में बोलीविया, कोस्टा रिका, क्रोएशिया, जॉर्जिया, मालदीव और माल्टा जैसे देश इस सूची में शामिल हुए हैं।

- सोशल मीडिया के उपयोग से बच्चों में बढ़ रहा खान-पान संबंधी विकार

सरकारें पूर्ण प्रतिबंध लगाने के पक्ष में नहीं

फ्रांस उन देशों में शामिल है जहां इस मुद्दे पर बहस अब भी जारी है। यहां स्कूलों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर शुरुआती और व्यापक रूप से उद्धृत प्रतिबंधों में से एक लागू किया गया था, जिसके तहत प्राथमिक और उच्च प्राथमिक कक्षाओं में फोन के उपयोग पर रोक है। जीईएम की रिपोर्ट के अनुसार, नीति निर्माता अब इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या और अधिक विनियमन की आवश्यकता है। फ्रांसीसी संसद में विचाराधीन एक विधायी प्रस्ताव का उद्देश्य स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग को नियंत्रित करने वाले अधिक विशिष्ट नियम स्थापित करना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कई मामलों में यह प्रतिबंध पूरे स्कूल समय या कक्षा के भीतर लागू होता है, जबकि कुछ व्यवस्थाओं में केवल शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए।

कुछ देशों ने हाल ही में अपनाए दिशा निर्देश

कुछ देशों ने हाल ही में ऐसे राष्ट्रीय दिशा-निर्देश अपनाए हैं, जिनके तहत स्कूलों को फोन का उपयोग सीमित करने की नीतियां बनाने के लिए कहा गया है, लेकिन सख्त राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार कोमोरोस, कोलंबिया, एस्टोनिया, लिथुआनिया, आइसलैंड, पेरू, इंडोनेशिया, सर्बिया, पोलैंड और फिलीपींस ऐसे देशों में शामिल हैं। इसके अलावा, कई जगहों पर राज्य या क्षेत्रीय स्तर पर भी बहस जारी है, जहां सरकारें राष्ट्रीय दिशा-निर्देश और स्कूलों की स्वायत्तता के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है। जिन देशों में शिक्षा प्रणाली विकेंद्रीकृत है, वहां प्रतिबंध अक्सर पहले क्षेत्रीय या स्थानीय स्तर पर लागू किए जाते हैं। अमेरिका में कोई राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध नहीं है।

अमृत विचार

सोमवार, 23 मार्च 2026

अगर आप नीचे की ओर देख रहे हैं, तो आपको कभी इंद्रधनुष नहीं मिलेगा।
-चार्ली चैपलिन, हॉलीवुड अभिनेता

इस छूट के मायने

अमेरिका द्वारा ईरान से सीमित अवधि के लिए तेल खरीद की छूट विरोधाभासी है। जिस देश पर प्रतिबंध लगाकर उसके तेल राजस्व को रोकने की कोशिश की गई, उसी को अचानक "राहत" क्यों? यह निर्णय किसी उदारता से अधिक जटिल भू-राजनीतिक गणित का परिणाम है। लक्ष्य है ऊर्जा बाजार को तात्कालिक झटके से बचाना, आपूर्ति की कमी से कीमतों को काबू में रखना और समुद्र में फंसा तेल चीन की ओर न चला जाए इसकी व्यवस्था। इसीलिए विरोधाभास से आंखें मूंदकर यह फैसला लेना पड़ा है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य पश्चिम एशिया में तनाव, शिपिंग जोखिम और रूस-यूक्रेन युद्ध ने तेल गैस आपूर्ति को इतना संवेदनशील बना दिया कि इस मामले ऐसी रियायत देनी पड़ी। सीमित समय सीमा मात्र इसलिए, ताकि यह "नियंत्रित वाल्व" की तरह काम करे। थोड़ी अतिरिक्त आपूर्ति आए, तेल बाजार में कीमतें नरम पड़ें, पर स्थायी ढील न बने, पर इससे कीमतें लंबे समय तक नियंत्रित नहीं रहने वाली।

समुद्र में फंसे लगभग 170 मिलियन बैरल तेल को बाजार तक लाने से अल्पकालिक राहत ही मिलेगी स्थायी समाधान नहीं। अगर भू-राजनीतिक तनाव जारी रहता है, तो यह राहत कुछ हफ्तों से लेकर कुछ महीनों से ज्यादा टिकाऊ नहीं होगी। ऊपर से ईरान का यह कहना कि उसके पास "सरप्लस तेल नहीं है", संकेत देता है कि उपलब्ध अतिरिक्त आपूर्ति सीमित है या तो तेल पहले ही अनुबंधित है या ऐसे व्यवस्थागत ढांचे में है, जिसे तुरंत मोड़ा नहीं जा सकता। इससे वास्तविक आपूर्ति बनाम अपेक्षा के बीच अंतर पैदा होगा, जो कीमतों में अस्थिरता बनाए रख सकता है। रूस पर प्रतिबंध और ईरान को छूट की दोहरी नीति का आरोप अमेरिका पर भले लगे, लेकिन व्यवहार में यह परिस्थिति-आधारित रणनीति है। रूस के मामले में उद्देश्य उसके युद्ध वित्त को बाधित करना था, वहीं ईरान के मामले में लक्ष्य तत्काल आपूर्ति झटके को कम करना और ईरानी तेल तक चीन की निर्बाध पहुंच को संतुलित करना है। यानी यहां सिद्धांत नहीं, हित-आधारित लचीलापन काम कर रहा है। भुगतान और लेन-देन की शर्तें महत्वपूर्ण होंगी।

व्यवहार में कई शर्तें वॉशिंगटन की रूपरेखा के अनुसार होंगी। अमेरिकी निगरानी में लेन-देन होने से डॉलर, यूरो या विशेष एस्क्रो व्यवस्थाएं अपनाई जा सकती हैं। "शैडो फ्लीट" पर लदे तेल के कारण बीमा, ट्रैकिंग और भुगतान जोखिम बढ़ते हैं, इसलिए खरीदार देशों को प्रशासनिक अनुपालन और जोखिम प्रबंधन में सावधानी रखनी होगी। भारत के लिए, यह अवसर के साथ परीक्षा भी है। भारतीय रिफाइनरियां सीमित मात्रा में ईरानी ग्रेड्स, जो तकनीकी रूप से उपयुक्त और कभी-कभी प्रतिस्पर्धी कीमत पर मिलते हैं, उसका लाभ उठा सकती हैं, पर उन्हें अमेरिकी दिशा-निर्देशों, भुगतान चैनलों और बीमा शर्तों का पालन करना ही होगा। रूस के तेल की तुलना में ईरानी तेल हर बार सस्ता हो, यह तय नहीं, पर लॉजिस्टिक्स, गुणवत्ता और अनुबंध शर्तों के आधार पर यह आकर्षक विकल्प बन सकता है। भारत को चाहिए कि वह इस मौके का उपयोग आपूर्ति विविधीकरण, रणनीतिक भंडार और नवीकरणीय ऊर्जा में तेज निवेश के साथ करे। क्योंकि ऊर्जा सुरक्षा का स्थायी उत्तर बाजार की दया पर नहीं, नीतिगत दूरदृष्टि और आत्मनिर्भरता पर टिका होता है।

प्रसंगवश

शहीद दिवसः क्या राष्ट्रप्रेम अब प्रतीक भर रह गया है

भारत हर वर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस मनाता है। यह केवल एक तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा में अंकित वह क्षण है, जब भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमकर इतिहास को अमर कर दिया। आज, जब देश स्वतंत्रता के 75 वर्ष पार कर चुका है, एक असहज प्रश्न हमारे सामने खड़ा है कि क्या हम उस बलिदान की अग्नि को अपने भीतर जीवित रख पाए हैं या वह केवल औपचारिक स्मरण तक सिमट गई है? आधुनिक भारत की हाईटेक और डिजिटल होती पीढ़ी के लिए यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि आजादी कोई उपहार नहीं थी। यह उन अनगिनत क्रांतिकारियों की कीमत पर मिली, जिन्होंने अपने जीवन, अपने सपने और अपने परिवार तक को राष्ट्र के चरणों में समर्पित कर दिया।

भगत सिंह महज 23 वर्ष के थे, जब उन्होंने फांसी को गले लगाया। यह वही उम्र है, जब आज का युवा अपने करियर, सुविधाओं और निजी आकांक्षाओं के बारे में सोचता है। ऐसे में यह तुलना स्वयं में एक प्रश्न बन जाती है कि क्या हमारे समय का युवा उस युग के युवा के समान अर्थ रखता है? साइमन कमीशन के विरोध में लाला लाजपत राय पर हुए निर्मम लाठीचार्ज और उनकी मृत्यु ने भारतीय युवाओं के मन में क्रांति की ज्वाला भड़का दी। इसी ज्वाला का परिणाम था सांडर्स वध, जिसने ब्रिटिश साम्राज्य को यह संदेश दिया कि भारत का युवा अब अन्याय सहने को तैयार नहीं है। इसके बाद केंद्रीय असेंबली में बम फेंकने की घटना, जिसे भगत सिंह ने "बहरों को सुनाने का प्रयास" बताया था। सिर्फ एक विस्फोट नहीं था, बल्कि विचारों का उद्घोष था। बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर उन्होंने गिरफ्तारी दी ताकि उनका संदेश पूरे देश में गूंज सके। जब अंग्रेजी हुकूमत ने इन युवाओं को फांसी की सजा सुनाई, तब पूरा देश उनके समर्थन में खड़ा हो गया। चंद्रशेखर आजाद ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, परंतु अल्फ्रेड पार्क में लड़ते हुए उन्होंने भी अपने प्राण न्योछावर कर दिए। अंततः 23 मार्च 1931 की शाम, नियत तिथि से पहले ही, अंग्रेजों ने भयवश तीनों क्रांतिकारियों को फांसी दे दी। यह केवल तीन व्यक्तियों की मृत्यु नहीं थी, बल्कि एक राष्ट्र की चेतना और भी अधिक जागृत हो उठी। आज स्थिति बदल चुकी है। राष्ट्रप्रेम अब कई बार प्रतीकों और अवसरों तक सीमित दिखाई देता है। सोशल मीडिया के स्टेटस, औपचारिक समारोह और दो चार देशभक्ति गीतों तक। सबसे अधिक चिंताजनक यह है कि समाज में एक विभाजनकारी मानसिकता पनप रही है, जहां समृद्ध वर्ग अपने बच्चों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक भविष्य चाहता है, जबकि सीमाओं की रक्षा का दायित्व मानो केवल सामान्य या मध्यम वर्ग पर छोड़ दिया गया है। यह सोच न केवल असंतुलित है, बल्कि राष्ट्र की एकता के लिए भी खतरा है।

अरविंद रावल
लेखक

राष्ट्रप्रेम कोई अवसर विशेष की भावना नहीं, बल्कि एक सतत चेतना है। यह जाति, धर्म, वर्ग और व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर राष्ट्र को सर्वोपरि मानने का दृष्टिकोण है। यदि आज की पीढ़ी इस मूल भावना से दूर होती गई, तो वह दिन दूर नहीं, जब राष्ट्र का अस्तित्व ही संकट में पड़ सकता है। इसलिए, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चंद्रशेखर आजाद और रामप्रसाद बिस्मिल जैसे अमर बलिदानियों को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें। शहीद दिवस केवल स्मरण का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। यह देखने का कि क्या हम उस स्वतंत्रता के योग्य नागरिक बन पाए हैं, जिसके लिए उन्होंने अपने प्राण न्योछावर कर दिए। शहीद दिवस हमें इतिहास को याद करने के साथ-साथ वर्तमान को परखने और भविष्य को दिशा देने का अवसर देता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

नाटो से बाहर हो सकता है अमेरिका

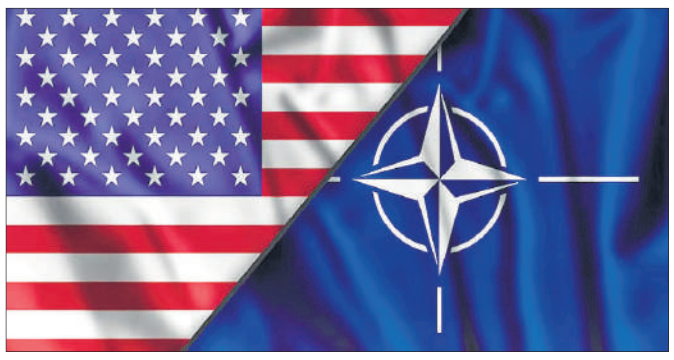

नवीन गुप्ता
बरेली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मनमानी बढ़ती ही जा रही है। पहले वेनेजुएला के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी और अब ईरान पर हमला करके उन्होंने खाड़ी देशों को युद्ध की आग में झोंक दिया। वे यहीं नहीं रुके हैं। उनका अगला निशाना क्यूबा और ग्रीन लैंड होगा। यह बात पूरी दुनिया को पता है। यही वजह है कि नाटो के सदस्य देश अब न सिर्फ ट्रंप की मनमानी को रोकना चाहते हैं, बल्कि खुद की सैन्य शक्ति को बढ़ाकर रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं। ईरान की बढ़ती आक्रमकता के बाद ट्रंप ने नाटो सदस्य देशों से अपने युद्धपोत होर्मुज में भेजने के लिए कहा था, पर सबने मनाकर दिया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री अमेरिका के दबाव में आए और उन्होंने अपने बेस से ईरान पर हमले की इजाजत ट्रंप को देदी।

परिणाम यह हुआ कि ईरान ने डिएगो गासिर्या पर हमला कर यह बता दिया कि जो भी देश अमेरिका के साथ खड़ा होगा उसके वहां उसकी मिसाइलें गिरेंगी और तबाही मचाएंगी। डिएगो गार्सिया पर चार हजार किलोमीटर लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइल से ईरान के प्रहार ने न सिर्फ नाटो देशों में सकते में ला दिया है, बल्कि पूरी दुनिया को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि अमेरिका और इजरायल ने अब बड़ी गलती कर दी है, क्योंकि ईरान का मकसद अब युद्ध को न सिर्फ लंबा खींचना है, बल्कि एक के बाद एक अमेरिकी सहयोगी देश पर हमला करके इस युद्ध को व्यापक बनाना है। यही वजह है कि अब नाटो बिखरता हुआ दिख रहा है और ट्रंप नाटो से बाहर आने के संकेत दे रहे हैं।

हमले से पहले ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान परमाणु बम बनाने के करीब है। यदि वह परमाणु बम का परीक्षण कर लेगा तो फिर इसके दुष्परिणाम पूरी दुनिया को भुगतने होंगे। उन्होंने इसका डर अमेरिकी जनता के साथ ही यूरोपीय और खाड़ी देशों को भी दिखाया। जबकि पिछले साल जब अमेरिका और इजराइल ने हमला किया था, तो यह दावा किया था कि उसकी एयर स्ट्राइक में ईरान के परमाणु ठिकाने पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। जबकि अमेरिकी सीनेट इंटेलिजेंस कमेटी को दी गई अपनी लिखित गवाही में अमेरिकी खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड ने यह स्वीकार किया है कि 2025 में अमेरिका और इजरायल के ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के बाद ईरान की परमाणु संवर्धन क्षमता पूरी तरह नष्ट हो गई थी। परिणाम स्वरूप ईरान ने अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम को दोबारा शुरू करने की कोई ठोस कोशिश नहीं की। इस रिपोर्ट के बाद राष्ट्रपति ट्रंप आलोचनाओं में घिर गए हैं, पर वे युद्ध की इस कार्रवाई को सही ठहराने में जुटे हैं।

अमेरिकी नागरिक और वहां के थिंक टैंक का आरोप है कि इजरायल के प्रधानमंत्री के कहने पर ट्रंप ने अमेरिका को बिना वजह युद्ध में शामिल किया। इस बात की कसक फ्रांस समेत कई नाटो देशों को भी है। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन यानी नाटो का गठन जब हुआ था तब तय किया गया था कि नाटो के किसी एक सदस्य पर हमला होता है, तो सदस्य देश उसकी मदद को आगे आएंगे। तुर्किए नाटो का सदस्य है।

अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद ईरान ने तुर्किए पर मिसाइल व ड्रोन से प्रहार किया, लेकिन एक भी नाटो सदस्य देश उसके बचाव में आगे नहीं आया। यहां तक कि होर्मुज स्ट्रेट में ईरान द्वारा तेल और गैस लदे जहाजों पर हमले के बाद भी फ्रांस, जर्मनी, जापान और ग्रीस जैसे देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में युद्धपोत भेजने से मनाकर दिया। इन देशों को पता है कि यदि वे वहां अपने युद्धपोत भेजते हैं, तो ईरान जो हाल सऊदी अरब, कतर, बहरीन और यूएई का कर रहा है, वही उनका भी करेगा। ईरान उनके यहां भी एयरपोर्ट, सैनिक ठिकानों और रक्षा प्रतिष्ठानों पर हमले कर तबाही मचाएगा। इस तबाही की भरपाई मुश्किल होगी। डिएगो गासिर्या पर प्रहार से पहले ईरान के विदेश मंत्री ने ब्रिटेन को धमकी दी थी कि यदि वह अमेरिका की मदद करेगा, तो फिर इसका अंजाम बुरा होगा, लेकिन ब्रिटेन ने इस धमकी को नजरअंदाज किया। परिणाम स्वरूप डिएगो गार्सिया पर हमला करके ईरान ने बता दिया कि उसकी मिसाइलों की जद में फ्रांस, ब्रिटेन समेत तमाम नाटो देश हैं, जहां वह कभी भी हमला कर सकता है। हालांकि फ्रांस, ग्रीस, जर्मनी जैसे देश पहले ही डोनाल्ड ट्रंप से साफ कह चुके हैं कि वे इस युद्ध में अमेरिका की कोई मदद नहीं करेंगे।

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस इनकार की कई वजहें हैं। ट्रंप अब मनमानी पर उतर आए हैं। वे फ्रांस, जापान समेत तमाम देशों के राष्ट्राध्यक्षों को बात-बात पर नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं। नाटो से निकलने की धमकियां देते हैं और बिना वजह युद्ध करना चाहते हैं। ऐसे में कोई भी देश उनका साथ देने को तैयार नहीं है। रही बात इजराइल की तो वह इस्लामिक राष्ट्रों से घिरा हुआ है और उसे अपना अस्तित्व बचाना है इसलिए वह अमेरिका के साथ कोई भी युद्ध हो उसमें शामिल होगा।

नाटो देशों द्वारा मदद से इनकार से ट्रंप बौखलाए हुए हैं और नाटो का अस्तित्व समाप्त होने की धमकी दे रहे हैं, पर ब्रिटेन के अलावा कोई भी अन्य देश उनकी गीदड़ भभकी में नहीं आया। ईरान पर हमले से पहले ट्रंप ने कहा था कि दो से चार दिन में ही ईरान हार जाएगा। उसकी नौसेना, वायुसेना समाप्त हो गई है, लेकिन ईरान अपने बेड़े से एक के बाद एक बड़े हथियार निकालकर यह बता रहा है कि अभी उसमें दम है और वह अंतिम दम तक लड़ेगा। युद्ध लंबा खिंचेगा तो इसके बारूद की आग कई और देशों को अपनी चपेट में लेंगी, जो किसी भी स्थिति में ठीक नहीं होगा। सदस्य देशों से नाराज डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के नाटो से बाहर आने की फाइल पर हस्ताक्षर भी कर सकते हैं। ऐसी आशंका है।

> ईरान पर हमले से पहले ट्रंप ने कहा था कि दो से चार दिन में ही ईरान हार जाएगा। उसकी नौसेना, वायुसेना समाप्त हो गई है, लेकिन ईरान अपने बेड़े से एक के बाद एक बड़े हथियार निकालकर यह बता रहा है कि अभी उसमें दम है।

आमने सामने

आरजी कॉलेज की घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण थी, लेकिन टीएमसी और ममता बनर्जी का इससे कोई लेना-देना नहीं है। बीजेपी बंगाल में नहीं जीतेगी। हर जगह बीजेपी वोट की चोरी कर के जीत हासिल करती है। इतिहास में पहली बार चुनावों के दौरान बंगाल से 50 से ज्यादा अधिकारियों के तबादले किए गए हैं।
-शत्रुघ्न सिन्हा, सांसद, टीएमसी

एसआईआर में जो वोट काटे गए, वे घुसपैठियों, दिवंगत लोगों के थे। वहां, एक आदमी कई वोट डालता था, एक आदमी के कई जगहों पर वोट थे। अगर ऐसे आदमी का वोट काटा गया, तो उन्हें क्या एतराज है? क्या आप बंगाल को बाकी भारत से अलग करना चाहते हैं? बंगाल के लोग सब देख रहे हैं और वहां बीजेपी की सरकार जरूर बनेगी। **- विजय कुमार शर्मा,** डिप्टी सीएम, छत्तीसगढ़

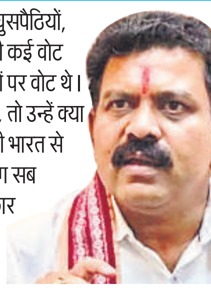

दिखावटी चुनाव में एक तानाशाह की बल्ले-बल्ले

डॉ. रमेश ठाकुर
वरिष्ठ पत्रकार

2 करोड़ 66 लाख आबादी वाले अघोषित गुलाम मुल्क उत्तर कोरिया में 15 वें 'सुप्रीम पीपल्स असेंबली' के संपन्न दिखावटी चुनाव में भी किम जोंग उन ने एकतरफा जीत हासिल करके फिर से अपने तानाशाह होने का परिचय न सिर्फ अपने देशवासियों को, बल्कि समूचे संसार को दे दिया है। सभी 687 सीटों पर उनके समर्पित लोग जीते हैं। मौजूदा चुनाव में भी उनके सामने न कोई विपक्ष था और न ही कोई विरोधी? चुनाव में उन्होंने उम्मीदवार के रूप में अपने चपरासी, नौकर, जीजा, बहनें और जी-हुजूरी करने पार्टी कार्यकर्ता-कर्मचारियों को टिकट देकर उतारा था। चुनाव में किम जोंग की दो छोटी बहनें किम यो-जोंग, चो सन-हुईन और जीजा किम नॉउ व योंग-वोन भी जीते हैं। गठित कैबिनेट में इन चारों को बड़ी जिम्मेदारी देंगे किम जोंग।

उत्तर कोरिया में चुनाव का मतलब केवल कोरियाई आवाम के अनुशासन को चेक करना और सरकारी डेटा को अपडेट करना मात्र होता है। वहां जनता अपनी पसंद का न उम्मीदवार चुन पाती है और न वोट कर सकती है। वोट न करना देशद्रोह माना जाता है। नार्थ कोरियाई लोग किम जोंग का आदेश किसी भी सूरत में नहीं टालते। अगर वो कहें कि आज सूरज पूरब से नहीं पश्चिम से उगेगा, तो देशवासियों को हां में ही जवाब देना होता है। जब वो हंसते हैं, तो सबको हंसना पड़ता है। घर से दो दिन किसी को नहीं निकलना है, तो कोई नहीं निकलता। लॉकडाउन जैसी स्थिति वहां हो जाती है।

ऐसी अजीबोगरीब शर्तों को नार्थ कोरियाई आवाम को न चाहते हुए भी मानना पड़ता है। उत्तर कोरियाई का संसदीय चुनाव का इतिहास 1948 से रहा है। तब, वहां श्रमिक पार्टी, चोंडो ईस्ट चांगु पार्टी, कोरियाई लोकतांत्रिक पार्टी, श्रमिक जन पार्टी, पीपल्स रिपब्लिकन पार्टी व डेमोक्रेटिक इंडिपेंडेंट पार्टी की धूम होती थी, लेकिन अब सिर्फ और सिर्फ तानाशाह का ही चारों ओर बोलबाला है। वहां, पिछला संसदीय चुनाव 10 मार्च 2019 को हुआ था। परंपरा प्रत्येक 5 साल बाद चुनाव कराने की है, लेकिन हुए 7 साल बाद हैं।

इस चुनाव में आदेश था कि सभी सरकार के पक्ष में वोट करें, देशवासियों ने उनके आदेशानुसार वोट डाले। वोटर टर्नआउट 99.99 प्रतिशत रहा, जिनमें उनके पक्ष में रिकॉर्ड 99.93 प्रतिशत वोटिंग हुई। पंजीकृत मतदाताओं में केवल 0.0037 प्रतिशत वोटरों ने चुनावी प्रक्रिया में किसी कारण हिस्सा नहीं लिया, जिनमें ज्यादातर ऐसे लोग बताए जाते हैं, जो चुनाव के वक्त या देश से बाहर थे या हारी बीमारी से पीड़ित थे। सरकारी मीडिया एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक 516 लोगों ने वोट नहीं डाले, जिनकी खोज-पड़ताल जारी है। खोजने पर उन्हें मौत की सजा सुनाई जाएगी। घरों की तलाशी जारी है, हाथ पर लगे निशान की जांच की जा रही है। कुल मिलाकर पूर्ववर्ती चुनावों की तरह इस बार भी तानाशाह शासक का बोलबाला पूरे संसदीय चुनाव के दौरान रहा।

गौरतलब चुनाव में अगर कोई सरकारी कर्मचारी उनके पक्ष में वोट नहीं करता, उसे सेवा से बेदखल कर दिया जाता है। अगर पब्लिक ने वोट नहीं किया, तो उस पर देशद्रोह का मुकदमा करके सरेआम कोड़ों से पीटा जाता है। नार्थ कोरिया में नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका या कोई ऐसे मुल्क जैसी व्यवस्था नहीं है कि विरोध में वहां के लोग 'जेन-जी' जैसा आंदोलन कर सके। ऐसा सपने में भी कोई नहीं सोच करता। सोचेगा तो उसे जिंदा गाड़ दिया जाता है। पिछले साल अगस्त-2025 का वाक्या है जब किम जोंन उन अपनी कैबिनेट की मीटिंग कर रहे थे, तभी बीच में एक कर्मचारी ने चाय पीने को लेकर उनसे पूछ लिया। सजा के तौर पर जोंन ने उनकी जुबान और दोनों हाथ कटवा दिए थे। मौजूदा 2026 का आम चुनाव भी उत्तर कोरिया के अनूठे राजनीतिक ढांचे को दर्शाता है कि जहां हर निर्वाचन क्षेत्र में केवल एक ही उम्मीदवार होता है, जो किम के नेतृत्व वाली सत्ता द्वारा पहले से ही चुन लिया जाता है। मतदान में उत्तर कोरिया के वोटर्स को सिर्फ हां या न कहने का अधिकार मिलता है। चुनाव में विपक्ष का उम्मीदवार खड़ा नहीं होता। नॉर्थ कोरिया वैश्विक पटल से तकरीबन कटा हुआ है। उसे न अर्थव्यवस्था से मतलब है और न ही किसी किस्म की तरक्की से? अपने मन की हुकुमत किम जोंन चलाते हैं। किम जोंन न किसी मुल्क का दौरा करते हैं और न उनके यहां कोई राष्ट्राध्यक्ष जाता है। एकाध मर्तबा कोई पहुंचा भी, तो उसे सरेआम मारा-पीटा गया। कइयों को जान से भी हाथ धोना पड़ा? ग्लोबल स्तर पर बनीं तमाम कल्याणकारी समितियों का भी नॉर्थ कोरिया सदस्य नहीं है। उनके प्रतिनिधि भी कहीं प्रतिभाग नहीं करते।

नॉर्थ कोरिया के अलावा रूस में भी ऐसी ही चुनावी प्रक्रिया है। वहां भी सरकारी कर्मचारियों और आम जनता को अपने पक्ष में वोट करने का आदेश दिया जाता है। इस दिशा में कुछ और भी राष्ट्राध्यक्ष चल पड़े हैं। तानाशाह शासक बेशक लोकतंत्र होने की दुहाई देते हों, लेकिन वो गुलाम बनाकर रखते हैं अपने आवाम को। नॉर्थ कोरियाई लोग कब तानाशाह से मुक्ति पाएंगे, ये सवाल भविष्य के गर्भ में सुरक्षित है। तारीख कौन सी मुकर्रर होगी, ये तो आने वाले समय ही बताएगा। नॉर्थ कोरियाई लोग ज्यादातर शहरी क्षेत्रों में रहते हैं। विश्व में जनसंख्या के मामले में 56 वें स्थान पर है। 2.66 लाख वाले इस मुल्क के लोगों को आजादी की सुबह कब होगी नसीब उसकी दुआ पूरा संसार करता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> नॉर्थ कोरिया के अलावा रूस में भी ऐसी ही चुनावी प्रक्रिया है। वहां भी सरकारी कर्मचारियों और आम जनता को अपने पक्ष में वोट करने का आदेश दिया जाता है।

सोशल फोरम

सकारात्मक संकेत

भारत की ऊर्जा सुरक्षा के दृष्टिकोण से ईरान और पश्चिम एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। ईरान इजरायल के कारण बढ़ते तनाव और क्षेत्र में युद्ध जैसी स्थितियों ने भारत की प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आपूर्ति श्रृंखला को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया है। खाड़ी क्षेत्र के बढ़ते तनाव और हालिया क्षेत्रीय अस्थिरता से पहले, भारत अपनी आवश्यकता का लगभग 50 प्रतिशत प्राकृतिक गैस आयात के माध्यम से पूरी करता रहा है। भारत के प्रमुख गैस आपूर्ति भागीदारों में कतर भारत का सबसे बड़ा एलएनजी आपूर्तिकर्ता (कुल आयात का लगभग 40-45 प्रतिशत रहा। यह पूरी आपूर्ति फिलहाल ठप है और बहाल होने में लंबा समय लगने की आशंका है, क्योंकि ईरानी हमले से इसके प्लांट संयंत्रों को भारी क्षति पहुंची है।

आर एन शाही
गोरखपुर

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अमेरिका से भी गैस आयात में भारी वृद्धि की है। ऑस्ट्रेलिया दीर्घकालिक अनुबंधों के माध्यम से एक स्थिर स्रोत बनकर उभरा है, जो लंबे समय तक राहत देगा। अन्य देशों में अंगोला, नाइजीरिया और ओमान जैसे देश हैं, जिनकी आपूर्ति जारी रहने वाली है। हालांकि भारत पाइपलाइन (आईपीआई पाइपलाइन) के माध्यम से ईरान से सीधे गैस नहीं ले पा रहा था, लेकिन ईरान 'फारस की खाड़ी' और 'होर्मुज जलडमरूमध्य का द्वार है, जहां से भारत की 60 प्रतिशत से अधिक गैस आपूर्ति गुजरती है। यह पूरी की पूरी आपूर्ति फिलवक्त अवरोध और अनियमितता का शिकार है। हालिया संघर्षों के कारण सीधे तौर पर गैस के कुओं से उत्पादन कम होने की अपेक्षा, परिवहन और लॉजिस्टिक्स में बड़ी बाधाओं के कारण आपूर्ति प्रभावित हुई है। अनुमान है कि लाल सागर और फारस की खाड़ी में तनाव के कारण भारत की कुल गैस आपूर्ति का लगभग 10-15 प्रतिशत हिस्सा अनिश्चितता के घेरे में आया है। मुख्य रूप से उन देशों से आने वाली सप्लाई प्रभावित हुई है, जो लाल सागर मार्ग का उपयोग करते हैं, जैसे कुछ यूरोपीय स्रोत और अल्जीरिया। युद्ध के खतरे के कारण जहाजों के समुद्री बीमा में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है, जिससे लैंडिंग लागत बढ़ गई है। भारत ने अपनी रणनीति को "विविधीकरण" पर केंद्रित किया है ताकि किसी एक क्षेत्र पर निर्भरता कम हो। भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए पश्चिम एशिया से हटकर अफ्रीका और अमेरिका की ओर रुख कर रहा है, जो भविष्य के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह किसी भी सरकार के लिए चाहे भारत हो या चीन, जादू की छड़ी घुमाने जैसी कोई चमत्कारिक कार्यवाही नहीं है।

- फेसबुक वॉल से

सामयिकी

मार्च में सर्दी-गर्मी जलवायु परिवर्तन की चेतावनी

प्रकृति का अपना एक निश्चित अनुशासन और संतुलन होता है। सदियों से पृथ्वी पर ऋतुओं का क्रम तय रहा है। वसंत की मधुरता, ग्रीष्म की तपिश, वर्षा की हरियाली, शरद की शांति, हेमंत की ठंडक और शीत ऋतु की सिहरन। भारत जैसे देश में यह ऋतुचक्र केवल मौसम का परिवर्तन नहीं, बल्कि जीवन, संस्कृति और कृषि व्यवस्था का आधार रहा है। किंतु हाल के वर्षों में यह संतुलन तेजी से बिगड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। मार्च के तीसरे सप्ताह में मौसम के अचानक बदले स्वरूप ने इस असंतुलन को स्पष्ट कर दिया। हिमाचल और उत्तराखंड में भारी बर्फबारी हुई, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ, वहीं पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की चिंता बढ़ा दी। विशेष रूप से सरसों और गेहूं जैसी रबी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है, क्योंकि यह समय उनके पकने का होता है। ऐसे में मौसम की थोड़ी-सी भी अनियमितता उत्पादन को सीधे प्रभावित करती है।

राजेश जैन
लेखक

किसान अपनी खेती का समय ऋतुओं के अनुसार तय करता है और त्योहार व परंपराएं भी मौसम से गहराई से जुड़ी होती हैं, लेकिन जब मौसम ही अनिश्चित हो जाए, तो पूरी जीवन व्यवस्था प्रभावित होती है। यह असामान्य मौसम केवल संयोग नहीं, बल्कि एक गंभीर वैश्विक समस्या जलवायु परिवर्तन का संकेत है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह स्थिति और भी चिंताजनक है। रबी फसलों- जैसे गेहूं, चना और सरसों के लिए मार्च का समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यदि इस दौरान तापमान अचानक बढ़ जाए, तो दानों का विकास प्रभावित होता है और उत्पादन घट जाता है। वहीं, अचानक बारिश, ठंड या ओलावृष्टि तैयार फसल को नष्ट कर सकती है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है और खाद्यान्न सुरक्षा भी प्रभावित होती है। जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल कृषि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर रहा है। अचानक बदलते मौसम के कारण शरीर को अनुकूलन का पर्याप्त समय नहीं मिल पाता, जिससे सर्दी-जुकाम, वायरल संक्रमण, एलर्जी और श्वसन संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। बच्चे, बुजुर्ग और कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग विशेष रूप से इससे प्रभावित होते हैं। कई बार अचानक बढ़ती गर्मी हीट स्ट्रोक जैसी समस्याओं को भी जन्म देती है। प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती घटनाएं भी इसी असंतुलन का संकेत हैं। बाढ़, सूखा, चक्रवात, जंगलों में आग और भूस्खलन जैसी घटनाएं अब अधिक बार देखने को मिल रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे नदियों के प्रवाह और जलस्तर में बदलाव आ रहा है। यदि यह स्थिति बनी रही, तो भविष्य में जल संकट और भी गहरा सकता है। इस असंतुलन के पीछे मानव गतिविधियों की बड़ी भूमिका है। बढ़ती जनसंख्या और विकास की दौड़ में हमने प्रकृति के संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया है। वनों की कटाई, बढ़ता प्रदूषण और अनियंत्रित शहरीकरण ने पर्यावरणीय संतुलन को कमजोर कर दिया है। पेड़-पौधों की कमी के कारण वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ रही है, जिससे तापमान नियंत्रित रखने वाली प्राकृतिक प्रणाली प्रभावित हो रही है।

इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। यह स्पष्ट है कि प्रकृति के साथ असंतुलन का परिणाम मानव को ही भुगतना पड़ता है। यदि समय रहते हमने अपनी जीवनशैली और विकास की दिशा में सुधार नहीं किया, तो आने वाले वर्षों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। इसलिए आवश्यक है कि हम प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करें और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक संतुलित और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करें। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

हाथ की उंगलियों में पहनी जाने वाली खूबसूरत अंगूठियां

अंगूठी एक ऐसा आभूषण है, जो सदियों से सुंदरता और आकर्षण का प्रतीक माना जाता है। महिलाएं ही नहीं, बल्कि पुरुष भी अपने हाथों की उंगलियों में अंगूठी पहनना पसंद करते हैं। यह केवल सजावट का साधन नहीं है, बल्कि कई बार यह प्यार, रिश्ते और भावनाओं का प्रतीक भी होती है। खासकर सगाई और शादी में अंगूठी का बहुत महत्वपूर्ण स्थान होता है। आजकल बाजार में अंगूठियों की बहुत सारी सुंदर डिजाइन मिलती हैं। सोने, चांदी, हीरे और अलग-अलग रंगों के पत्थरों से बनी अंगूठियां हाथों की खूबसूरती को और भी बढ़ा देती हैं। कुछ लोग साधारण और हल्की अंगूठी पहनना पसंद करते हैं, जबकि कुछ लोग भारी और डिजाइनर अंगूठियां पहनना पसंद करते हैं। हर व्यक्ति अपनी पसंद और स्टाइल के अनुसार अंगूठी चुनता है।

नूर हिना खान
लेखिका

अंगूठियों की डिजाइन

अंगूठियों की डिजाइन समय के साथ बदलती रहती है। पहले साधारण गोल डिजाइन अधिक पसंद किए जाते थे, लेकिन आजकल फ्लावर डिजाइन, हार्ट शेप, क्राउन डिजाइन और मिनिमल स्टाइल की अंगूठियां बहुत ट्रेंड में हैं। खासकर युवतियां पतली और स्टाइलिश अंगूठियां पहनना पसंद करती हैं, जो उनके हाथों को और भी आकर्षक बनाती हैं। आज के समय में अंगूठियां केवल आभूषण नहीं रह गई हैं, बल्कि यह फैशन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी हैं। किसी भी पार्टी, शादी या खास अवसर पर एक सुंदर अंगूठी पूरे लुक को और भी खास बना देती है। इसलिए कहा जा सकता है कि अंगूठी छोटी जरूर होती है, लेकिन इसकी सुंदरता और महत्व बहुत बड़ा होता है।

साधारण अंगूठी

यह हल्की और सादी डिजाइन की होती है। इसे रोजमर्रा में पहनना आसान होता है। ऑफिस, घर या सामान्य काम करते समय ऐसी अंगूठियां सबसे अच्छी रहती हैं।

डिजाइनर अंगूठी

डिजाइनर अंगूठियों में अलग-अलग स्टाइल, नक्काशी और नए फैशन की डिजाइन होती हैं। इन्हें पार्टी, शादी, त्योहार या किसी खास मौके पर पहनना ज्यादा अच्छा लगता है।

फैशन अंगूठी

फैशन अंगूठियां ट्रेंड के अनुसार बनाई जाती हैं। आजकल पतली, मिनिमल और स्टैकिंग (एक साथ कई अंगूठियां पहनना) स्टाइल बहुत लोकप्रिय है। युवतियां इन्हें कैजुअल और पार्टी दोनों में पहनती हैं।

स्टोन या रत्न वाली अंगूठी

इन अंगूठियों में अलग-अलग रत्न लगे होते हैं, जैसे पन्ना, माणिक, मोती या नीलम। कई लोग इन्हें ज्योतिष के अनुसार पहनते हैं, क्योंकि माना जाता है कि सही रत्न जीवन में सकारात्मक ऊर्जा लाता है।

सगाई या शादी की अंगूठी

यह सबसे खास अंगूठी मानी जाती है। सगाई और शादी में जो अंगूठी पहनाई जाती है वह रिश्ते और प्यार का प्रतीक होती है। अक्सर इसमें हीरा या सुंदर पत्थर लगा होता है।

कैसे चुनें अच्छी अंगूठी

अच्छी अंगूठी चुनते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। सबसे पहले अंगूठी का साइज सही होना चाहिए ताकि पहनने में आराम रहे। दूसरा, उसकी डिजाइन आपके हाथों और स्टाइल पर सूट करनी चाहिए। तीसरा, उसकी क्वालिटी अच्छी होनी चाहिए ताकि वह जल्दी खराब न हो। कुल मिलाकर अंगूठी एक छोटा सा आभूषण है, लेकिन यह व्यक्ति की खूबसूरती और व्यक्तित्व को और भी निखार देती है। सही अंगूठी सही समय पर पहनी जाए, तो हाथों की सुंदरता कई गुना बढ़ जाती है।

67 साल बाद एक गीत की वापसी

Choo, choo train, a-chugging down the track
Gotta travel on, never coming back
Whoo-oo-hoo, got a one way ticket to the blues
Bye, bye love, my baby's leaving me
Now lonely teardrops are all that I can see
Whoo-oo-hoo, got a one way ticket to the blues

यह गीत हाल के समय में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर 67 साल बाद अचानक फिर से वायरल हो गया है, जो यह दर्शाता है कि संगीत की कोई समय सीमा नहीं होती। 1959 में नील सेडका द्वारा लोकप्रिय बनाया गया यह गीत अपने भावनात्मक बोल और मधुर धुन के कारण पहले भी श्रोताओं के दिलों में खास जगह बना चुका था, लेकिन आज की डिजिटल दुनिया ने इसे एक नई पहचान दी है। आजकल सोशल मीडिया पर सैकड़ों की संख्या में इसके एआई वर्जन और लोगों द्वारा बनाई गई रील्स वायरल हैं।

इस गीत के वायरल होने का सबसे बड़ा कारण सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे इंस्टाग्राम और टिक टॉक हैं, जहां लोग पुराने गानों को नए ट्रेंड्स के साथ जोड़कर प्रस्तुत करते हैं। खासतौर पर रील्स और शॉर्ट वीडियो में इस गाने के इस्तेमाल ने इसे युवा पीढ़ी तक पहुंचाया, जो शायद पहले इस गीत से परिचित नहीं थी।

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

गीत की धुन में एक तरह की उदासी और सादगी है, जो आज के तेज-तर्रार और शोर-भरे संगीत के बीच एक अलग ही सुकून देती है। यही कारण है कि लोग इसे बार-बार सुनना पसंद कर रहे हैं। इसके अलावा, इस गाने के बोल, जो एकतरफा प्रेम और बिछड़ने की पीड़ा को व्यक्त करते हैं, आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने अपने समय में थे। यह भावनात्मक जुड़ाव ही इसकी लोकप्रियता का मूल कारण है। वायरल होने का एक और पहलू यह है कि लोग अब रेट्रो चीजों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। पुराने गाने, फैशन और स्टाइल एक बार फिर ट्रेंड में आ रहे हैं और One Way Ticket to the Blues इसका एक बेहतरीन उदाहरण है। यह नॉस्टैल्जिया और नवीनता का एक अनोखा संगम प्रस्तुत करता है। अंततः इस गीत का दोबारा लोकप्रिय होना यह साबित करता है कि अच्छी कला कभी पुरानी नहीं होती। समय बदलता है, माध्यम बदलते हैं, लेकिन भावनाएं और सच्चा संगीत हमेशा जीवित रहते हैं। यह वायरल ट्रेंड न केवल एक पुराने गीत को नया जीवन देता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि नई पीढ़ी भी क्लासिक संगीत को उतनी ही सराहना देती है।

पूर्वी क्षेत्र की मिठास लिए पंजाबी आवाज वाले गायक जसपाल

जिंदगी का सफर

होली के हिंदी फिल्मी गीतों के संग्रह में शायद ही किसी के पसंदीदा गानों में 'जोगी जी धीरे-धीरे...' न हो! इसे या 'नदिया के पार' के अन्य गीतों को सुनते हुए अक्सर ख्याल आता था कि भारत के पूर्वी क्षेत्र की मिठास लिए यह सरल, जादुई आवाज किसकी है, जो यूपी-बिहार के गांवों की भाषा और भावों को इतनी सहज और सुंदर अभिव्यक्ति देती है।

फिर जब यह पता चला कि यह मधुर आवाज एक पंजाबी गायक जसपाल सिंह जी की है तो और ताज्जुब होना ही था। एक पंजाबी पृष्ठभूमि की आवाज और भारत के पूर्वी क्षेत्र की भाषाई मिठास इतनी खूबसूरती से संजोये हुए। फिर लगा शायद हिंदी क्षेत्र से कोई संबंध रहा हो। मगर ऐसा भी कोई उल्लेख कहीं मिला नहीं।

उनका जन्म 23 मार्च 1943 को अमृतसर, पंजाब में हुआ था। उन्हें स्कूल और कॉलेज के दिनों में ही गायन का शौक हो गया था। वे पढ़ाई के दौरान कई संगीत प्रतियोगिताओं में भाग लेते थे। जसपाल जी मोहम्मद रफी साहब के बहुत बड़े प्रशंसक थे और बचपन से ही उनके गाने-सुनते और मौका मिलते ही गाते थे। गायन के प्रति अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए वे मुंबई चले गए, जहां उनकी बहन रहती थीं।

अभिषेक मिश्र
लेखक

उनकी प्रतिभा को सर्वप्रथम 1968 में प्रसिद्ध महिला गायिका और संगीतकार ऊषा खन्ना जी ने पहचाना और पहला ब्रेक दिया। इनके संगीत निर्देशन में इन्होंने 'बंदिश' और 'अनजान है कोई' फिल्मों में गाने गए। मगर न इन फिल्मों को ज्यादा सफलता मिली न इन्हें कोई विशेष पहचान। मगर इनका सही वक्त अभी आना शेष था। राजश्री की फिल्म 'गीत गाता चल' में संगीतकार रविन्द्र जैन जी के निर्देशन में उनकी आवाज पूरे देश में छा गई। इसके बाद उन्होंने 'नदिया के पार', 'अंखियों के झरोखों से', 'सावन को आने दो' जैसी कई हिट बॉलीवुड फिल्मों के लिए गाया। चूंकि उस समय के सभी ख्यात गायक अलग-अलग लोकप्रिय नायकों के साथ जुड़े हुए थे। इस कारण नायक सचिन को ब्रेक देने वाली आवाज के रूप में पार्श्व गायन करने के लिए नए गायक जसपाल सिंह को चुना गया था। मगर यह सफलता उनके राह की बाधा भी बन गई। नायक के रूप में सचिन का कैरियर बहुत सफल और लंबा नहीं रहा, जबकि जसपाल जी सचिन की आवाज के रूप में सीमित पहचान में बंधते चले गए। आने वाला दौर हिंदी सिनेमा में पार्श्व गायन के स्तर में गिरावट का भी रहा, जो जसपाल जी जैसे प्रतिभावान गायकों के लिए अनुकूल नहीं रहा और वो इस नए दौर में गुमनामी में खोते गए।

उनके कंठ से निकले कुछ यादगार गीतों में-धरती मेरी माता, पिता आसमान, गीत गाता चल ओ साथी गुनगुनाता चल, मंगल भवन अमंगल हारी (फिल्म- गीत गाता चल), कौन दिशा में लेके चला रे, साची कंहे तोरे आवन से हमरे (फिल्म- नदिया के पार), जब-जब तू मेरे सामने आए (फिल्म- श्याम तेरे कितने नाम), सावन को आने दो (फिल्म- सावन को आने दो) आदि शामिल हैं। सफलता-असफलता से परे उनके दिल से गाए गीत आज भी संगीत प्रेमियों के दिलों में बसे हैं और आगे भी उनकी उपस्थिति का अहसास बन फिजाओं में गूंजते रहेंगे।

फिल्म समीक्षा

नए भारत की कूटनीति को बयां करती फिल्म

धुरंधरः द रिवेंज, एक ऐसी फिल्म, जिसे आप दम साधे पूरी देखना चाहेंगे। कोई डिस्टरबेंस आप को पसंद नहीं आएगा, आप की नजरें रुपहले पर्दे पर ही टिकी होगी, जिज्ञासा चरम पर होगी इसके बाद क्या? आप बस यही सोचेंगे, इसके सिवाय कुछ नहीं... यदि आप ने धुरंधर का पहला भाग देखा है, तो आप अनुभूत करेंगे कि ये उस से कहीं बेहतर है, फिल्म की एडीटिंग गजब की है, स्क्रिप्ट भी बेहतरीन और एक्टिंग तो ऐसी की, भाई सभी कलाकारों को सैल्यूट करने को जी करता है। ये भारतीय सिनेमा की सफल और बेहतरीन फिल्मों की सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएगी।

डॉ.संजय अनंत
समीक्षक

सन 2014 के बाद का भारत, अब केवल बदला नहीं लेता, घर में घुसकर मारता भी है। मोदी जी, टीवी पर नोटबंदी की घोषणा करते हैं और बर्बाद पाकिस्तान होता है, ये फिल्मी शोशा नहीं, हकीकत थी। कराची में आईएसआई के इशारे पर बड़े पैमाने पर फेक करेंसी यानी नकली नोट बड़े पैमाने पर छपते और ये नेपाल या कश्मीर के रास्ते से भारत लाया जाता। ठीक है फिल्म की कहानी में कुछ नाटकीयता है, किंतु इसके बाद भी ये फिल्म, कराची के इस सदी के प्रथम दशक की कहानी बयां करती है। रॉ के लोग पहले भी पाकिस्तान में सक्रिय थे, वे सूचना भेजते, किंतु उस पर कड़ी कार्यवाही नहीं होती थी, पर अब अजीत डोभाल देश की सुरक्षा संभाल रहे है, जो स्वयं कभी पाकिस्तान में भारत के जासूस रहे है, अब जो इनपुट हमारे एजेंट्स वहां से भेजते हैं, उस पर तुरंत कार्यवाही होती है। यूपी के माफिया अतीक अहमद, पाकिस्तान की संस्थाएं, दाऊद सबका गठबंधन सच्चाई है और यही इस फिल्म का आधार है। बीते वर्ष में अनेक मोस्ट वांटेड आतंकी या उनके अन्नदाता जो पाकिस्तान में थे, अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा कत्ल कर दिए गए।

यही है नया भारत। जमील साहब यानी राकेश बेदी साहब की एक्टिंग तो कमाल की है, आर माधवन, सान्याल साहब के रूप में, संजय दत्त एसपी चौधरी के रूप में, फिल्म का हीरो रणवीर सिंह, सब ने अपने रोल के साथ न्याय किया है, अर्जुन रामपाल (मेजर इकबाल) क्रूरता घृणा चेहरे से झलकी, गजब की एक्टिंग, दो कमियां भी बताते चलूं, अत्याधिक वीभत्स हिंसक सीन और कुछ अश्लील संवाद, इसलिए सेंसर बोर्ड ने ए सर्टिफिकेट दिया है, निर्देशक इसके बिना भी यदि फिल्म बनाते तो वो उतनी ही प्रभावशाली होती, इसकी जरूरत नहीं थी। यह फिल्म निश्चित ही सुपरहिट होगी और भारतीय सिनेमा की बेहतरीन फिल्मों में अपना स्थान बनाएगी। निर्देशक और पटकथा लेखन, दोनों आदित्य धर ने किया, वे निश्चित ही बधाई के पात्र हैं और पुरस्कार के भी।

जंजीर जिसने बदल दी अमिताभ बच्चन की तकदीर

11 मई 1973 को रिलीज हुई 'जंजीर' एक ऐसी फिल्म थी, जिसने अमिताभ बच्चन के करियर को पूरी तरह से बदलकर, उन्हें बॉलीवुड में एंग्री यंग मैन के रूप में स्थापित किया। इस फिल्म ने फिल्म इंडस्ट्री को एक नया सुपरस्टार दिया। गौरतलब है कि सलीम-जावेद द्वारा लिखित और प्रकाश मेहरा द्वारा निर्देशित इस फिल्म को पहले कई बड़े अभिनेताओं ने ठुकरा दिया था। जावेद अख्तर ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जंजीर धर्मेंद्र को लेकर लिखी गई थी, लेकिन धर्मेंद्र ने किन्हीं कारणों से फिल्म करने से मनाकर दिया था।

अमिताभ बच्चन ने 1969 में फिल्म 'सात हिंदुस्तानी' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उनकी 11 फिल्में रिलीज हुई, जिनमें भुवन सोम, परवाना, रेशमा और शेरा, प्यार का घर आदि शामिल हैं, पर कोई भी बड़ी हिट साबित नहीं हुई। 1971 में आई फिल्म आनंद जरूर सफल रही पर सारा क्रेडिट राजेश खन्ना ले गए।

जंजीर में इंस्पेक्टर विजय खन्ना के किरदार ने अमिताभ बच्चन को एक गुस्सैल, कड़क पुलिस अधिकारी के रूप में पेश किया, जिसे तब के युवा दर्शकों ने खूब पसंद किया और फिल्म की सफलता के बाद अमिताभ ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस फिल्म के बाद अमिताभ बच्चन की तकदीर बदल गई और उन्होंने कई हिट फिल्में दीं। फिल्म में अमिताभ बच्चन और प्राण पर फिल्माया गया गाना 'यारी है ईमान मेरी' आज भी बहुत पसंद किया जाता है।

दीपक नौगांई
लेखक, हल्द्वानी

अमिताभ बच्चन को जंजीर इतनी आसानी से नहीं मिली। वे इस फिल्म के लिए पहली पसंद तो कतई नहीं थे। इससे पहले उनकी कई फिल्में फ्लॉप हो चुकी थीं। धर्मेंद्र के बाद राजकुमार और देवानंद ने भी निजी कारणों से फिल्म करने से मनाकर दिया था। एक दिन प्रकाश मेहरा 'मुंबई टू गोवा' फिल्म देख रहे थे। अमिताभ की एक्टिंग देख उन्होंने तय किया कि उनकी फिल्म के हीरो वही होंगे। कहते हैं कि प्राण ने भी प्रकाश मेहरा को अमिताभ बच्चन का नाम सुझाया था।

जंजीर की कहानी सलीम खान और जावेद अख्तर की मशहूर जोड़ी ने लिखी थी। फिल्म की कहानी, डायलॉग और सीन लोगों को इतने पसंद आए की फिल्म सुपरहिट साबित हुई और अमिताभ भी रातों-रात स्टार बन गए। इसके बाद इस जोड़ी ने अमिताभ के साथ कई हिट फिल्में दीं, जिनमें शोले, दीवार, काला पत्थर, शान, त्रिशूल, डॉन आदि शामिल हैं। जंजीर में अमिताभ बच्चन इंस्पेक्टर विजय खन्ना के रोल में थे, जबकि जया बच्चन उनकी प्रेमिका माला तथा प्राण ने शेर खान का रोल निभाया था। इनके अतिरिक्त इस फिल्म में अजीत, ओमप्रकाश, इफ्तिखार, केस्टो मुखर्जी, बिंदु आदि कलाकार भी शामिल थे। फिल्म में संगीत कल्याण जी आनंद जी का था।

यह फिल्म लगभग 90 लाख की बजट में बनी थी और इस फिल्म ने 17 करोड़ से ज्यादा की कमाई की। फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई। जंजीर के लिए उस साल अमिताभ बच्चन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए फिल्म फेयर पुरस्कार के लिए भी नामांकित किया गया था, लेकिन पुरस्कार बॉबी के लिए ऋषि कपूर को मिला था।

शेयर बाजारों पर वैश्विक कारकों का असर जारी रहेगा

मुंबई। पिछले सप्ताह मामूली बदलाव के बाद आने वाले सप्ताह में भी घरेलू शेयर बाजारों पर वैश्विक कारकों का असर जारी रहेगा। निवेशकों की नजर पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की कीमतों पर रहेगी। साथ ही घरेलू अर्थव्यवस्था पर पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव का भी वे आंकलन करेंगे। अभी ईरान युद्ध शुरू होने के बाद का कोई वृहद आर्थिक आंकड़ा नहीं आया है।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 2020, फ़ॉर्चून कि. 2600, रविन्द्रा 2575, फॉर्चुन 13 किग्रा 2300, जय जवान 2155, सचिन 2300, सूरज 2155, अवसर 2080, उजाला 2190, गृहणी 13 किग्रा 2145, क्लासिक (किग्रा) 2455, मोर 2360, चक्र टिन 2535, ब्लू 2395, आशीर्वाद मस्टर्ड 2430, स्वास्तिक 2520

किराना : निजामाबाद हल्दी 16600, जीरा 26500, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 12000–13000, अजवायान 14000–19000, मेथी 7000–8000 सौंफ 11000–20000, सोंठ 33000, **प्रति किलो :** लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किशमिश पीली 330–380, मखाना 900–1050

चावल प्रति कुंटल : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8800, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8800, गौरी प्रीमियम 10300, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7350–9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100–11800, अरहर कोरी छोटी 12800

चीनी : पीलीभीत 4320, बहेड़ी 4280

बरेली सर्राफा

सोना प्रति 10 ग्राम : पक्के जेवर 147500, गिन्नी 143500, **चांदी प्रति किलो :** पक्की 222900 (अनुमानित)

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती 3200, मसूरी 1000, बासमती 7000–7600 परमल–1000–3200

दाल दलहन : काला चना 1800–3200 साबुत चना दाल 1000, मूंग साबुत 5400, राजमा 7200–11800, दाल उड़द 5600, साबुत मसूर दाल 2800, मसूर दाल 1200, उड़द साबुत 10300, काबुली चना 5600–10200 अरहर दाल 10400–12200, लोबिया/करमानी 1600–3000

स्कोडा ऑटो का बिक्री में 12%वृद्धि का लक्ष्य

नई दिल्ली। चेक वाहन ब्रांड स्कोडा इस साल भारत में '10 उत्पादों में कुछ बदलाव' और देश में नेटवर्क के विस्तार के जरिये बिक्री में 12 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रहा है। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक आशीष गुप्ता ने कहा, 'कंपनी ने मध्यम आकार के मॉडल एसयूवी कुशाक का नया संस्करण पेश किया है।

कच्चे तेल की महंगाई का भारत पर पड़ सकता है गंभीर आर्थिक प्रभाव : रिपोर्ट

वैश्विक आपूर्ति बाधित होने से सेमीकंडक्टर, निर्माण और उर्वरक क्षेत्र पर बढ़ेगा संकट

नई दिल्ली, एजेंसी

खाड़ी क्षेत्र में जारी तनाव और संभावित व्यवधानों के कारण कई प्रमुख क्षेत्रों में वैश्विक आपूर्ति संकट उत्पन्न हो सकता है, जिसका असर सेमीकंडक्टर और निर्माण जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों पर पड़ सकता है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर कच्चे तेल की ऊंची कीमतें बनी रहती हैं तो भारत पर इसका व्यापक आर्थिक प्रभाव गंभीर हो सकता है। सेमीकंडक्टर और निर्माण क्षेत्रों पर असर पड़ने के साथ उर्वरक आपूर्ति बाधित होने से कृषि लागत भी बढ़ सकती है।

डैम कैपिटल एडवाइजर्स की एक रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, इस संकट से हीलियम, सल्फर, मेथनॉल और एल्युमिनियम जैसी वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जिससे सेमीकंडक्टर निर्माण, उर्वरक और निर्माण जैसे उद्योगों पर असर पड़ेगा। उर्वरक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधा आने से कृषि लागत बढ़ सकती है और इसका असर खाद्य सुरक्षा पर भी पड़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कच्चे तेल की उपलब्धता अल्पावधि में संभालने योग्य रह सकती है, लेकिन एलपीजी, नैफ्था, एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) और गैस ऑयल जैसे पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति पर दबाव बढ़ेगा, क्योंकि रिफाइनिंग क्षमता सीमित है। साथ ही, वैश्विक एलएनजी आपूर्ति का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आता है, जिससे प्राकृतिक गैस बाजार में भी दिक्कत आ सकती है।

डैम कैपिटल एडवाइजर्स का दावा

दो महीने संघर्ष जारी रहा तो देश में आ सकती है मंदी

रिपोर्ट में कहा गया है कि उच्च कीमतों से अपस्ट्रीम तेल एवं गैस कंपनियों को लाभ हो सकता है, जबकि डाउनस्ट्रीम कंपनियों, विशेषकर तेल विपणन कंपनियों पर मार्जिन का दबाव बढ़ेगा। विमानन क्षेत्र पर भी असर पड़ेगा, क्योंकि ईंधन लागत परिचालन खर्च का लगभग 40 प्रतिशत तक होती है। एफएमसीजी कंपनियों को पैकेजिंग लागत बढ़ने से दबाव झेलना पड़ सकता है, जबकि बुनियादी ढांचा और पूंजीगत व्यय भी प्रभावित हो सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वस्त्र, रसायन और उर्वरक जैसे उद्योगों पर लागत बढ़ने और आपूर्ति बाधित होने का असर पड़ेगा, हालांकि कुछ क्षेत्रों को अल्पकालिक इन्वेंट्री लाभ मिल सकता है। रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि यदि संघर्ष दो महीने से अधिक समय तक जारी रहता है, तो इससे गंभीर आपूर्ति संकट, लागत में वृद्धि और वैश्विक तथा भारतीय अर्थव्यवस्था में व्यापक मंदी का खतरा उत्पन्न हो सकता है।

- उर्वरक आपूर्ति बाधित होने से कृषि लागत के बढ़ने की भी आशंका

प्रति बैरल एक डॉलर बढ़ने से 100 अरब रुपये तक बढ़ सकता है राजकोषीय घाटा

प्रत्येक एक डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि से राजकोषीय घाटा लगभग 100 अरब रुपये तक बढ़ सकता है। यदि कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहती हैं तो महंगाई 4.5 प्रतिशत से अधिक हो सकती है और रुपये पर दबाव पड़ सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आयात निर्भरता, विशेषकर होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए, जोखिम को और बढ़ाती है। देश के लगभग 90 प्रतिशत एलपीजी आयात और 50 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल इसी मार्ग से आता है। जबकि कच्चे तेल की आपूर्ति वैकल्पिक स्रोतों और भंडार के कारण कुछ हद तक संभाली जा सकती है, एलपीजी की उपलब्धता सीमित भंडार के कारण अधिक संवेदनशील बनी हुई है।

फ्रिज, वाशिंग मशीन और एसी की 10 से 12% बढ़ सकती है कीमत

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण कच्चे माल, खासकर प्लास्टिक की कीमतें बढ़ रही हैं। साथ ही एलपीजी की आपूर्ति भी कम हो गई है, जिससे उत्पादन पर असर पड़ रहा है। कंपनियों का कहना है कि प्लास्टिक महंगा होने से वॉशिंग मशीन और फ्रिज जैसे बड़े घरेलू उपकरणों की कीमतें 10 से 12 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के उपकरण कारोबार के प्रमुख कमल नंदी ने कहा कि कंपनियां इस साल पहले ही कीमतें बढ़ा चुकी हैं, जब जनवरी से नए ऊर्जा लेबलिंग नियम लागू हुए। अब कच्चे माल और ढुलाई लागत बढ़ने के कारण अप्रैल में फिर से कीमतें बढ़ाई जा सकती हैं। गोदरेज ने एक अप्रैल से एसी की कीमतों में पांच से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी का संकेत दिया है। हायर इंडिया के अध्यक्ष एनएस सतीश ने बताया कि कारखानों को मिलने वाली एलपीजी गैस की आपूर्ति कम कर दी गई है। अगर यह स्थिति बनी रहती है तो गर्मी के व्यस्त सीजन से पहले उत्पादन में 20 से 30 प्रतिशत तक कटौती करनी पड़ सकती है। सरकार ने घरेलू रसोई गैस को प्राथमिकता देने के लिए उद्योगों को मिलने वाली एलपीजी आपूर्ति को उनकी औसत खपत के 80 प्रतिशत से घटाकर 65 प्रतिशत कर दिया है।

इससे एसी विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाली प्रक्रियाओं पर असर पड़ रहा है। सतीश ने यह भी कहा कि प्लास्टिक महंगा होने से कंपनियों की लागत बढ़ रही है और इसका असर ग्राहकों पर पड़ेगा।

- पश्चिम एशिया संकट के कारण कई उद्योगों पर पड़ रहा प्लास्टिक महंगा होने का असर

आधी क्षमता पर चल रहे भारत के यूरिया संयंत्र

नई दिल्ली। एलएनजी की आपूर्ति बाधित होने से देश के यूरिया संयंत्र आधी क्षमता पर चल रहे हैं। उद्योग सूत्रों ने बताया कि देश की सबसे बड़ा एलएनजी प्राप्त करने वाला टर्मिनल चलाने वाली पेट्रोनेट एलएनजी ने अपरिहार्य स्थिति की घोषणा की है। आपूर्तिकर्ताओं ने जलडमरूमध्य व्यवधान की वजह से कंपनी को अनुबंधित मात्रा में गैस आपूर्ति करने में असमर्थता जताई है। इस कदम से सरकारी गैस वितरक कंपनी गेल, आईओसी और बीपीसीएल ने आपूर्ति में कटौती शुरू कर दी है। ये कंपनियां रासगैस अनुबंध के तहत उर्वरक इकाइयों को गैस की आपूर्ति करती हैं। उद्योग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, गैस आपूर्ति सामान्य स्तर से घटाकर 60–65 प्रतिशत तक कर कर दी गई है। उन्होंने कहा कि कुछ इकाइयों के लिए प्रभावी आपूर्ति 50 प्रतिशत से नीचे आ गई है।

एथनॉल उद्योग ने पेट्रोल में मिश्रण के लिए की 20% से ज्यादा आपूर्ति की पेशकश

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन (एआईडीए) ने पेट्रोल के साथ 20 प्रतिशत से अधिक एथनॉल के मिश्रण की आपूर्ति की पेशकश की है। संघ का कहना है कि इससे भारत की आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता घटेगी।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को लिखे एक पत्र में एआईडीए की उप-महानिदेशक भारती बालाजी ने कहा कि एथनॉल उद्योग देश द्वारा पहले ही हासिल किए जा चुके ई 20 के लक्ष्य से आगे जाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, अब जबकि पश्चिम एशिया युद्ध में उलझा हुआ है और कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं तो हम एक एथनॉल उद्योग के तौर पर 20 प्रतिशत से अधिक की आपूर्ति करने के लिए तैयार हैं। इससे उसी मात्रा में कच्चे तेल का आयात कम होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के कदम से

- पश्चिम एशिया में संघर्ष के बीच आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम होने का किया दावा

सरकार को सुझाव

पेट्रोल में एथनॉल के मिश्रण का लक्ष्य 30 प्रतिशत तक बढ़ाएं

भारत ने अपना ई20 एथनॉल मिश्रण लक्ष्य (पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिलाना) 2025 में तय समय से पहले हासिल कर लिया है। यह लक्ष्य मोदी सरकार ने ईंधन आयात बिल कम करने और उत्सर्जन में कमी लाने के लिए तय किया था। एसोसिएशन ने मांग की है कि सरकार पेट्रोल में एथनॉल के मिश्रण की जरूरत को धीरे–धीरे 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ाए।

एथनॉल से चलने वाली गाड़ियों और कुकिंग स्टोव को दें बढ़ावा

इसके अलावा एआईडीए ने केंद्र सरकार से ब्राजील की तरह 100 प्रतिशत एथनॉल से चलने वाली फ्लेक्स–ईंधन गाड़ियां लाने, घरेलू और वाणिज्यिक इस्तेमाल के लिए एथनॉल आधारित कुकिंग स्टोव को बढ़ावा देने और खर्च को कम करने के लिए डीजल में एथनॉल मिलाने का रास्ता खोजने की डी मांग की है। एआईडीए ने कहा है, इससे संकट और कम होगा।

ऑल न्यू रेनॉल्ट डस्टर 2026 का अनावरण, खूबियां गिनाई

बरेली। शहर के प्रमुख ऑटोमोबाइल डीलर अंबे मोटर्स में रविवार को रेनॉल्ट की बहुप्रतीक्षित और प्रतिष्ठित एसयूवी, 'ऑल–न्यू रेनॉल्ट डस्टर 2026' को एक समारोह आयोजित कर लॉन्च किया गया। इस कार्यक्रम में राजनीति, समाज सेवा और ऑटोमोटिव उद्योग से जुड़ी कई हस्तियों ने शिरकत की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महापौर डॉ. उमेश गौतम, क्षेत्रीय भाजपा अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, विशिष्ट अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता पारुल डी. मलिक ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। संस्थान के निदेशक आनंद प्रकाश, सचिन भसीन, मनीष सहगल, अनमोल अग्रवाल, नवनीत प्रकाश और अरविंद अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में हस्तियों में भाजपा जिलाध्यक्ष अधीर सक्सेना, पूर्व विधायक विजय पाल सिंह. प्रशांत पटेल, राजा चावला, प्रखर चंद्रा, आदित्य मूर्ति, मन्त्र अरोड़ा और आकाश अरोड़ा भी मौजूद रहे।

- रेनॉल्ट के प्रमुख डीलर अंबे मोटर्स की ओर से आयोजित हुआ कार्यक्रम

लॉन्चिंग के दौरान बताया गया कि नई रेनॉल्ट का शक्तिशाली टर्बो पेट्रोल इंजन ड्राइविंग के अनुभव को और बेहतर बनाता है। अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित 10.1-इंच का टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट और डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले है। इसके साथ 6 एयरबैग और एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम जैसे हाईटेक सुरक्षा फीचर्स हैं। इसका पैनोरमिक सनरूफ और विशाल बूट स्पेस इसे लंबी यात्राओं के लिए आदर्श बनाता है। अंबे मोटर्स के सेल्स हेड विकास वर्मा ने बताया कि नई डस्टर के लिए बुकिंग शुरू हो चुकी है।

जून से शिपकी ला के जरिए फिर शुरू होगा भारत-तिब्बत व्यापार

शिमला। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय विकास एवं राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने रविवार को कहा कि किन्नौर स्थित शिपकी ला दर्रे के जरिए भारत-तिब्बत व्यापार इस साल जून से फिर शुरू होने के लिए तैयार है। इसे कोविड महामारी के कारण 2020 में स्थगित कर दिया गया था।

नेगी ने कहा कि सुरक्षा चिंताओं और अन्य कारकों के चलते पहले कई प्रतिबंध लागू थे, जिससे पर्यटक और व्यापारी इन क्षेत्रों तक नहीं पहुंच पा रहे थे। उन्होंने कहा कि पाबंदियों में ढील और व्यापार फिर से शुरू होने से किन्नौर और आसपास के क्षेत्रों में वाणिज्य को बढ़ावा मिलने और रोजगार सृजन की उम्मीद है। नेगी ने बताया कि पारंपरिक व्यापार कई वर्षों से अधर में लटका हुआ था और स्थानीय व्यापारिक संघ व संगठन इसे फिर से शुरू करने की मांग कर रहे थे।

भारतीय कंपनियां एआई अपनाने में आगे, पर विशेषज्ञता में काफी पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय कंपनियां कृत्रिम मेधा (एआई) को बड़े पैमाने पर अपनाने के मामले में अपने वैश्विक समकक्षों से आगे निकल रही हैं। हालांकि, एआई को तेजी से अपनाने के बावजूद इसमें एक महत्वपूर्ण क्षमता अंतराल भी दिखाई देता है, क्योंकि भारत में वैश्विक औसत की तुलना में एआई विशेषज्ञता का स्तर काफी कम है।

डेलॉयट की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। ज्यादातर संगठन अगले साल अपने एआई बजट में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।वर्ष 2026 की ''स्टेट ऑफ एआई इन द एंटरप्राइज'' रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय कंपनियां परीक्षण के दौर से आगे बढ़ते हुए प्रमुख कार्यों में बड़े पैमाने पर एआई को अपना रही हैं। डेलॉयट ने कहा, बड़े पैमाने पर एआई का उपयोग उत्पाद विकास (62 प्रतिशत), रणनीति और संचालन (56 प्रतिशत), विपणन और बिक्री (55 प्रतिशत) और आपूर्ति श्रृंखला (48 प्रतिशत) में सबसे मजबूत है। इससे संकेत मिलता है कि एआई तेजी से उन कार्यों में शामिल हो रहा है जो विकास, दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ को बढ़ावा देते हैं।

- डेलॉयट ने अपनी रिपोर्ट 'स्टेट ऑफ एआई इन द एंटरप्राइज' में साफ की स्थिति

रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 40 प्रतिशत भारतीय उत्तरदाताओं ने महत्वपूर्ण या पूर्ण एआई उपयोग की जानकारी दी है, जबकि वैश्विक औसत लगभग 28 प्रतिशत है। रिपोर्ट में 200 से अधिक व्यापारिक और प्रौद्योगिकी दिग्गजों की प्रतिक्रियाएं शामिल हैं। दूसरी ओर डेलॉयट ने पाया कि केवल 0-4 प्रतिशत भारतीय कंपनियों के पास उच्च स्तर की एआई विशेषज्ञता है, जो 2-8 प्रतिशत के वैश्विक औसत से काफी पीछे है।

छोटे शहरों में ईवी विंडसर की बिक्री बढ़ाएगी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के सबसे ज्यादा बिकने वाले इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मॉडल विंडसर की बिक्री में 70 प्रतिशत योगदान गैर महानगरों का है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है इसी का लाभ उठाकर और जागरूकता बढ़ाकर जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर अपनी बिक्री बढ़ाने का प्रयास कर रही है।

एमजी विंडसर को अक्टूबर, 2024 में पेश किया गया था। तब से अब तक इस मॉडल की कुल बिक्री लगभग 65,000 इकाई रही है। इस मॉडल की कुल बिक्री में से चार महानगरों दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई का हिस्सा 30 प्रतिशत रहा है। शेष भारत ने इसमें 70 प्रतिशत का योगदान दिया है। इस रुख पर जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी विनय रैना ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री शुरू में महानगरों में ही थी, जिसका मुख्य कारण कम जागरूकता और ऐसे उत्पाद की कमी थी जो सच में आम लोगों को पसंद आते । उन्होंने दावा किया, एमजी विंडसर के आने से यह माहौल बदल गया और यह मॉडल गैर–महानगर शहरों में ईवी की स्वीकार्यता बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह सही समय पर पेश किया गया सही उत्पाद था। इन बाजारों में ग्राहकों को एक टिकाऊ ड्राइविंग का अनुभव दिया गया है, जिससे उन्हें अच्छी–खासी बचत हुई।

शीर्ष 10 कंपनियों में से 5 का बाजार पूंजीकरण 1.02 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में एचडीएफसी बैंक रहा। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 30.96 अंक या 0.04 प्रतिशत नीचे आया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 36.6 अंक या 0.15 प्रतिशत टूट गया। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज़ (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत बढ़ गई। शीर्ष 10 में पांच कंपनियों का बाजार मूल्यांकन कुल 1,02,771.87 करोड़ रुपये कम हो गया।

असल स्थिति अभी परिदृश्य में नहीं

कच्चे तेल का अदृश्य संकट

हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई जैसे वैश्विक बेंचमार्क तेल बाजार की वास्तविक कमी और संकट को पूरी तरह नहीं दर्शा रहे हैं। यानी यह संकट उससे भी ज्यादा गहरा है जो वर्तमान में दिख रहा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कच्चे तेल का वास्तविक संकट वैश्विक स्तर पर परिलक्षित होने में कुछ समय लग सकता है लेकिन यह जब सामने आएगा तो वर्तमान संकट से भी ज्यादा गहरा होगा। रिपोर्ट के अनुसार, तेल की जो कीमतें फिलहाल स्क्रीन पर दिख रही हैं, वे जमीनी हकीकत से काफी अलग हैं। केवल ब्रेंट या डब्ल्यूटीआई चार्ट देखकर समझना कि तेल बाजार शांत है, भूल हो सकती है। असली महंगाई और किल्लत उन स्थानीय बाजारों और रिफाइंड प्रोडक्ट्स में दिख रही है, जो वैश्विक व्यापार की रीढ़ हैं।

इन्वेंट्री डेटा

बेंचमार्क कीमतें अक्सर साप्ताहिक इन्वेंट्री रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया करती हैं। यह डेटा पिछला होता है। वास्तविक समय में समुद्र में टैंकरों की आवाजाही, लोडिंग में देरी या किसी टर्मिनल पर तकनीकी खराबी जैसी भौतिक कमियों को ये बेंचमार्क कुछ दिनों की देरी से पकड़ते हैं।

बेंचमार्क बनाम फिजिकल मार्केट

- ब्लूमबर्ग और जेपी मॉर्गन का तर्क है कि ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई वायदा बाजार की कीमतों में क्षेत्रीय इन्वेंट्री और पॉलिसी हस्तक्षेप के कारण स्थिरता दिख रही है। लेकिन फिजिकल मार्केट जहां वास्तविक तेल खरीदा–बेचा जाता है, वहां स्थिति गंभीर है।
- मध्य पूर्व के बेंचमार्क जैसे दुबई और ओमान के नकद दाम 155 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गए हैं। यह अंतर बताता है कि खाड़ी देशों से आने वाले तेल की भारी कमी है, जो वैश्विक बेंचमार्क में अभी पूरी तरह प्राइस इन नहीं हुई है।

रिफाइंड उत्पादों में भारी महंगाई

- कच्चा तेल तो फिर भी 110 डॉलर के करीब है, लेकिन वास्तविक अर्थव्यवस्था जिस चीज का उपयोग करती है, जैसे डीजल, गैसोलीन और बंकर फ्यूल, उनकी कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर हैं।
- सिंगापुर में बंकर फ्यूल की कीमतें 140 से 175 डॉलर तक पहुंच गई हैं। इसे ऑयल क्राइसिस– 2.0 कहा जा रहा है, जहां कच्चे तेल और रिफाइंड उत्पाद के बीच का पारंपरिक संबंध टूट गया है।

अदृश्य संकट के कारण

- मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। इसके नतीजे आने बाकी हैं।
- शिपिंग लागत और बीमा प्रीमियम बढ़ गया है, जिससे तेल की वास्तविक कीमत बहुत अधिक हो गई है।

क्षेत्रीय सीमाओं का असर

- डब्ल्यूटीआई अमेरिका के ओक्लाहोमा में पाइपलाइन और स्टोरेज की स्थिति पर निर्भर करता है। अगर वहां स्टोरेज फुल है, तो कीमतें गिर सकती हैं, जबकि शेष दुनिया में तेल की भारी किल्लत हो सकती है।
- ब्रेंट उत्तरी सागर के तेल क्षेत्रों से जुड़ा है, जिनका उत्पादन धीरे–धीरे कम हो रहा है। यह पूरी दुनिया (खासकर एशिया और मध्य पूर्व) के 'हैवी' और 'सोर' क्रूड की कमी को सटीक रूप से नहीं दर्शाता।

विदेशी निवेशकों ने इस महीने निकाले 1,05,316 करोड़ रुपये

मुंबई, एजेंसी

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च के पहले तीन सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजार से शुद्ध रूप से 1,05,316 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले निवेशक फरवरी में शुद्ध रूप से लिवाल रहे थे, यानी उन्होंने जितना पैसा लगाया था उससे कम निकाला था।

एफपीआई ने मार्च में इक्विटी में अपना निवेश 88,180 करोड़ रुपये घटा दिया जो दिखाता है कि भारतीय शेयरों में अभी उनका विश्वास नहीं है। डेट, म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड उपकरणों में भी उनका निवेश नकारात्मक रहा है। डेट में उन्होंने शुद्ध रूप से 13,754 करोड़ रुपये और हाइब्रिड में 471 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। म्यूचुअल फंड में उनका निवेश 2,911.27 करोड़ रुपये कम हुआ। इससे पहले फरवरी में एफपीआई ने भारतीय पूंजी बाजार में 37,847 करोड़ रुपये लगाये थे।

- भारतीय शेयरों में फिलहाल विश्वास नहीं, इक्विटी में भी घटाया निवेश

एंजल वन के वरिष्ठ बुनियादी विश्लेषक वकारजावेद खान ने कहा कि एफपीआई की निकासी की मुख्य वजह पश्चिम एशिया तनाव है। इसके अलावा होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से कच्चे तेल का दाम 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गया है, जिससे एफपीआई जोखिम लेने से बच रहे हैं। बढ़ता अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल एफपीआई की निकासी की एक और बड़ी वजह है।

उपलब्धि

दिल्ली में लॉन्च किए गए स्वदेशी 'हाइप्ड संवादिनी' और 'जेनजेड कीबोर्ड'

विदेशी एप्स को टक्कर देंगे देश में विकसित एआई प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेशी एप्स को टक्कर देने के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में रविवार को दो स्वदेशी एआई आधारित एप्लिकेशन 'हाइप्ड संवादिनी' और 'जेनजेड कीबोर्ड' लॉन्च किए गए। इन एप्स को डेटा सुरक्षा, व्यक्तिगत गोपनीयता और साइबर धोखाधड़ी से बचाव को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।

इनका शुभारंभ अनुवादिनी एआई के अध्यक्ष अनिल सहत्रबुद्धे और मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. बुद्धा चंद्रशेखर ने किया। इस कार्यक्रम में तकनीकी विशेषज्ञ, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और मीडिया के लोग मौजूद रहे। डॉ. बुद्धा चंद्रशेखर ने कहा कि आज के डिजिटल दौर में डेटा सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। कई एप्स बिना अनुमति के उपयोगकर्ताओं का डेटा इकट्ठा करते हैं, जिससे सुरक्षा का खतरा बढ़ता है। ऐसे में सुरक्षित और स्वदेशी प्लेटफॉर्म की जरूरत को देखते हुए इन एप्स को विकसित किया गया है। उन्होंने बताया कि 'जेनजेड कीबोर्ड' में एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन, सिम और डिवाइस बाइंडिंग जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं, जो यूजर की पहचान को सुरक्षित रखते हैं और साइबर फ्रॉड को रोकने में मदद करते हैं। यह एप तेज, सुरक्षित और उपयोग में आसान है।

उन्होंने दावा किया कि यह प्लेटफॉर्म बड़े स्तर पर काम करने में सक्षम है और रोजाना करोड़ों यूजर्स का लोड संभाल सकता है।

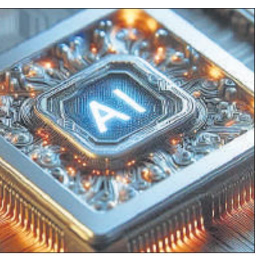

अलग-अलग भाषाओं के लोग आपस में आसानी से कर सकेंगे बातचीत

इन एप्स की खास बात यह है कि यह 22 भारतीय और कई विदेशी भाषाओं में संवाद की सुविधा देता है, जिससे अलग–अलग भाषाओं के लोग आसानी से बातचीत कर सकते हैं। यह अलग–अलग भाषाओं के बीच अपने आप अनुवाद कर संवाद को आसान बनाते हैं। उदाहरण के तौर पर, हिंदी और तमिल भाषी लोग भी आसानी से आपस में बात कर सकते हैं।

डेटा तेल और सोने जितना कीमती संसाधन : डॉ. अनिल सहस्रबुद्धे ने कहा कि आज के समय में डेटा तेल और सोने जितना कीमती संसाधन बन चुका है। उन्होंने कहा कि अधिकतर डिजिटल प्लेटफॉर्म विदेशी हैं, जिससे भारतीय यूजर्स का डेटा देश के बाहर चला जाता है। इस समस्या को देखते हुए इन स्वदेशी एप्स को विकसित किया गया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

श्रीलंका में फिर बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

कोलंबो। श्रीलंका ने अमेरिका-इज़रायल और ईरान के बीच जारी युद्ध के प्रभावों का सामना करने के लिए दो हफ़्तों में दूसरी बार ईंधन की कीमतें बढ़ा दी हैं। सामान्य पेट्रोल की कीमत 317 श्रीलंकाई रुपये से बढ़कर 398 रुपये प्रति लीटर हो गयी है, जबकि डीज़ल की कीमत 79 रुपये बढ़कर 382 रुपये के चौंकाने वाले स्तर पर पहुंच गयी है। सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के एक अधिकारी ने कहा, हमें उम्मीद है कि इस ताज़ा बढ़ोतरी से ईंधन की खपत में 15 से 20 प्रतिशत की कमी आएगी।

पांडिचेरी विवि में पद्मश्री पलानिवेल का सम्मान

पुडुचेरी। पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने पारंपरिक मार्शल आर्ट सिलंबम के मशहूर विशेषज्ञ पद्मश्री पलानिवेल को तमिलनाडु की देसी मार्शल विरासत को बचाने और बढ़ावा देने में उनके शानदार योगदान के लिए सम्मानित किया। उन्हें इस कला के प्रति उनके जीवन भर के समर्पण और योगदान और युवा पीढ़ी को इस सांस्कृतिक विरासत को अपनाने के लिए प्रेरित करने के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर सांस्कृतिक संयोजक प्रो. श्रीकला ने भारतीय संस्कृति और परंपरा की भावना का जश्न मनाने में इस कार्यक्रम की अहमियत पर ज़ोर दिया।

ईरान ने जापानी के एक नागरिक को किया रिहा

तोक्यो। जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने रविवार को बताया कि ईरान में हिरासत में लिए गए दो जापानी नागरिकों में से एक को रिहा कर दिया गया है। मोतेगी ने 'फूजी टेलीविजन' के एक 'टॉक शो' में कहा कि यह व्यक्ति पिछले साल से हिरासत में था और उसे बुधवार को रिहा किया गया। उन्होंने बताया कि इस साल की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया एक अन्य जापानी नागरिक अब भी हिरासत में है। जो व्यक्ति ईरान में अब हिरासत में है वह जापान के सार्वजनिक प्रसारणकर्ता का एक पत्रकार है।

ईरान में मृतक संख्या 1,500 के पार पहुंची

काहिरा। अमेरिका और इजराइल द्वारा हमले शुरू किए जाने के बाद से ईरान में युद्ध के दौरान 1,500 से अधिक लोग मारे गए हैं। सरकारी प्रसारणकर्ता ने स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से यह जानकारी दी। इस बीच, रमजान समाप्त होने के दौरान ईरान की राजधानी में भारी हवाई हमले हुए। पश्चिम एशिया में युद्ध के चौथे सप्ताह भी जारी है।

कतर में हेलीकॉप्टर हुआ क्रैश, छह लोगों की मौत

दोहा, एजेंसी

- **एक व्यक्ति लापता, बचाव अभियान अभी जारी**

कतर के क्षेत्रीय समुद्री जलक्षेत्र में तकनीकी खराबी के कारण हुए हेलीकॉप्टर हादसे में तुर्की के तीन नागरिकों सहित छह लोगों की मौत हो गई है। कतर के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सात में से छह लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि एक व्यक्ति अब भी लापता है और उसकी तलाश जारी है।

तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उनके एक सैनिक और हथियार बनाने वाली कंपनी आसेलसन के दो तकनीशियनों सहित सात लोगों की दुर्घटना में मौत हो गई। दुर्घटना के कारण का पता जांच के बाद ही लग पाएगा। कतर के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को पहले बताया था कि नियमित ड्यूटी के दौरान कतर के एक हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने से वह समुद्र में जा गिरा। हादसे के तुरंत बाद खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। आंतरिक मंत्रालय ने कुछ घंटों बाद जानकारी दी कि जारी तलाशी अभियान के दौरान हेलीकॉप्टर में सवार सात में से छह लोगों को खोज लिया गया है, जिनकी मृत्यु की पुष्टि हो चुकी है। शेष एक लापता व्यक्ति की तलाश के लिए विशेष टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। मंत्रालय के अनुसार, दुर्घटना के बाद व्यापक खोज अभियान चलाया जा रहा है।

जंग में अमेरिका को लगा तगड़ा झटका

एफ-35 का मारा जाना

आधुनिक युद्धक विमानों के इतिहास में 19 और 20 मार्च, 2026 की तारीखें एक ऐतिहासिक मोड़ के रूप में दर्ज की गई हैं। जिसे दुनिया आसमान का भूत कहती थी और जिसे अजेय मानकर अमेरिकी वायुसेना अपनी श्रेष्ठता का दंभ भरती थी, उस एफ-35 के सुरक्षा कवच में ईरान ने सेंध लगा दी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने पुष्टि की है कि एक एफ-35 विमान को ईरानी हमले के कारण आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। लेकिन ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स ने दावा है कि उन्होंने विमान को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त किया है और इसके क्रैश होने की संभावना बहुत अधिक है। यह घटना केवल एक विमान के क्षतिग्रस्त होने की खबर नहीं है, बल्कि उस अरबों डॉलर की स्टेल्थ टेक्नोलॉजी पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न है, जिसे अब तक कोई भी रडार पकड़ने में नाकाम रहा था।

एफ-35 की अजेयता का रहस्य

- अदृश्य स्टेल्थ : इसके डिजाइन में सपाट सतहों और समकोणों को खत्म कर दिया गया है ताकि रडार की तरंगें टकराकर वापस न जाएं। इस पर एक विशेष रडार-अवशोषक सामग्री (रैम) की कोटिंग होती है जो इसे रडार स्क्रीन पर एक चिड़िया जितना छोटा दिखाती है।
- सेंसर फ्यूजन : एफ-35 को फ्लाइंग कंप्यूटर कहा जाता है। यह अपने रडार, इन्फ्रारेड और इलेक्ट्रॉनिक सेंसर से मिलने वाले डेटा को एक साथ जोड़कर पायलट को 360-डिग्री की जानकारी देता है।
- इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर : इसमें एक शक्तिशाली इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली है जो दुश्मन के रडार को जाम कर सकती है, जिससे इसे निशाना बनाना लगभग असंभव माना जाता था।

ईरान की तकनीक : कैसे किया शिकार

- स्वदेशी तकनीक : ईरान ने दावा किया है कि उसने एफ-35 को गिराने के लिए अपनी स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान ने पैसिव इन्फ्रारेड सेंसर तकनीक का उपयोग किया है।
- हीट ट्रैकिंग : रडार की जगह ईरान के एडी-08 माजिद एयर डिफेंस सिस्टम ने विमान के इंजन से निकलने वाली गर्मी को ट्रैक किया।
- बिना सिग्नल का हमला : रडार आधारित सिस्टम तरंगें भेजते हैं जिससे विमान को पता चल जाता है कि उसे ट्रैक किया जा रहा है। लेकिन पैसिव इन्फ्रारेड सिस्टम कोई तरंग नहीं छोड़ता, इसलिए एफ-35 के पायलट को पता ही नहीं चला कि वह निशाने पर है।
- पहले का अनुभव : इस तरह की तकनीक का उपयोग यमन में हूतियों द्वारा भी किया जा चुका है, जहां उन्होंने अमेरिकी ड्रोनों को निशाना बनाया था।

किन देशों के पास है ऐसा विमान

- एफ-22 रैप्टर (अमेरिका) : यह दुनिया का सबसे बेहतरीन एयर-सुपीरियरिटी फाइटर माना जाता है, लेकिन इसे अमेरिका किसी भी दूसरे देश को नहीं बेचता।
- जे-20 माइटी ड्रैगन (चीन) : चीन का पांचवीं पीढ़ी का विमान जो एफ-35 का मुख्य प्रतिस्पर्धी है।
- एसयू-57 फेलान (रूस) : रूस का स्टेल्थ फाइटर जो अपनी गति और चपलता के लिए जाना जाता है।
- जे-35 (चीन) : यह चीन का नया स्टेल्थ विमान है।

साख को क्षति

- एफ-35 का शिकार होना अमेरिका के लिए एक वित्तीय नुकसान नहीं बल्कि वैश्विक छवि का संकट है। दुनिया यह मानने लगी है कि अमेरिकी स्टेल्थ तकनीक को सस्ते और स्वदेशी हीट-सीकिंग मिसाइलों से भी भेदा जा सकता है।

जेंडर परिभाषा पर भारत रहा तटस्थ संरा में टूटी आम सहमति की परंपरा

यूएन महिला आयोग : अमेरिका की जिद पर उत्पन्न हुआ तीखा गतिरोध, हुई वोटिंग

- **यौन और प्रजनन स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील मुद्दों पर रही तल्खी**

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र में महिलाओं की स्थिति पर आयोग (सीएसडब्लू) का हालिया सत्र महिलाओं के अधिकारों और न्याय तक पहुंच जैसे गंभीर विषयों पर गहरे कूटनीतिक विभाजन का गवाह बना। दशकों से चली आ रही आम सहमति की परंपरा तब टूट गई, जब जेंडर की परिभाषा और यौन व प्रजनन स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील मुद्दों पर सदस्य देशों के बीच तीखा गतिरोध पैदा हो गया।

अमेरिका के पेश किए गए संशोधनों और उस पर बेल्जियम के लाए गए नो एक्शन मोशन ने माहौल को तल्खियों से भर दिया। इसके परिणामस्वरूप मुख्य निष्कर्षों को सर्वसम्मति के बजाय मतदान के जरिये अपनाना पड़ा। इस ऐतिहासिक खींचतान के बीच, भारत सहित छह देशों ने मतदान से दूरी बनाए रखी, जो वैश्विक मंच पर सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दों और बहुपक्षवाद के भविष्य पर उठते बड़े सवालों की ओर इशारा करता है। संयुक्त राष्ट्र में महिलाओं की स्थिति पर आयोग (सीएसडब्लू) के हाल ही में आयोजित 70वां सत्र मुख्य रूप से जेंडर की परिभाषा, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य और संप्रभुता जैसे विषयों पर सदस्य देशों के बीच गहरे मतभेद सामने आए। सत्र की शुरुआत में ही एक अभूतपूर्व घटना घटी। इस वर्ष का मुख्य विषय सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करना और उसे मजबूत करना था। आमतौर पर आयोग के निष्कर्ष सर्वसम्मति से स्वीकार किए जाते हैं, लेकिन पेश किए गए संशोधनों को इस बार अमेरिका के खारिज करने के बाद, निष्कर्षों को मतदान के जरिये अपनाना पड़ा। इसमें 37 देशों ने पक्ष में मतदान किया, जबकि अमेरिका ने विरोध में और भारत समेत छह देशों ने मतदान नहीं किया। सत्र के अंतिम दिन पाकिस्तान, नाइजीरिया और सेनेगल जैसे देशों ने मतदान के जरिये निर्णय लेने की प्रक्रिया पर चिंता जताई। इन देशों का मानना था कि मतदान से निष्कर्ष निकालना बहुपक्षवाद के सिद्धांतों के खिलाफ है। पाकिस्तान ने स्पष्ट किया कि हालांकि प्रस्ताव का वह समर्थन करता है, लेकिन यह सभी देशों की साझा सहमति को नहीं दर्शाता। वहीं, वेटिकन ने 'जेंडर' और 'प्रजनन अधिकार' जैसे शब्दों के इस्तेमाल पर अपनी पुरानी आपत्तियों को दोहराया।

अमेरिकी प्रस्ताव को बिना चर्चा के किया खारिज

सत्र के दौरान सबसे बड़ा विवाद अमेरिका के पेश किए गए प्रस्ताव को लेकर हुआ। इसमें जेंडर शब्द की सीमित और रूढ़िवादी व्याख्या करने की कोशिश की गयी थी। बेल्जियम ने यूरोपीय संघ की ओर से इस पर नो एक्शन मोशन पेश किया। इसका अर्थ था कि इस प्रस्ताव पर कोई चर्चा ही न की जाए। बेल्जियम का तर्क था कि यह प्रस्ताव 30 साल पहले बीजिंग घोषणापत्र में तय की गई परिभाषाओं को बदलने और वैश्विक प्रगति को पीछे ले जाने की कोशिश है। अंतत: 23 मतों के साथ इस मोशन को मंजूरी मिली और अमेरिकी प्रस्ताव को बिना चर्चा के खारिज कर दिया गया।

भारत का रुख सुस्पष्ट रहा

सत्र के दौरान न्याय तक पहुंच से जुड़े मुख्य निष्कर्षों पर भारत का पारंपरिक और सुस्पष्ट रुख यह रहा है कि महिलाओं के अधिकारों जैसे संवेदनशील वैश्विक विषयों पर निर्णय मतदान के बजाय आम सहमति के आधार पर लिए जाने चाहिए, क्योंकि मतदान सदस्य देशों के बीच विभाजन पैदा करता है। भारत ने महिलाओं के उत्थान के मूल उद्देश्यों का तो समर्थन किया, लेकिन जेंडर और प्रजनन स्वास्थ्य जैसी शब्दावलियों पर थोपी जाने वाली परिभाषाओं और मतभेदों के कारण खुद को मतदान से दूर रखा।

ईओडब्ल्यू का अधिकारी बनकर 9.5 लाख की ठगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में प्रतिरूपण कर ठगी और ब्लैकमेलिंग के एक गंभीर मामले में पुलिस ने रविवार को एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना राखी में दर्ज इस प्रकरण में आरोपी ने स्वयं को आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) का अधिकारी बताकर एक सेवानिवृत्त अधिकारी से 9.5 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस के अनुसार, देवलाल सिंह टेकाम, जो लोक निर्माण विभाग से अधीक्षण अभियंता पद से सेवानिवृत्त हैं, को 28 जनवरी 2026 को अज्ञात मोबाइल नंबरों से कॉल कर यह बताया गया कि उनके खिलाफ सतर्कता विभाग, एसीबी एवं ईओडब्ल्यू में शिकायत दर्ज है। प्रारंभिक जांच में ये कॉल साइबर ठगी के उद्देश्य से किये गये पाए गए। इस संबंध में प्रार्थी ने अपने परिचित धर्मेन्द्र को जानकारी दी।

छत्तीसगढ़ में रोप-वे ट्राली टूटी, एक महिला की मौत

महासमुंद, एजेंसी

- **महासमुंद जिले में खल्लारी मंदिर में हुए हादसे में छह अन्य**

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में एक पहाड़ी मंदिर से नीचे उतरते समय रोपवे ट्रॉली के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण एक महिला की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हुए। बागबाहरा की उपमंडल मजिस्ट्रेट नमिता मारकोले ने बताया कि हादसा सुबह करीब 10 बजे उस समय हुआ, जब पहाड़ी से सात यात्रियों को नीचे लाते समय ट्रॉली का केबल टूट गया।

इससे पहले ट्रॉली में आठ लोगों के सवार होने की सूचना दी गई थी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने घटना पर दुख व्यक्त किया और इसकी विस्तृत जांच के आदेश दिए। अधिकारियों के अनुसार ट्रॉली करीब 200 से 300 फुट की ऊंचाई से नीचे आ गिरी। घटना नौ दिवसीय नवरात्रि उत्सव के दौरान बागबाहरा तहसील के खल्लारी (भीमखोज) गांव स्थित खल्लारी माता मंदिर में हुई। लगभग 1,100 फुट की ऊंचाई पर स्थित इस पहाड़ी मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालु आमतौर पर रोपवे सेवा का उपयोग करते हैं, जबकि करीब 900 सीढ़ियां चढ़कर भी मंदिर तक पहुंचा जा सकता है। एसडीएम ने बताया कि रायपुर निवासी आयुषी सतकार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पति ऋषभ धवरे और रिश्तेदार छायांश धवरे समेत छह लोग घायल हो गए। अन्य घायलों की पहचान गोविंद स्वामी , नमिता स्वामी और कुष्मिता स्वामी तथा मानशवी गोदारिया के रूप में हुई है। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सूडान के अस्पताल पर हमले में 64 लोगों की मौत

जिनेवा/खार्तूम। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सूडान में स्वास्थ्य सेवाओं पर एक और हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि पूर्वी दारफुर प्रांत की राजधानी अल-दईन स्थित अल-दईन टीचिंग अस्पताल पर हुए हमले में कम से कम 64 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 13 बच्चे, दो महिला नर्स, एक पुरुष डॉक्टर और कई मरीज शामिल हैं। डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेड्रोस अदनोम घेब्रेयेसुस ने कहा कि इस घटना के साथ ही सूडान में युद्ध के दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं पर हमलों में मरने वालों की संख्या 2000 के पार पहुंच गई है। संगठन के अनुसार, करीब तीन साल से जारी संघर्ष के दौरान अब तक 213 हमलों में 2036 लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि ताजा हमले में 89 लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें आठ स्वास्थ्यकर्मी शामिल हैं। हमले में अस्पताल के शिशु, मातृत्व और आपातकालीन विभागों को भारी नुकसान पहुंचा है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, अब तक स्वास्थ्य सेवाओं पर हमलों में 720 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं।

पांच राज्यों में होंगे विस चुनाव महासंग्राम

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक नीत गठबंधन से अलग हुई टीवीके

चेन्नई, एजेंसी

- **सत्ताधारी दल के बड़े भाई वाले रवैये का किया विरोध**

तमिलनाडु में तमिलगा वाझ्वुरिमई काची' (टीवीके) ने रविवार को सत्ताधारी द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन से अलग होने की घोषणा की। टीवीके ने सत्ताधारी दल के 'बड़े भाई' वाले रवैये का विरोध किया और स्टालिन सरकार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों द्वारा चलाए जाने का आरोप लगाया।

वहीं, मार्क्सवादी पार्टी ने अभी तक मुख्यमंत्री द्वारा 23 अप्रैल को होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में लड़ने के लिए दी गयी पांच सीटों की पेशकश पर कोई फैसला नहीं लिया है। मार्क्सवादियों और दलित संगठन 'विदुथलाई चिरुथाइगल काची' (वीसीके) की ओर ज़्यादा सीटों की मांग के चलते द्रमुक के लिए सीटों के बंटवारे की प्रक्रिया पूरी करना मुश्किल होता जा रहा है।

द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन में 'वन्नियार' समुदाय का चेहरा माने जाने वाले टीवीके के संस्थापक-अध्यक्ष टी. वेलमुरुगन ने यहां कहा कि हमारे प्रति द्रमुक का रवैया 'बड़े भाई' जैसा था। हम अपनी पार्टी के साथ इस तरह के बर्ताव को बर्दाश्त नहीं कर सकते। हम गठबंधन इसलिए नहीं छोड़ रहे हैं कि पिछली बार के मुकाबले ज़्यादा सीटों की हमारी मांग ठुकरा दी गई, बल्कि इसलिए छोड़ रहे हैं क्योंकि हमारी 10-सूत्रीय मांगों का चार्टर स्वीकार नहीं किया गया। तमिल राष्ट्रवाद का समर्थन करने वाली टीवीके का जनाधार अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) वन्नियार समुदाय के बीच है, खासकर कुड्डालोर, नेवेली और चिदंबरम के साथ-साथ विलुप्पुरम ज़िलों में। यह पार्टी सत्ताधारी द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के खिलाफ चुनावी समीकरणों को बदलने की क्षमता रखती है। कुड्डालोर ज़िले के पनरुति से मौजूदा विधायक टी. वेलमुरुगन ने हम 2019 के लोकसभा चुनावों से ही द्रमुक के साथ हैं। सीटों के बंटवारे पर पहली बातचीत के दौरान द्रमुक ने हमें सिर्फ़ एक सीट देने की पेशकश की थी, लेकिन हमने और सीटों की मांग की। हमने अपनी मांगों का एक चार्टर भी सौंपा था, जिसमें तमिल लोगों को रोज़गार में प्राथमिकता देने के लिए कानून बनाना, सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना करवाना और अन्य मांगों के साथ-साथ वन्नियार समुदाय के लिए 10.5 प्रतिशत का विशेष आरक्षण तय करना शामिल था। सरकार ने हमारी इन मांगों को नज़रअंदाज़ कर दिया है। उन्होंने इन्हीं बातों को कई पार्टियों वाले और मज़बूत द्रमुक नीत एसपीए को छोड़ने की वजह बतायी।

निर्वाचन आयोग ने बंगाल में बढ़ाई निगरानी

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में निर्वाचन आयोग के चुनावी तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी बढ़ाए जाने के मद्देनजर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार से राज्य भर के थानों का दौरा शुरू कर दिया। वरिष्ठ अधिकारी इस दौरान थाना प्रभारियों को स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपायों के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि आयोग के निर्देशों के अनुरूप आगामी चुनाव से पहले कानून व्यवस्था की समीक्षा के लिए पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों ने थानों का दौरा शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया,वरिष्ठ अधिकारियों को जमीनी स्तर पर आकलन करने और स्थानीय पुलिस इकाइयों को मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए गए हैं ताकि शांतिपूर्ण, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके। अधिकारी ने बताया,पुलिस अधिकारियों से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे भय और हिंसा से मुक्त वातावरण बनाए रखने के लिए कड़ा संदेश दें। हमारा ध्यान मतदाताओं में विश्वास जगाने और किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने पर है। इस प्रक्रिया के तहत, कोलकाता पुलिस आयुक्त अजय नंद ने भांगर थाने का दौरा किया और संभाग के अधिकारियों के साथ बैठकें कीं, जिसमें उन्होंने उन्हें आयोग के दिशानिर्देशों के बारे में जानकारी दी।

नंद ने बताया,सभी अधिकारियों को जानकारी दे दी गई है। मतदाताओं को बिना किसी डर के अपना वोट डालने में सक्षम होना चाहिए। यही हमारा मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि विश्वास बढ़ाने और सुरक्षा के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया, "हमने संवेदनशील क्षेत्रों, बस्तियों व व्यक्तियों की पहचान करने और उनसे संपर्क करने जैसे कई कदम उठाए हैं। प्रेसिडेंसी रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक कंकर प्रसाद बरुई ने नरेंद्रपुर, सोनारपुर और बरुईपुर थानों का दौरा किया तथा विशेष रूप से कोलकाता के निकट ग्रामीण बूथों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। बरुई ने बताया, चुनाव की घोषणा के बाद हमने तैयारियों की समीक्षा की है। सुचारू मतदान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपायों पर भी चर्चा हुई। हर पहलू की जांच की गई है।

केरल में भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ प्राथमिकी

त्रिशूर। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केरल विधानसभा चुनाव में गुरुवायूर से पार्टी उम्मीदवार बी गोपालकृष्णन के खिलाफ एक प्रचार वीडियो में कथित तौर पर सांप्रदायिक टिप्पणी करने के मामले में रविवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि गुरुवायूर निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव अधिकारी की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि गोपालकृष्णन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 192 और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125 के तहत मामला दर्ज किया गया है। बीएनएस की धारा 192 जानबूझकर दंगा भड़काने के इरादे से उकसाने से जुड़ी है जबकि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125 चुनाव के संबंध में वर्गों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देने से जुड़ी है। सूत्रों ने बताया कि निर्वाचन आयोग के हस्तक्षेप के बाद मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि आपत्तिजनक टिप्पणियों वाले वीडियो को हटाने के लिए पुलिस के साइबर प्रकोष्ठ को निर्देश दे दिए गए हैं। यह घटनाक्रम चुनाव गोपालकृष्णन द्वारा कथित तौर पर की गई टिप्पणियों को लेकर पैदा हुए राजनीतिक विवाद के बीच आया है। राज्य में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)और विपक्षी कांग्रेस ने उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए निर्वाचन आयोग से संपर्क किया था।

असम में कांग्रेस की 7 और प्रत्याशियों की सूची

नई दिल्ली। कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को सात उम्मीदवारों की पांचवीं और अंतिम सूची जारी की। कांग्रेस ने इसी के साथ 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए अपने 101 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने आसन्न असम विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों का चयन कर लिया है। कांग्रेस द्वारा घोषित उम्मीदवारों की अंतिम सूची के मुताबिक गोसाईगांव सीट से जोसेफ हसदा को, डोटमा (एसटी) से बिरखांग बोरो को, बिजनि से रजत कांति साहा और भेरगांव सीट से आंचुला ग्वारा दायमारी को प्रत्याशी बनाया गया है। पार्टी ने नारायण अधिकारी को माज़बत से, निर्मल लंगथासा को हाफलोंग (एसटी) से और अमर चंद जैन को कटिगोरा विधानसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार घोषित किया है। कांग्रेस ने शुक्रवार को सात उम्मीदवारों की अपनी चौथी सूची जारी की थी, जिसमें एक मौजूदा विधायक का टिकट काट दिया गया था और उसके नेतृत्व वाले गठबंधन में सहयोगी रायजोर दल के लिए 11 सीटें छोड़ी गई हैं। राज्य में कांग्रेस नीत गठबंधन में छह दल है और उसने 15 सीट सहयोगियों के लिए छोड़ी है। असम विधानसभा के लिए नौ अप्रैल को मतदान होगा जबकि मतगणना के लिए चार मई की तारीख तय की गई है।

वोट की आस में उम्मीदवार बेल रहे रोटियां

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में इन दिनों विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान उम्मीदवार परंपरागत भाषणों या नारों से आगे बढ़कर जनता से सीधे जुड़ने का प्रयास करते हुए घर में रोटियां बेलते, दुकान में दाढ़ी बनाते और भजन गाते भी नजर आ रहे हैं। हुगली की रसोई से लेकर बीरभूम के सड़क किनारे नाई की दुकान और झाड़ग्राम के कीर्तन सभाओं तक, विभिन्न दलों के उम्मीदवार पारंपरिक रैली मंच से हटकर सीधे लोगों के रोजमर्रा के जीवन से जुड़ रहे हैं। हुगली के पुरसुराह में, तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार पार्थ हजारी को हाल ही में एक मतदाता के घर की रसोई में देखा गया, जहां गैस खत्म होने की जानकारी मिलने पर उन्होंने पारंपरिक मिट्टी के चूल्हे पर रोटियां बनाईं। इस तरह जनता से जुड़ने के साथ ही उन्होंने राजनीतिक संदेश भी दिया कि लोगों को रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत का भी सामना करना पड़ रहा है। पार्थ हजारी ने मुस्कुराते हुए कहा कि मैंने पहले भी रोटियां बनाई हैं, इसलिए मुझे थोड़ी बहुत जानकारी है। गैस सिलेंडर न मिलने के कारण कई परिवार मुश्किल में हैं। मैंने तो बस मदद करने की कोशिश की। वोट मांगते हुए रोटियां बेलने की उम्मीदवार की तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। बीरभूम में भाजपा के एक उम्मीदवार को नाई की दुकान पर दाढ़ी बनाते देखा गया।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज आप अधिकारियों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। यदि सर्दी-खांसी से पीड़ित हैं, तो तुरंत उसका इलाज करवाएं। अनावश्यक खर्च से बचें।

तुला – आज का दिन अपनों के बीच शांति से बिताएंगे। अनैतिक कार्यकलापों की ओर प्रेरित हो सकते हैं। कोई निर्णय भी सोच-समझकर ही लें।

वृष – आज भविष्य की योजनाओं में आप निवेश कर सकते हैं। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक – आज दिनचर्या थोड़ी असामान्य हो सकती है। आपकी योजनाएं सफल होंगी। घर में कुछ आगंतुकों का आगमन हो सकता है।

मिथुन – आज कारोबारी मामलों में अड़चन आने की संभावना है। छोटी-मोटी बातों पर अधिक आक्रामक न हों। लोग आपको धोखा दे सकते हैं।

धनु – आज घर का वातावरण अनुशासित रहेगा। लोग आपके भोलेपन का लाभ उठा सकते हैं। नकारात्मक आदतों को छोड़ने का प्रयास करें।

कर्क – आज आपकी सलाह से लोगों को लाभ होगा। पुराने रोग से मुक्ति मिलने के अच्छे योग हैं। खानपान अत्यंत संतुलित रखें।

मकर – आज उधार लेन-देन को लेकर थोड़ी समस्या होगी। आलस्य में अपना समय व्यर्थ न करें। अपनी योग्यताओं पर संदेह न करें।

सिंह – आज परिवार में काम की थोड़ी अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य थोड़ा नरम सा हो सकता है। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

कुंभ – आज उच्च शिक्षा को लेकर काफी मेहनत करेंगे। आपको सफलता मिल सकती है। धन लाभ के नए अवसर मिल सकते हैं।

कन्या – आज व्यापारिक उद्देश्य से यात्रा हो सकती है। अनावश्यक खर्चों को नियंत्रित करना पड़ेगा। बनते हुए कार्यों में विघ्न आने की आशंका है।

मीन – आज आप काम के प्रति एकाग्र रहेंगे। उच्च अधिकारी आपकी प्रशंसा करेंगे। आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

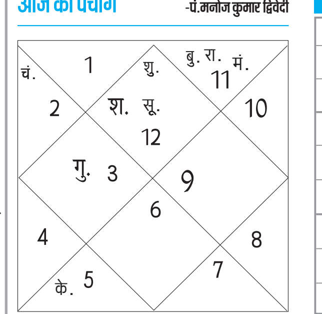

आज की ग्रह स्थिति : 23 मार्च, सोमवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 18.38 तक तत्पश्चात षष्ठी।

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-कृत्तिका 20.49 तक तत्पश्चात रोहिणी।

सुडोकू - 96 का हल

9	1	4	6	2	8	5	7	3
3	2	6	9	7	5	4	8	1
8	7	5	1	3	4	9	2	6
6	9	7	8	4	1	2	3	5
4	8	2	5	6	3	7	1	9
1	5	3	2	9	7	6	4	8
7	6	8	3	5	2	1	9	4
5	4	1	7	8	9	3	6	2
2	3	9	4	1	6	8	5	7

सुडोकू -97

		9				6		
5					9		1	
7		8		4				2
		3	6		8		4	
		7				8		
	2		5		3			
4				1				8
	3		2				5	
		6				9		

नीलामी में समझदारी भरे और साहसिक फैसले लेने के बाद पंजाब किंग्स अब सही दिशा में आगे बढ़ रही है जिससे इंडियन प्रीमियर लीग खिताब के लिए उसका लंबा इंतजार खत्म होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

-इरफान पठान

हाईलाइट

शनाका को साइन करने के लिए तैयार राजस्थान रॉयल्स

नई दिल्ली। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से एक और खिलाड़ी बाहर हो गया है, जिसमें दासुन शनाका इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चले गए हैं। शनाका को राजस्थान रॉयल्स आने वाले सीजन के लिए साइन करने वाली है, वे चोटिल सैम करन की जगह लेंगे, जो पहले आईपीएल 2026 से बाहर हो गए थे। रॉयल्स के एक टॉप अधिकारी ने क्रिकबज को इस साइनिंग की पुष्टि की। फ्रैंचाइजी के एक अधिकारी ने इस वेबसाइट को बताया हां, हम उन्हें साइन करने के करीब हैं। कुछ फॉर्मेलिटीज बाकी हैं। उन्हें श्रीलंकाई क्रिकेट (एसएलसी) के साथ कुछ पेपरवर्क पूरा करना है। शनाका पिछले दिसंबर में अबू धाबी मिनी-ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे, जिसके बाद उन्होंने पीएसएल ऑक्शन के लिए एनरोल किया, जहां उन्हें लाहौर कलंदर्स ने 75 लाख पाकिस्तानी रुपये में खरीदा था।

गोल्फर अदिति शीर्ष पांच से बाहर

मेनलो पार्क। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक फोर्टिनेट फाउंडर्स कप के तीसरे दिन एक ओवर 73 स्कोर करके संयुक्त तीसरे से संयुक्त 24वें स्थान पर खिसक गई। यो जू किम अब अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से पांच स्ट्रोक्स आगे शीर्ष पर है। नेली कोरडा दूसरे स्थान पर है। तीसरे स्थान पर रूइक्सिन लियू और गैबी लोपेज हैं।

अनाहत सिंह और अभय सिंह फाइनल में

मुंबई। भारत की स्टार खिलाड़ी अनाहत सिंह और अभय सिंह अपने-अपने सेमीफाइनल मैच जीतकर इंडियन ओपन 2026 स्क्वैश टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गए। यह लगातार दूसरी बार है ये दोनों भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी पीएसए स्पर्धा में खिताब के लिए मुकाबला करेंगे। सीसीआई ब्रेबॉर्न स्टेडियम में शनिवार को खेले गये मुकाबले में मौजूदा महिला चैंपियन और टॉप सीड अनाहत सिंह ने पूरी तरह से भारतीय सेमीफाइनल मुकाबले में अपनी हमवतन तन्वी खन्ना को 3-1 (11-6, 9-11, 11-8, 11-2) से हराया। पुरुष वर्ग में एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह ने मलेशिया के अमीशेनराज चंद्रन को 3-1 (11-9, 9-11, 11-3, 11-8) से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

डुप्लांटिस ने जीता विश्व इंडोर पोल वॉल्ट खिताब

टोरुन (पोलैंड)। आर्मंड डुप्लांटिस ने यूनान के एम्मानोइल कारालिस से कड़ी टक्कर मिलने के बावजूद अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए पोल वॉल्ट में एक और विश्व खिताब जीता। डुप्लांटिस ने 6.25 मीटर की कूद लगाकर लगातार चौथी बार विश्व इंडोर चैंपियनशिप जीती, जो कि एक साल पहले नानजिंग में उनके पिछले रिकॉर्ड से 10 सेंटीमीटर अधिक है। इन दोनों के अलावा अन्य खिलाड़ी 6.05 मीटर तक ही पहुंच पाए। डुप्लांटिस ने 6.10, 6.15 और फिर 6.25 मीटर कूद लगाई। करालिस ने 6.10 और 6.15 मीटर की लंबी सफलतापूर्वक पार की, लेकिन 6.25 पर अपने प्रयास में चूक गए, और लगातार दूसरे वर्ष उपविजेता रहे। डुप्लांटिस ने अपना पोल एक तरफ रख दिया और पूरे 6.31 मीटर के उस विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने का प्रयास नहीं किया।

आईपीएल में तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करेंगे ऋषभ पंत

एलएसजी के कप्तान के रूप में यह सत्र साबित हो सकता निर्णायक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की टी-20 टीम में वापसी करने की कवायद में लगे ऋषभ पंत 28 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान के रूप में पंत के लिए यह सत्र निर्णायक साबित हो सकता है। उनके लिए काफी कुछ दांव पर लगा है क्योंकि फ्रेंचाइजी ने 2025 की मेगा नीलामी में उन्हें रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपये में अपनी टीम से जोड़ा था। पिछले साल के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अगर पंत इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो वह भविष्य में भारत की टी20 योजनाओं का हिस्सा बन सकते हैं। पंत खेल के तीनों प्रारूप में से केवल भारतीय टेस्ट टीम के ही अभिन्न सदस्य हैं जबकि वनडे में वह केएल राहुल के बैकअप विकेटकीपर हैं। इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने 2024 में भारत की विश्व कप जीत के बाद टी20 टीम में अपनी जगह गंवा दी थी। संजू सैमसन और ईशान किशन के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए टीम में वापसी करने के लिए उन्हें कुछ खास प्रदर्शन करना होगा, क्योंकि इन दोनों खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन से टीम में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है।

इसलिए पंत के लिए आईपीएल का आगामी सत्र काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें वह अपनी कीमत को जायज ठहराने के अलावा खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने की भी कोशिश करेंगे। पंत ने पिछले सत्र में अधिकतर समय चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की थी लेकिन तब वह आखिर के कुछ मैचों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे। उस समय तक हालांकि लखनऊ की वापसी की संभावना समाप्त हो गई थी। पंत के तीसरे नंबर पर उतरने का मतलब होगा कि निकोलस पूरन को बल्लेबाजी क्रम में नीचे आना पड़ेगा। एलएसजी की टीम अभी लखनऊ में अपने घरेलू मैदान पर अभ्यास कर रही है। उसका पहला मैच एक अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होगा। मुख्य कोच जस्टिन लैंगर और सहयोगी स्टाफ पंत के बल्लेबाजी क्रम पर एकमत हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाड़ी एमएस धोनी, पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन, अनिरुद्ध श्रीकांत और अन्य लोग। एजेंसी

चेपॉक स्टेडियम में सीएसके का हुआ मेगा फैन शो

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स ने रविवार को भारत के पूर्व हरफनमौला सुरेश रैना और आस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को टीम के पहले 'हाल आफ फेम' में शामिल किया। यह घोषणा एम ए चिदंबरम स्टेडियम पर टीम के प्रशंसकों के लिये विशेष कार्यक्रम 'रोअर 26' के दौरान की गई। रैना 2008 से 2021 तक चेन्नई टीम का हिस्सा थे। वह चार बार आईपीएल में चेन्नई की विजेता टीम (2010, 2011, 2018 और 2021) के सदस्य रहे। प्रशंसकों के बीच 'चिन्ना थाला' के नाम से मशहूर रैना 2010 और 2014 में चैंपियंस लीग जीतने वाली चेन्नई टीम में भी थे और 2014 में 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' रहे थे। चेन्नई के लिये उन्होंने सर्वाधिक 5529 रन बनाये हैं। हेडन 2008 से 2010 तक चेन्नई टीम में थे। उन्होंने 2009 में 572 रन बनाकर ऑरेंज कैप हासिल की थी। इस मौके पर चेन्नई सुपर किंग्स के कई पूर्व खिलाड़ी मौजूद थे।

बारह चक्कर मारने के लिए बोला तो मैने 15 दौड़े : हार्दिक

मुंबई। भारत के हरफनमौला हार्दिक पंड्या ने रविवार को कहा कि उन्होंने अपने कैरियर की शुरुआत विशुद्ध बल्लेबाज के तौर पर की थी और कड़ी मेहनत तथा अतिरिक्त प्रयासों से उन्हें कामयाबी मिली। रणजी ट्रॉफी में 2013 में पदार्पण के बाद 2015 में इंडियन प्रीमियर लीग में कदम रखने वाले पंड्या 2024 और 2026 में भारत की टी20 विश्व कप विजेता टीम के अहम सदस्य रहे। बत्तीस बरस के पंड्या ने मुंबई इंडियंस के एक प्रचार कार्यक्रम में कहा मैं खालिस बल्लेबाज था। मुझे बस एक बात पता थी कि अगर मैदान के 12 चक्कर लगाने को कहा गया है तो मैंने 15 लगाए। वहीं पर किसी ने मुझे देखा और एक साल बाद मैंने रणजी ट्रॉफी खेला। उन्होंने आगे कहा रणजी खेलने के दौरान मुंबई इंडियंस की प्रतिभा तलाश टीम मुझे देखने नहीं आई थी लेकिन उन्हें यह अहसास हुआ कि मुझमें कुछ खास है। इससे पता चलता है कि मुंबई इंडियंस की प्रतिभा तलाश टीम कितनी जबर्दस्त है और क्या कर सकती है। पंड्या ने कहा मुझे बिल्कुल पता नहीं था कि शरीर का ध्यान कैसे रखना है। मुझे पता था कि मेहनत कैसे करनी है। दुनिया ऊपर से नीचे हो जाये लेकिन मेरा भरोसा हमेशा से कड़ी मेहनत में था। मैं युवाओं से हमेशा यही कहता हूं।

प्रशंसकों के लिए प्रैक्टिस जर्सी पेश की केकेआर ने

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल के आगामी सीजन के लिए अपनी प्रैक्टिस जर्सी पेश की है। यह पहली बार है जब फ्रेंचाइजी ने प्रशंसकों के लिए ट्रेनिंग किट पेश की है। यह कदम टीम की ट्रेनिंग जर्सी के शुरुआती अनावरण पर मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद उठाया गया है। पहली झलक सामने आने के बाद, हजारों फैंस सोशल मीडिया पर आए, उन्होंने डिजाइन की तारीफ की और फ्रेंचाइजी से खरीदने के लिए उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इस बढ़ती मांग को सुनते हुए केकेआर ने अब प्रैक्टिस जर्सी को अपने फैंस के लिए उपलब्ध करा दिया है।

दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बराबर की श्रृंखला

वेलिंगटन, एजेंसी

कॉनर एस्टरहुइज़न के करियर के पहले अर्धशतक और स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को यहां चौथे टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में न्यूजीलैंड को 19 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली।

एस्टरहुइज़न ने 33 गेंदों में अपना पहला अर्धशतक बनाया और वह आखिर में 57 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी ने दोनों टीमों के बीच निर्णायक अंतर पैदा किया क्योंकि दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 164 रन बनाए। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 18.5 ओवर में 145 रन पर आउट हो गई।

न्यूजीलैंड ने पावर प्ले में दो विकेट पर 63 रन बनाए थे जिसमें टिम रॉबिंसन के 22 गेंद पर बनाए गए 32 रन शामिल हैं। लेकिन इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के स्पिनरों ने शिकंजा कस दिया। उसकी तरफ से प्रेनेलन सुब्रायन ने अपने पहले मैच में 13 रन देकर दो जबकि केशव महाराज ने 22 रन देकर दो विकेट लिए। लगभग तीन साल बाद न्यूजीलैंड की टीम में वापसी करने वाले डेन क्लीवर ने 16 गेंदों में 26 रन बनाकर अपनी टीम की उम्मीद बरकरार रखी लेकिन उनके आउट होने के बाद दक्षिण अफ्रीका की जीत सुनिश्चित हो गई।

केशव महाराज का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते प्रेनेलन सुब्रायन। एजेंसी

न्यूजीलैंड के कप्तान जिमी नीशम ने कहा मुझे लगता है कि 165 रन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। मुझे नहीं लगता कि यह बहुत बड़ा लक्ष्य था।

हमारे कुछ खिलाड़ी अनुभवहीन है जिसका हमें नुकसान हुआ। न्यूजीलैंड की पहले से ही कमजोर टीम टॉम लैथम के चोटिल होने और सीरीज के आखिरी दो मैचों के लिए डेवोन कॉनवे, मिचेल सेंटनर और लॉकी फर्ग्यूसन के बाहर होने से और कमजोर पड़ गई। इससे पहले एस्टरहुइज़न ने दक्षिण अफ्रीका को तब संभाला जब उसने अपनी पारी की दूसरी ही गेंद पर वियान मुल्डर का विकेट खो दिया था दाएं हाथ के बल्लेबाज ने तीसरे ओवर में एक छक्का और एक चौका, तथा चौथे ओवर में एक छक्का और एक चौका लगाया। इसके बाद उन्होंने पांचवें ओवर में एक छक्का और दो चौके लगाकर 17 रन बनाए, जिससे दक्षिण अफ्रीका पावर प्ले में एक विकेट पर 50 रन बनाने में सफल रहा। टोनी डी जोर्जी (23) ने एस्टरहुइज़न के साथ दूसरे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी की।

विदेशी खिलाड़ियों की अनुपस्थिति से गड़बड़ाए समीकरण

नई दिल्ली। कुछ प्रमुख विदेशी खिलाड़ियों के चोटिल होने या देर से टीम में शामिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र में कुछ टीमों के समीकरण गड़बड़ा गए हैं।

कुछ प्रमुख विदेशी खिलाड़ी चोटिल होने के कारण पहले ही पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं जबकि कुछ खिलाड़ी विभिन्न कारणों से टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे। अगर केवल चोट की बात करें तो कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। उसके भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आकाशदीप चोटिल होने के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं जबकि श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीसा पथिराना भी पिंडली में लगी चोट के कारण केकेआर के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे।

सनराइजर्स हैदराबाद को भी शुरू के कुछ मैच में अपने नियमित कप्तान पैट कमिंस के बिना मैदान पर उतरना होगा जो पीठ में खिंचाव की समस्या से उबर रहे हैं। कमिंस की अनुपस्थिति में ईशान किशन सनराइजर्स की अगुवाई करेंगे।

जबरदस्त प्रतिस्पर्धा

पोलैंड के टोरुन में वर्ल्ड एथलेटिक्स इनडोर चैंपियनशिप में महिलाओं की 4 गुणा 400 मीटर रिले हीट में पुर्तगाल की फातोमाता बिंटा डियालो सबसे आगे जीत के करीब पहुंचीं। ● एजेंसी

26 मार्च से दर्शकों के बिना होगा पीएसएल

● पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने बताई टूर्नामेंट की तैयारी

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को कहा कि ईरान-अमेरिका-इस्राइल युद्ध के कारण क्षेत्र में तनाव को देखते हुए पाकिस्तान सुपर लीग का पहला चरण दर्शकों के बिना होगा।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने कहा कि पीएसएल का यह सत्र कराची और लाहौर में ही खेला जाएगा। उन्होंने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा पीएसएल हमारा अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड और हमारा गौरव है। यह लीग 26 मार्च से ही होगी लेकिन दर्शकों को अनुमति नहीं रहेगी। पीएसएल के सीईओ सलमान नसीर ने पाकिस्तान में पीएसएल के आयोजन को लेकर किसी तरह की सुरक्षा आशंकाओं को खारिज किया।

आईपीएल जाने वालों पर होगी कार्रवाई

पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने उन खिलाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई करने का वादा किया है, जिन्होंने आखिरी समय पर पीएसएल छोड़कर आईपीएल का रुख किया। लगातार दूसरे साल दोनों लीग एक समय पर हो रही हैं। श्रीलंका के दासुन शनाका ऐसा करने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने लाहौर कलंदर्स टीम से नाम वापस ले लिया है।

ऑस्ट्रेलिया में अगले साल जनवरी से मार्च तक पांच टेस्ट खेलेगा भारत

मेलबर्न, एजेंसी

● कंगारू टीम ने जारी किया 2026-27 के लिए कार्यक्रम

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को अपना 2026-27 का अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर जारी किया, जिसमें उसका कार्यक्रम काफी व्यस्त है और इसलिए उसे जनवरी से मार्च तक भारत में होने वाली पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला की प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले तैयारी के लिए बहुत कम समय मिलेगा।

अगले साल भारत के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला पैट कमिंस की उम्रदराज टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। उसको इसके लिए तैयारी का बहुत कम समय मिलेगा क्योंकि ऑस्ट्रेलिया को दिसंबर और मार्च के बीच 14 सप्ताह के अंदर 10 टेस्ट मैच खेलने हैं। ऑस्ट्रेलिया अपने घरेलू सत्र की शुरुआत अगस्त 2026 में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच से करेगा और इसका समापन मार्च 2027 में एमसीजी में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर खेले जाने वाले दिन रात्रि टेस्ट मैच से होगा। ऑस्ट्रेलिया की इस व्यस्त कार्यक्रम में भारत के खिलाफ उसकी धरती पर होने वाली टेस्ट सीरीज में असली परीक्षा होगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने टीम के लिए कड़ी चुनौती बताया है।

ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट कार्यक्रम

अगस्त : बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच

अक्टूबर : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट मैच

दिसंबर-जनवरी : न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैच

जनवरी-मार्च : भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैच

11-15 मार्च : इंग्लैंड के खिलाफ 150वीं वर्षगांठ का टेस्ट मैच

जून : विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल

जून-अगस्त : इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच।

लिवरपूल और चेल्सी पर बाहर होने का खतरा

लिवरपूल। लगातार खराब प्रदर्शन के कारण लिवरपूल और चेल्सी के लिए प्रीमियर लीग फुटबाल टूर्नामेंट का खिताब तो दूर की कौड़ी बनता ही जा रहा है, बल्कि उन पर अब चैंपियंस लीग में जगह बनाने की दौड़ से बाहर होने का खतरा भी मंडरा रहा है। लिवरपूल को इस सत्र में प्रीमियर लीग में 10वीं जबकि चेल्सी को 10 दिनों में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा है।

शनिवार को ब्राइटन के हाथों 2-1 से मिली हार से लिवरपूल का अपने खिताब का बचाव करने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। मौजूदा चैंपियन टीम पिछले तीन मैच में जीत हासिल नहीं कर पाई है। इसके कुछ घंटों बाद चेल्सी को एवर्टन ने 3-0 से हरा दिया।

मियामी ओपन

दामिर जुमहुर को एकतरफा मुकाबले में 6-3, 6-3 से हराया

सिनर ने जोकोविच के रिकॉर्ड की बराबरी की

मियामी, एजेंसी

जैनिक सिनर ने शनिवार को हार्ड रॉक स्टेडियम में मियामी ओपन में दामिर जुमहुर को 6-3, 6-3 से हराया। एटीपी रैंकिंग में नंबर 2 खिलाड़ी, जो 2017 में रोजर फेडरर के बाद मशहूर 'सनशाइन डबल' पूरा करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे हैं।

नवंबर में पेरिस मास्टर्स और इंडियन वेल्स में टाइटल जीतने के बाद अब एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट्स में 12 मैच जीतने के सिलसिले पर, सिनर ने उस लेवल पर लगातार सबसे ज्यादा सेट जीतने के नोवाक जोकोविच के रिकॉर्ड (24) की बराबरी कर ली है। उनके पास 30वीं सीड कोरेंटिन मौटेट के खिलाफ अपने तीसरे राउंड के मुकाबले का पहला सेट जीतकर अपने बड़े विरोधी से आगे निकलने का मौका होगा, जिन्होंने टॉमस माचाक को 6-0, 1-6, 6-4 से हराया था।

जब सिनर से मास्टर्स 1000 में लगातार सीधे सेटों में जीत के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा मुझे लगता है कि कभी-कभी स्कोरबोर्ड मायने रखता है। मेरे लिए, मैं एक खिलाड़ी के तौर पर बेहतर होने की कोशिश करता हूं और खुद को ज्यादा से ज्यादा मैच खेलने की स्थिति में रखता हूं। मैं हमेशा हर विरोधी के साथ एक जैसा बर्ताव करता हूं, कोर्ट पर आकर अच्छे एटीट्यूड के साथ अपना बेस्ट देने की कोशिश करता हूं और इसके लिए पूरी कोशिश करता हूं।" इस जोड़ी की पहली लेक्सस हेड2हेड मीटिंग में वर्ल्ड नंबर 76 जुमहुर को हराने के लिए, टॉप-क्लास सर्विंग परफॉर्मेंस देने के साथ-साथ, सिनर ने अपनी 71 मिनट की जीत के दौरान नेट पर भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। 25 बार के टूर-लेवल चैंपियन ने आगे बढ़ते हुए 17 में से 14 पॉइंट जीते।

'मेरे लिए ट्रांजिशन गेम बहुत जरूरी'

सिनर ने कहा, मेरे लिए, ट्रांजिशन गेम बहुत जरूरी है। यह एक ऐसा हिस्सा है जिसे हमने बहुत बेहतर बनाने की कोशिश की है। यह थोड़ा-बहुत दिन-ब-दिन पर भी निर्भर करता है। आज, सीधे ब्रेक से शुरुआत करते हुए, मैंने थोड़ा अग्रेसिव होने की कोशिश की। कभी-कभी यह बहुत अच्छा काम करता था, कभी-कभी मैंने कुछ अनफोर्स्ड गलतियां कीं, लेकिन मेरे पास यहां एडजस्ट करने के लिए ज्यादा समय नहीं था। यह इंडियन वेल्स से बहुत अलग है। पहले राउंड के मैच कभी आसान नहीं होते, इसलिए मैं खुश हूं।